रांची, मंगलवार
15.09.2026
वर्ष : 11, अंक : 284, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरे हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

गणेश चतुर्थी पर भक्ति में डूबी रांची, पंडालों में धूमधाम से हुई भगवान विघ्नहर्ता की पूजा

बिभा संवाददाता

रांची। गणेश चतुर्थी के अवसर पर राजधानी रांची के विभिन्न इलाकों में भव्य पूजा पंडालों का निर्माण कर धूमधाम से पूजा-अर्चना की जा रही है। इस अवसर पर राजधानी रांची भगवान विघ्नहर्ता की भक्ति में डूबी रही।

रांची के कोकर, लालपुर, धुर्वा, अरगोड़ा, हरमू के विद्यानगर, डोरंडा सहित कई क्षेत्रों में गणेश भक्तों की भीड़ उमड़ रही है।

इस दौरान कचहरी रोड स्थित गजराज पूजा महासमिति की ओर से लगातार 15वें वर्ष गणेश पूजा का आयोजन किया जा रहा है। सोमवार सुबह विधि-विधान के साथ पांच दिवसीय पूजा की शुरूआत हुई। आचार्य विनय मिश्रा ने पूजा-अनुष्ठान कराया। इस दौरान गौरी-गणेश, वरुण, सूर्य सहित नवग्रहों की पूजा के बाद भगवान गणेश की विधिपूर्वक पूजा-अर्चना की गई। महासमिति ने इस वर्ष प्राचीन भारतीय परंपराओं को ध्यान में रखते हुए करीब 25-25 फीट ऊंचा और चौड़ा भव्य पंडाल तैयार किया है। वहीं पंडालों में शाम में संध्या आरती और प्रसाद वितरण किया गया। साथ ही भजन मंडली में स्थानीय लोगों की भागीदारी भी रही। समिति का उद्देश्य धार्मिक आयोजन के साथ लोगों को भारतीय परंपरा और संस्कृति से जोड़ना है। आयोजकों के अनुसार 15 सितंबर 2026 को महाभोग, 17 सितंबर 2026 को महाभंडारा और 18 सितंबर 2026 को चडरी तालाब में गणेश प्रतिमा का विसर्जन किया जाएगा।

आयोजन को सफल बनाने में अध्यक्ष विक्की वर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष हीरू सिंह, कोषाध्यक्ष अभिषेक सिंह, संरक्षक संतोष सिंह, संयोजक शशि शर्मा सहित समिति के अन्य सदस्य जुटे हैं।

हरतालिका व्रत पर सुहागिनों ने रखा निर्जला उपवास, भगवान शिव से मांगा अखंड सौभाग्य

बिभा संवाददाता

रांची। राजधानी रांची सहित पूरे राज्य भर में सोमवार को सुहागिनों को अखंड सौभाग्य का फल देनेवाला व्रत हरतालिका (तीज) श्रद्धापूर्वक मनाया गया।

इस अवसर पर सुहागिन महिलाओं ने सोलह श्रृंगार कर पेडकिया, गुझिया, ऋतुफल, पुष्प अच्छत, बेलपत्र सहित अन्य पूजन सामग्री से भगवान शिव और माता पार्वती की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। व्रतियों ने विधिपूर्वक पूजा और आरती कर भगवान शिव से अखंड सौभाग्य के लिए प्रार्थना की। व्रती महिलाएं रात भर जागरण कर भजन गायन करेंगी और मंगलवार की सुबह स्नानादि से निवृत होकर पूजन कर विधिपूर्वक विसर्जन करेंगी और पारण करेंगी। इस दौरान कई महिलाओं में अपने घर में ,जबकि कई महिलाओं में पास के शिवालय में जाकर पूजा-अर्चना की।

तीज व्रत की कथा के अनुसार माता पार्वती के पिता हिमालय राज उनकी ईच्छा के विरूद्ध उनका विवाह भगवान विष्णु से कराना चाहते थे। माता पार्वती यह नहीं चाहती थीं। इसलिए उनकी एक सखी उन्हें निकालकर उन्हें एक घने जंगल की गुफा में ले गई। सखी की ओर से पार्वती माता का हरण करके ले जाने के कारण ही इस व्रत का नाम हरतालिका पडा।

संक्षिप्त खबरें

राज्य में 18 सितंबर तक गरज के साथ बारिश के आसार, येलो अलर्ट जारी

रांची। झारखंड की राजधानी रांची सहित राज्य के विभिन्न हिस्सों में 18 सितंबर तक गरज के साथ हल्की बारिश होने और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना है। मौसम विभाग ने इसे देखते हुए सोमवार को येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण-पूर्वी राजस्थान और उससे सटे गुजरात के क्षेत्र तथा दक्षिण-पश्चिमी मध्य प्रदेश और दक्षिण-पूर्वी राजस्थान के आसपास निम्न दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। इससे संबंधित मौसम प्रणाली धीरे-धीरे देश के दक्षिणी हिस्से की ओर बढ़ रही है। इसके प्रभाव से आने वाले दिनों में झारखंड में भी बारिश और गरज-चमक की गतिविधियां बढ़ने की संभावना है।

कछार में एक करोड़ की संदिग्ध याबा टैबलेट जब्त, एक गिरफ्तार

कछार (असम)। असम के कछार जिले में पुलिस ने विशेष सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 10,000 संदिग्ध याबा टैबलेट बरामद की हैं। बरामद टैबलेट का कुल वजन करीब 1.309 किलो और अनुमानित बाजार मूल्य लगभग एक करोड़ बताया गया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार युवक की पहचान कैलैन थाना क्षेत्र के भोइरबपुर पार्ट-क निवासी जयरुल इस्लाम (23) के रूप में हुई है। उसे गुमराह बाजार से एक अभियान के दौरान पकड़ा गया। पुलिस ने बताया कि संदिग्ध याबा टैबलेट आरोपित के पास लाल रंग के कैरी बैग से बरामद की गईं। बरामद मादक पदार्थ को जब्त कर लिया गया है।

दुबई भागने की फिराक में प्रिंस खान का भाई बंटी खान कोलकाता से गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

धनबाद : धनबाद पुलिस ने वासेपुर के कुख्यात गैंगस्टर प्रिंस खान के भाई बंटी खान को पश्चिम बंगाल पुलिस के सहयोग से कोलकाता से गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, बंटी खान फर्जी दस्तावेजों के सहारे दुबई भागने की तैयारी में था। अंतरराष्ट्रीय उड़ान पकड़कर विदेश निकलने से पहले ही पुलिस ने उसे दबोच लिया। गिरफ्तारी के दौरान उसके पास से वैध पासपोर्ट के साथ फर्जी पासपोर्ट और वीजा भी बरामद किए गए हैं। धनबाद एसएसपी प्रभात कुमार ने बैंक मोड़ थाना में प्रेस वार्ता कर गिरफ्तारी की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बंटी खान के खिलाफ हत्या, रंगदारी, आर्म्स एक्ट और आपराधिक साजिश समेत एक दर्जन से अधिक गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। लंबे समय से पुलिस उसकी तलाश कर रही थी।

पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि बंटी खान कोलकाता में छिपा हुआ है और वहां से अंतरराष्ट्रीय उड़ान के जरिए दुबई भागने की फिराक में है। सूचना के बाद धनबाद पुलिस की विशेष टीम कोलकाता भेजी गई। पश्चिम बंगाल पुलिस के सहयोग से कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

तलाशी के दौरान पुलिस को उसके पास से वैध पासपोर्ट के अलावा फर्जी पासपोर्ट और वीजा मिले। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि फर्जी दस्तावेज किसने उपलब्ध कराए और इस नेटवर्क में कौन-कौन लोग शामिल हैं। पुलिस को उम्मीद है कि पूछताछ में प्रिंस खान गिरोह के रंगदारी नेटवर्क, वित्तीय लेनदेन और विदेश में सक्रिय सदस्यों के संबंध में अहम जानकारी मिल सकती है।

इससे पहले गिरोह के मुख्य गुर्गे मेजर उर्फ सैफी को भी कोलकाता एयरपोर्ट से दुबई भागने की कोशिश के दौरान गिरफ्तार किया गया था। बंटी खान की गिरफ्तारी को भी पुलिस गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई मान रही है।

गिरफ्तारी के बाद धनबाद पुलिस ने बंटी खान का सड़क पर परेड भी कराया। उसके हाथों में हथकड़ी और कमर में रस्सा बंधा था। पुलिसकर्मी उसे घेरे हुए सड़क पर चल रहे थे। परेड देखने के लिए कुछ देर तक लोगों ने सड़क किनारे और वाहनों में रुककर पूरा नजारा देखा। पुलिस अब उसे अदालत में पेश कर आगे की कानूनी कार्रवाई और पूछताछ की तैयारी में जुटी है।

जेएसएससी-सीजीएल और जेपीएससी परीक्षा गड़बड़ी मामले में दो आरोपित गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड में जेएसएससी-सीजीएल और जेपीएससी प्रतियोगिता परीक्षा में कथित गड़बड़ी की जांच कर रही अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) को बड़ी सफलता मिली है।

सीआईडी ने दोनों अलग-अलग परीक्षा मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

जेएसएससी - सीजीएल प्रतियोगिता परीक्षा से संबंधित सीआईडी थाना कांड संख्या 01/2025 में आरोपित दिलीप कुमार पासवान को गिरफ्तार किया गया है। करीब 41 वर्षीय दिलीप कुमार पासवान पश्चिम बंगाल के पश्चिम बर्द्धमान जिले के रहने वाले हैं। सीआईडी की ओर से मिली जानकारी के अनुसार आरोपित ने जेएसएससी- सीजीएल परीक्षा में कई अभ्यर्थियों को अनुचित लाभ पहुंचाया था। गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

वहीं, जेपीएससी प्रतियोगिता परीक्षा से जुड़े सीआईडी थाना कांड संख्या 16/2026 में आरोपित संजीत कुमार को गिरफ्तार किया गया है। 38 वर्षीय संजीत कुमार रांची के सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के रांची रोड इलाके का रहने वाला बताया गया है। सीआईडी के अनुसार, संजीत कुमार को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

जांच में उसके कोचिंग संस्थान के संचालक होने और एजेंट के रूप में काम करने की बात सामने आई है। सीआईडी दोनों मामलों में परीक्षा में गड़बड़ी और अभ्यर्थियों को अनुचित लाभ पहुंचाने से जुड़े नेटवर्क की जांच कर रही है।

छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो की तबीयत बिगड़ी, सदर अस्पताल में भर्ती

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ लंबे समय से आंदोलन कर रहे छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो की सोमवार को तबीयत बिगड़ गई। उन्हें रांची के सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उनका इलाज जारी है। बताया गया कि देवेंद्र नाथ महतो को तेज बुखार, लगातार दस्त, उल्टी और पूरे शरीर में दर्द की शिकायत है। चिकित्सकों ने आवश्यक जांच शुरू कर दी है और उपचार किया जा रहा है।

दक्षिण अफ्रीका में भीषण सड़क हादसा, 21 लोगों की मौत

एजेंसी

केप टाउन। दक्षिण अफ्रीका के वेस्टर्न केप प्रांत में हुए एक सड़क हादसे में कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई। हादसा लीउ-गामका और प्रिंस अल्बर्ट के बीच हाईवे पर हुआ, जहां दो मिनीबस टैक्सी और एक एसयूवी की टक्कर हो गई।

बांग्लादेश की सरकारी समाचार एजेंसी बांग्लादेश संगबाद संस्था (बीएसएस) और स्थानीय मीडिया के अनुसार, रोड ट्रैफिक मैनेजमेंट कॉरपोरेशन (आरटीएमसी) ने बताया कि रविवार की रात हुए हादसे में 21 लोगों को जानलेवा चोटें आईं। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, दुर्घटना रात करीब 9:30 बजे हुई, जिसके बाद हाईवे को बंद करना पड़ा।

पुलिस ने हादसे के संबंध में गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कई अन्य घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

यह दुर्घटना केप टाउन से करीब 380 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में हुई। दक्षिण अफ्रीका में विकसित सड़क नेटवर्क होने के बावजूद सड़क हादसों में बड़ी संख्या में लोगों की मौत होती है। तेज रफ्तार, लापरवाही से वाहन चलाना, खराब हालत वाले वाहन और सीट बेल्ट का इस्तेमाल न करना दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों में शामिल हैं।

आरटीएमसी के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025 में दक्षिण अफ्रीका में सड़क दुर्घटनाओं में 11,485 लोगों की मौत हुई थी। यह संख्या 2024 की तुलना में पांच प्रतिशत से भी कम घटी थी। मृतकों में सबसे अधिक संख्या पैदल यात्रियों की थी।

हिंदी की प्रगति के लिए अन्य भारतीय भाषाओं का सम्मान और संरक्षण जरूरी:अमित शाह

एजेंसी

मुंबई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को नवी मुंबई में कहा कि हिंदी की प्रगति तभी सार्थक होगी, जब वह अन्य भारतीय भाषाओं की गरिमा, संवर्धन और संरक्षण सुनिश्चित करते हुए आगे बढ़े। उन्होंने हिंदी दिवस पर देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए भारत की भाषाई विविधता को देश की ताकत बताया।

नवी मुंबई में हिंदी दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि भारत की अनेक भाषाएं किसी कमजोरी का संकेत नहीं, बल्कि देश की सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक भारतीय भाषा का अपना इतिहास, लोक परंपरा और

विश्वदृष्टि है, जो नई पीढ़ी के मूल्यों और दृष्टिकोण को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भाषाई विविधता देश में 'विविधता में एकता' की भावना को भी मजबूत करती है।

गृह मंत्री ने कहा कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि किसी समाज की स्मृति और आत्म-जागरूकता भी होती है। हिंदी ने संवाद, संपर्क और समन्वय की भाषा के रूप में विभिन्न वर्गों और समुदायों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

अमित शाह ने कहा, हिंदी की प्रगति तभी सार्थक होगी जब वह अन्य भारतीय भाषाओं की गरिमा, संवर्धन और संरक्षण सुनिश्चित करते हुए आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि हिंदी को किसी एक भाषा के प्रतिनिधि के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। इसे भारत की विभिन्न भाषाओं और राष्ट्रीय एकता के बीच महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में समझने की जरूरत है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि गुजराती उनकी मातृभाषा है, लेकिन हिंदी उन्हें देश के विभिन्न हिस्सों के लोगों से सीधे जुड़ने में मदद करती है। उन्होंने युवाओं से अपनी मातृभाषा से जुड़े रहने के साथ दुनिया से सीखने का आह्वान किया। साथ ही माता-पिता से बच्चों के साथ उनकी मातृभाषा में संवाद करने की अपील की।

शाह ने कहा, भाषा ही वह माध्यम है जो हमें हमारी मातृभूमि, हमारी मिट्टी, हमारे इतिहास और हमारी संस्कृति से जोड़ती है। उल्लेखनीय है कि 14 सितंबर, 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में अपनाया था। इसी के उपलक्ष्य में हर वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है।

प्रधानमंत्री 17 सितंबर को करेंगे सेमीकॉन इंडिया का उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के सेमीकंडक्टर एवं इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र के सबसे बड़े आयोजनों में शामिल सेमीकॉन इंडिया 2026 का पांचवां संस्करण 17 से 19 सितंबर तक यहां के यशोभूमि (इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर) में आयोजित किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 सितंबर को इस तीन दिवसीय आयोजन का उद्घाटन करेंगे। कार्यक्रम में सेमीकंडक्टर एवं इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र से जुड़े वैश्विक उद्योग जगत, नीति-निमार्ता, निवेशक, शोधकर्ता, शिक्षाविद, स्टार्टअप और विद्यार्थी एक मंच पर जुटेंगे।

भारत सेमीकंडक्टर मिशन, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और वैश्विक सेमीकंडक्टर एवं इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग संगठन के संयुक्त आयोजन में होने वाले इस कार्यक्रम की थीम 'सिलिकॉन टू सिस्टमः बिल्डिंग द इकोसिस्टम' रखी गई है। इसका उद्देश्य भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा और पूरी वैल्यू चेन में देश की बढ़ती क्षमताओं को दुनिया के सामने रखना है।

सेमीकॉन इंडिया 2026 में 600 से अधिक प्रदर्शक, जिनमें करीब 300 अंतरराष्ट्रीय कंपनियां शामिल हैं, हिस्सा लेंगी। 40 से अधिक देशों के प्रतिनिधिमंडल और कंपनियां यहां पहुंचेंगी। करीब 15,000 वर्ग मीटर क्षेत्र में आयोजित प्रदर्शनी में 150 से अधिक प्रमुख वक्ता अपने विचार

और अनुभव साझा करेंगे। आयोजन में छह देश और 12 राज्य सरकारों के पवेलियन भी होंगे। इस बार प्रदर्शनी का प्रमुख आकर्षण 'सैंड टू सिलिकॉन टू सिस्टम वैल्यू चेन एक्सपीरियंस' होगा। इसके जरिए आगंतुकों को सेमीकंडक्टर क्षेत्र की पूरी यात्रा को एक साथ समझने का अवसर मिलेगा। इसमें सेमीकंडक्टर सामग्री और निर्माण से लेकर एडवांस्ड पैकेजिंग, चिप डिजाइन, इलेक्ट्रॉनिक्स और सिस्टम तक भारत की क्षमताओं को प्रदर्शित किया जाएगा।

कार्यक्रम में एक स्टार्टअप पवेलियन, इनोवेशन शोकेस, स्टार्टअप प्रतियोगिता, स्टूडेंट हैकाथॉन और वर्कफोर्स डेवलपमेंट पवेलियन भी होंगे। स्टार्टअप पवेलियन में करीब 40 स्टार्टअप अपने उत्पाद और नवाचार प्रदर्शित करेंगे। वहीं वर्कफोर्स डेवलपमेंट पवेलियन के जरिए माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में कौशल, प्रतिभा और रोजगार के अवसरों पर फोकस किया जाएगा।

तीन दिवसीय सम्मेलन में सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग और तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सप्लाई चेन की मजबूती, एडवांस्ड पैकेजिंग, सेमीकंडक्टर सामग्री और उपकरण, चिप डिजाइन, रिसर्च एंड डेवलपमेंट, स्टार्टअप, इनोवेशन और टैलेंट डेवलपमेंट जैसे विषयों पर चर्चा होगी। इसमें छह अंतरराष्ट्रीय कंट्री राउंडटेबल, महिला सशक्तीकरण एवं नेतृत्व पर विशेष सत्र आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन में चिप उद्योग से जुड़ी कई प्रमुख वैश्विक और भारतीय कंपनियों की भागीदारी अपेक्षित है। इससे कंपनियों के बीच निवेश, तकनीकी सहयोग, साझेदारी और सप्लाई-चेन से जुड़े अवसरों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

सेमीकॉन इंडिया ऐसे समय में हो रहा है जब भारत के सेमीकंडक्टर कार्यक्रम में परियोजनाओं की मंजूरी से आगे बढ़कर उत्पादन की दिशा में काम हो रहा है। सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम के तहत सरकार ने देश में मजबूत और लचीला सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम तैयार करने के लिए 12 परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इनमें से सेमीकॉन 1.0 के तहत मंजूर 12 परियोजनाओं में से तीन ने व्यावसायिक उत्पादन शुरू कर दिया है। इसके साथ ही केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सेमीकंडक्टर क्षेत्र के विकास को और गति देने के लिए सेमीकॉन 2.0 को भी मंजूरी दी है, जिसमें छह प्रमुख स्तंभों के माध्यम से इकोसिस्टम को आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया है।

नेपाल को राहत: भारत ने 31 दिसंबर तक 18 घंटे बिजली के निर्यात को दी मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्राकृतिक आपदा से जूझ रहे नेपाल की मदद के लिए भारत ने बिजली निर्यात बढ़ाने का फैसला किया है। केंद्रीय विद्युत मंत्रालय ने नेपाल विद्युत प्राधिकरण को 13 सितंबर से 31 दिसंबर 2026 तक प्रतिदिन 18 घंटे बिजली निर्यात करने की मंजूरी दी है।

मंत्रालय के अनुसार, मुजफ्फरपुर-ढालकेबर 400 केवी डीसी लाइन के जरिए नेपाल को अधिकतम 600 मेगावाट बिजली की आपूर्ति की जाएगी। इसके अलावा टनकपुर-महेंद्रनगर 132 केवी एस-सी लाइन के माध्यम से 54 मेगावाट तक बिजली भेजी जाएगी।

मंत्रालय ने बताया कि जनवरी 2027 से बिजली निर्यात की मात्रा और आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा दिसंबर 2026 में की जाएगी। इससे नेपाल की बिजली जरूरतों और उपलब्धता के आधार पर आगे की व्यवस्था तय करने में मदद मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि हाल में नेपाल में आई भीषण बाढ़ से जलविद्युत अवसंरचना को भारी नुकसान पहुंचा है। इसके चलते घरेलू बिजली उत्पादन प्रभावित हुआ और देश में बिजली संकट गहरा गया। ऐसे समय में भारत से अतिरिक्त बिजली आपूर्ति नेपाल की तत्काल ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में मदद करेगी। विद्युत मंत्रालय ने कहा कि यह निर्णय संकट की स्थिति में नेपाल को आवश्यक ऊर्जा सहायता उपलब्ध कराने के साथ-साथ दोनों देशों के बीच भरोसेमंद और दीर्घकालिक ऊर्जा सहयोग को और मजबूत करेगा। भारत ने क्षेत्रीय सहयोग तथा पड़ोसी देश को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने की अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई है।

सेल रांची में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत वेंडर मीट

सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता और ईमानदारी पर दिया गया जोर

बिभा संवाददाता

रांची। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) की रांची स्थित इकाइयों के सतर्कता विभाग द्वारा 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026' के तहत एक विशेष वेंडर मीट का आयोजन किया गया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य सार्वजनिक खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता, निष्पक्षता, जवाबदेही और नैतिक आचरण को बढ़ावा देना तथा बिजनेस पार्टनर्स के साथ संवाद को सुदृढ़ करना था।

कार्यक्रम का उद्घाटन कार्यकारी निदेशक (सीईटी) एस. सुब्बाराज एवं कार्यकारी निदेशक (एचआर-एलएंडडी) संजय धर ने संयुक्त रूप से किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि खरीद व्यवस्था को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाए रखने में वेंडर्स व बिजनेस पार्टनर्स की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी सहयोगियों से टेंडर प्रक्रिया के दौरान नैतिक व्यावसायिक मानकों और तय नियमों का कड़ाई से पालन करने का आह्वान किया।

समारोह के दौरान सेल मैनेजमेंट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (एमटीआई) के विश्वजीत आनंद ने सार्वजनिक खरीद प्रणाली पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। इसमें सेल के खरीद परिदृश्य, वेंडर रजिस्ट्रेशन, जेम पोर्टल, 'मेक इन इंडिया' पहल, स्थानीय सामग्री की प्राथमिकता और सूक्ष्म व लघु उद्यमों से जुड़े विशेष प्रावधानों पर विस्तार से जानकारी दी गई, ताकि वेंडर अधिक प्रभावी ढंग से प्रक्रियाओं में शामिल हो सकें।

इंटरैक्टिव सत्र में वेंडर्स और अधिकारियों के बीच खरीद प्रक्रिया से जुड़े मुद्दों पर सीधा विचार-विमर्श हुआ। कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागी वेंडर्स को उनके योगदान के लिए स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का सफल समन्वय रांची सतर्कता विभाग के कुमार सिद्धांत द्वारा सेल की अन्य इकाइयों के अधिकारियों के सहयोग से किया गया।

हल्दीपोखर में एडवोकेट के घर 17 लाख की चोरी, पांच चोर सीसीटीवी में कैद

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : पूर्वी सिंहभूम जिले के कोवाली थाना क्षेत्र के हल्दीपोखर हृदय नगर में रविवार देर रात अज्ञात चोरों ने एडवोकेट जावेद जमाल के घर का ग्रिल का ताला तोड़कर करीब 17 लाख रुपये की चोरी कर ली। चोरी की वारदात में करीब 16 लाख रुपये के जेवरात और 95 हजार रुपये नकद शामिल हैं। घटना के बाद कोवाली पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

एडवोकेट जावेद जमाल के अनुसार, रविवार रात करीब दो से तीन बजे के बीच पांच की संख्या में चोर उनके घर में घुसे। रात करीब 3:10 बजे जब उनकी नींद खुली तो उन्हें आंखों में तेज जलन महसूस हुई। उन्होंने पानी से आंखें साफ करने के बाद घर के अंदर देखा तो उनके पिता के कमरे का दरवाजा खुला हुआ था। बाहर जाकर देखने पर मुख्य गेट भी खुला मिला। इसके बाद उन्होंने अपनी मां को जगाया और पिता के कमरे की जांच की।

जांच के दौरान कमरे में रखा गोदरेज टूटा हुआ मिला। उसमें रखे करीब 16 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवरात और 95 हजार रुपये नकद गायब थे। परिजनों को चोरी का पता चलते ही कोवाली थाना पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस सुबह करीब चार बजे जावेद जमाल के घर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की। परिवार के अनुसार, घर के समीप लगे सीसीटीवी कैमरे में पांच संदिग्ध चोरों की गतिविधियां कैद हुई हैं। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की पहचान करने में जुटी है। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के साथ ही चोरों की गिरफ्तारी के लिए जांच तेज कर दी है।

संक्षिप्त खबरें

विजया गार्डन की 10वीं मंजिल से कूदे टाटा स्टील के पूर्व चीफ, मौत; जांच में जुटी पुलिस

जमशेदपुर(बिभा)। बिरसानगर थाना क्षेत्र के बारीडीह स्थित विजया गार्डन फेज-7 में सोमवार तड़के टाटा स्टील के मर्चेंट मिल के पूर्व चीफ संदीप पाल ने 10वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। 62 वर्षीय संदीप पाल के इस कदम से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना के बाद परिजन उन्हें तत्काल टाटा मुख्य अस्पताल (टीएमएच) लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिजनों के अनुसार संदीप पाल पिछले कुछ दिनों से मानसिक तनाव में थे। करीब 15 दिन पहले वह अपनी बेटी को बीकॉम की पढ़ाई के लिए मुंबई के एक कॉलेज में छोड़कर जमशेदपुर लौटे थे। बताया गया कि मुंबई में बेटी के रहने और वहां की परिस्थितियों को लेकर वह काफी चिंतित थे। इसके बाद से उनकी परेशानी बढ़ गई थी और वह तनाव में रहने लगे थे। घटना की सूचना मिलते ही बिरसानगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस आसपास के लोगों और परिजनों से पूछताछ कर रही है। फिलहाल आत्महत्या के पीछे की वास्तविक वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

जाति जनगणना में ओबीसी कॉलम जोड़ने की मांग को लेकर कांग्रेस ओबीसी सेल ने दर्ज किया विरोध

जमशेदपुर(बिभा): बिष्टुपुर स्थित तिलक पुस्तकालय में कांग्रेस ओबीसी सेल के द्वारा प्रेस वार्ता हुई जिसमें केन्द्र सरकार आगामी जाति जनगणना में ओबीसी के लिए अलग से कॉलम जोड़ने की मांग को लेकर विरोध दर्ज किया गया। नेताओं ने कहा कि जब तक जातिगत जनगणना में ओबीसी की वास्तविक संख्या सामने नहीं आएगी, तब तक सामाजिक न्याय अधूरा है। इस दौरान बताया गया कि इस मांग को लेकर 16 सितंबर को रांची में बापू वाटिका से राजभवन तक एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसकी तैयारी जोरों पर है। इसमें पूरे झारखंड से कांग्रेस ओ बी सी सेल के कार्यकर्ता शामिल होंगे और राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा जाएगा इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष परविंदर सिंह, रामेश्वर प्रसाद, विजय यादव, प्रताप यादव, सुरेंद्र शर्मा, *राकेश साहू (जिला के अलावा कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे।

रूडसेट सिल्ली में उद्यमिता विकास प्रशिक्षण शुरू, 10 सीटें खाली

सिल्ली(बिभा): रूडसेट संस्थान सिल्ली में 6 दिवसीय उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम 14 सितंबर से प्रारंभ हो गया है। संस्थान द्वारा जारी सूचना के अनुसार इस बैच में मात्र 10 सीटें खाली हैं। नामांकन की अंतिम तिथि 15 सितंबर निर्धारित की गई है। इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित तिथि तक संस्थान में पहुंचकर अपना नामांकन करा सकते हैं। यह प्रशिक्षण ग्रामीण युवक-युवतियों को स्वरोजगार एवं उद्यमिता के क्षेत्र में सक्षम बनाने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान योजनाओं की जानकारी प्रदान की जाएगी। रूडसेट संस्थान सिल्ली लगातार ग्रामीण युवाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है।

गणेश महोत्सव का महापौर और उप-महापौर ने किया शुभारंभ

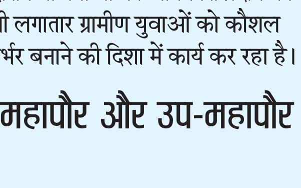

रांची(बिभा)। न्यू स्टार नव युवक संघ, श्री गणेश पूजा समिति, लोअर चुटिया की ओर से मेलाटांड़ मैदान में आयोजित 29वें वार्षिक गणेश महोत्सव का सोमवार को भव्य उद्घाटन किया गया। महोत्सव का उद्घाटन रांची की महापौर रोशनी खलको एवं उप-महापौर नीरज कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। उद्घाटन के अवसर पर अतिथियों ने भगवान श्री गणेश की विधिवत पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। इसके बाद गणेश महोत्सव एवं मेले का विधिवत शुभारंभ हुआ। गणेश महोत्सव के उद्घाटन को लेकर मेलाटांड़ मैदान में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। लोगों ने भगवान गणेश के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। उद्घाटन के बाद रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्थानीय कलाकारों ने भक्ति गीतों और मनमोहक नृत्य की प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं का खूब मनोरंजन किया। देर शाम तक मेलाटांड़ मैदान में उत्सव और भक्ति का माहौल बना रहा। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष नवीन साहू सहित पूजा समिति के सभी पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।

पोटका में गणेश चतुर्थी की धूम: विधायक संजीव सरदार ने दो दर्जन पूजा पंडालों का किया दौरा

धार्मिक आयोजन सामाजिक एकता के मजबूत माध्यम : विधायक

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर/पोटका। गणेश चतुर्थी के अवसर पर पोटका विधानसभा क्षेत्र में भक्ति और उत्साह का माहौल रहा। इस दौरान पोटका विधायक संजीव सरदार ने क्षेत्र के अलग-अलग पंचायतों और गांवों में पहुंचकर लगभग दो दर्जन गणेश पूजा आयोजनों में अपनी सहभागिता दर्ज कराई। विधायक ने पोटका के एक-एक कोने तक पहुंचकर पूजा समितियों और श्रद्धालुओं से मुलाकात की। कहीं उन्होंने पूजा पंडाल का उद्घाटन किया तो कहीं भगवान श्री गणेश की पूजा-अर्चना कर प्रसाद ग्रहण किया।

विधायक संजीव सरदार तुरामडीह यूसीआईएल कॉलोनी में तुरामडीह यूथ क्लब, माटकू पंचायत के माघमारा में यंग बॉय क्लब, कालिकापुर पंचायत के पोग्रोसाई में मनसा मंदिर पड़ा तथा कालिकापुर के केवट पाड़ा में यंग बॉयज यूथ क्लब के आयोजन में शामिल हुए। उन्होंने सभी स्थानों पर विधिवत पूजा-अर्चना कर भगवान श्री गणेश का आशीर्वाद प्राप्त किया और क्षेत्रवासियों के सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की।

शंकरदा पंचायत के ऊपरपाड़ा में मिलन संघ द्वारा आयोजित गणेश पूजा के अवसर पर विधायक विशेष रूप से शामिल हुए। इस वर्ष पूजा के 25 वर्ष पूरे होने पर रजत जयंती वर्ष मनाया जा रहा है। विधायक ने पूजा समिति को इस विशेष अवसर पर शुभकामनाएं दीं और कहा कि ऐसे आयोजन समाज में आपसी भाईचारा, सौहार्द और सामाजिक एकता को मजबूत करते हैं।

विधायक ने सुंदरनगर निवासी महावीर महाकुड़ के आवास पर आयोजित प्रसाद वितरण कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया और विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रसाद ग्रहण किया। इसके अलावा रसुनचोपा पंचायत के रसुनचोपा गांव, छोटा हड़ियाँन ग्राम पंचायत, टांगरायन पंचायत के पुतलुपुंग गांव तथा कोवाली पंचायत के कूटसूरी गांव में आयोजित गणेश पूजा कार्यक्रमों में भी शामिल हुए।

हर आयोजन में विधायक ने पूजा समितियों के सदस्यों, श्रद्धालुओं और ग्रामीणों से आत्मीय मुलाकात की तथा सभी को गणेश चतुर्थी की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। पूजा पंडालों में पहुंचने पर स्थानीय लोगों और आयोजकों ने भी विधायक का स्वागत किया। कई स्थानों पर श्रद्धालुओं ने उनके साथ मुलाकात की और पूजा आयोजन को लेकर अपनी बातें साझा कीं।

संजीव सरदार ने कहा कि भगवान श्री गणेश बुद्धि, विवेक और मंगल के प्रतीक हैं। गणेश पूजा जैसे धार्मिक आयोजन केवल आस्था से नहीं जुड़े होते, बल्कि समाज के लोगों को एक साथ लाने और आपसी भाईचारे को मजबूत करने का भी काम करते हैं। उन्होंने कहा कि पोटका की यही सामाजिक एकता और सौहार्द क्षेत्र की सबसे बड़ी ताकत है।

छोटा हड़ियान ग्राम पंचायत और कोवाली के कूटसूरी में गणेश पूजा के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विधायक संजीव सरदार भी शामिल हुए। इस दौरान पूजा-अर्चना के बाद आयोजित भंडारा एवं प्रसाद वितरण में विधायक ने स्वयं श्रद्धालुओं के बीच जाकर अपने हाथों से भोजन परोसा और लोगों को प्रसाद ग्रहण कराया। विधायक का यह आत्मीय अंदाज देखकर उपस्थित श्रद्धालुओं में भी खासा उत्साह देखने को मिला। उन्होंने सभी लोगों के साथ मिलकर प्रसाद ग्रहण किया और गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं दीं।

गणेश उत्सव के दौरान विधायक का लगातार विभिन्न पूजा स्थलों पर पहुंचना क्षेत्र में चर्चा का विषय रहा। व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद उन्होंने पंचायत और गांव स्तर पर आयोजित पूजा कार्यक्रमों को समय दिया और आयोजकों का उत्साह बढ़ाया। इससे पूजा समितियों और स्थानीय श्रद्धालुओं में भी खासा उत्साह देखने को मिला।

टाटा स्टील यूआईएसएल कर्मचारियों को 17.85% बोनस, अधिकतम 34.23 लाख रुपये

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। टाटा स्टील यूआईएसएल के कर्मचारियों के बोनस को लेकर सोमवार को कंपनी प्रबंधन और टाटा स्टील यूटिलिटीज एंड सर्विसेज श्रमिक यूनियन के बीच समझौता हुआ। समझौते के तहत इस वर्ष कर्मचारियों को 17.85 प्रतिशत बोनस मिलेगा। बोनस की न्यूनतम राशि 33,176 रुपये, जबकि अधिकतम राशि 34,23,294 रुपये निर्धारित की गई है। बोनस का भुगतान इसी महीने कर्मचारियों के बैंक खातों में किया जाएगा। बोनस समझौते पर कंपनी प्रबंधन की ओर से प्रबंध निदेशक अतुल भटनागर समेत सीनियर जीएम विजय प्रकाश सिंह, जीएम संजय कुमार, राकेश कुमार श्रीवास्तव, रविंद्र कुमार सिंह, संजीव कुमार झा, मुख्य वित्तीय अधिकारी ज्योति प्रकाश और सीएचआरओ देवी प्रसाद पंथाला ने हस्ताक्षर किए। वहीं यूनियन की ओर से अध्यक्ष रघुनाथ पांडेय, कार्यकारी अध्यक्ष अमरनाथ तिवारी, डिप्टी प्रेसीडेंट रविकांत शुक्ला, उपाध्यक्ष पिंटू शर्मा, अखिलेश कुमार राय, दिनेश कुमार महतो, महासचिव सीडीएस कृष्णन, सहायक सचिव संजू महतो, अवध किशोर सिंह और कोषाध्यक्ष कमलेश कुमार सिंह ने समझौते पर हस्ताक्षर किया।

इस समझौते की खास बात यह है कि कंपनी और यूनियन ने अगले तीन वर्षों के बोनस को लेकर भी रोडमैप तैयार कर लिया है। वर्तमान बोनस फॉमूर्ले के आधार पर इस वर्ष का समझौता किया गया है, जबकि आगामी तीन वर्षों के लिए बोनस भुगतान की व्यवस्था और फामूर्ले को लेकर सहमति बना ली गई है।

यूनियन अध्यक्ष रघुनाथ पांडेय ने बताया कि कर्मचारियों के वेज रिवीजन को लेकर भी कंपनी प्रबंधन के साथ बातचीत चल रही है। यूनियन की कोशिश है कि वेज रिवीजन समझौते को भी इसी महीने अंतिम रूप दे दिया जाए।

हरतालिका तीज पर सुहागिनों ने रखा निर्जला व्रत, शिव-पार्वती से की अखंड सौभाग्य की कामना

बिभा संवाददाता

सिल्ली/मुरी: सिल्ली, मुरी एवं आसपास के क्षेत्रों में सोमवार को हरतालिका तीज का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। तिथि के अनुसार कई स्थानों पर रविवार को ही तीज की पूजा-अर्चना की गई। सुहागिन महिलाओं ने पति की लंबी आयु, सुख-समृद्धि और अखंड सौभाग्य की कामना को लेकर दिनभर निर्जला व्रत रखा। सुबह से ही घरों में पूजा की तैयारियां शुरू हो गई थीं। महिलाओं ने नए वस्त्र और सोलह श्रृंगार कर पूजा में भाग लिया। महिलाओं ने सामूहिक रूप से विधि-विधान के साथ दो दिन पूर्व स्थापित जावा को पूजा स्थल पर रखकर भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा-अर्चना की। सिल्ली धर्मशाला, शिव मंदिर सहित विभिन्न मंदिरों में सुबह से ही महिलाओं की भीड़ लगी रही। पूजा के दौरान महिलाओं ने पौराणिक तीज व्रत की कथा सुनी और भगवान शिव-पार्वती से अपने सुहाग की रक्षा तथा परिवार में सुख-शांति की कामना की। पूजा के उपरांत महिलाओं ने अपने पति को तिलक-चंदन लगाया और उनकी कलाई पर पवित्र रक्षा सूत्र बांधा। इसके साथ ही तीज पर्व की पारंपरिक रस्में निभाई गईं। घर-घर में तीज गीतों की गूंज सुनाई दी। दिनभर निर्जला उपवास रखने के बाद मंगलवार को पारण के साथ व्रत का समापन किया जाएगा।

गणेश चतुर्थी पर द्वारसिनी गणेश मंदिर में हुई पूजा-अर्चना

ग्रामीणों की पहल से छठी बार हुआ आयोजन, पूर्व विधायक गंगा टाना भगत ने कराया मंडप व रास्ते का निर्माण

बिभा संवाददाता

बेड़ो। बेड़ो के विनय बगीचा स्थित पौराणिक द्वारसिनी गणेश मंदिर में गणेश चतुर्थी के अवसर पर सोमवार को विधिवत पूजा-अर्चना की गई। ग्रामीणों की पहल पर मंदिर परिसर में इस वर्ष छठी बार गणेश चतुर्थी का आयोजन किया गया। पूजा में कैलाश कुमार के नेतृत्व में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

कैलाश कुमार ने बताया कि द्वारसिनी गणेश मंदिर में भगवान गणेश की प्रतिमा आदि काल से स्थापित है। देखरेख के अभाव में मंदिर स्थल जर्जर स्थिति में पहुंच गया था और वहां आने-जाने के लिए उचित रास्ता भी नहीं था। करीब चार वर्ष पूर्व डीएवी विवेकानंद पब्लिक स्कूल के बच्चों एवं ग्रामीणों ने मिलकर मंदिर परिसर की साफ-सफाई कर पूजा-अर्चना की शुरूआत की थी। इसके बाद प्रत्येक वर्ष बच्चों और ग्रामीणों द्वारा मंदिर परिसर की साफ-सफाई की जाती है।

उन्होंने बताया कि पूर्व विधायक गंगा टाना भगत के प्रयास से मूर्ति स्थल पर एक मंडप का निर्माण कराया गया तथा मंदिर तक आवागमन के लिए रास्ता भी बनवाया गया। इससे श्रद्धालुओं को मंदिर तक पहुंचने में काफी सुविधा हुई है।

पूर्व विधायक गंगा टाना भगत ने कहा कि इस मंदिर की पौराणिक मान्यता है और यह बेड़ो के प्रसिद्ध महादानी मंदिर के समय का माना जाता है। महादानी मंदिर की तरह यहां भी पहान द्वारा प्रत्येक वर्ष पूजा-अर्चना की जाती रही है। उन्होंने कहा कि पहले मंदिर तक आवागमन का उचित साधन नहीं होने के कारण स्थल की देखरेख नहीं हो पाती थी और बड़ी-बड़ी झाड़ियां उग जाती थीं। श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए उन्होंने मंदिर स्थल पर छोटा मंडप बनवाने के साथ रास्ते का भी निर्माण कराया।

पूजा-अर्चना के दौरान जितेंद्र पाठक, कैलाश कुमार, पूर्व विधायक गंगा टाना भगत, पंचायत समिति सदस्य राखी भगत, विष्णु महतो, सोहन महतो, श्रवण कुमार, मोहन महतो, बजरंग महतो, बलदेव महतो, जागेश्वर महतो, छोटू, प्रवीण, मुकेश कुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

रांची के आसमान में दिखा अद्भुत नजारा, चांद के बेहद करीब चमकता नजर आया सितारा

सुकून की तलाश में निकले चार दोस्तों की नजर आसमान पर पड़ी तो थम गया सफर, कैमरे में कैद किया 14 सितंबर की खूबसूरत शाम का यादगार पल

माजिद अंसारी

रांची : जिंदगी की भागदौड़ के बीच कभी-कभी सुकून की तलाश में निकला छोटा सा सफर भी ऐसी खूबसूरत याद दे जाता है, जिसे लंबे समय तक भुलाया नहीं जा सकता। 14 सितंबर की शाम रांची के आसमान में दिखाई दिया एक खूबसूरत नजारा भी कुछ ऐसा ही था।

बड़े भाई के साथ कार में सवार होकर रोजमर्रा की व्यस्त जिंदगी से कुछ समय निकालकर चार दोस्त रांची रिंग रोड की ओर निकले थे। शाम ढल रही थी। सूरज धीरे-धीरे क्षितिज की ओर जा रहा था और आसमान पर अंधेरा अपनी दस्तक दे रहा था। नगड़ी एनएच रोड होते हुए बेड़ो की ओर बढ़ते हुए अचानक सभी की नजर आसमान पर पड़ी।

सामने अर्धचंद्राकार चांद अपनी खूबसूरत रोशनी बिखेर रहा था और उसके बेहद करीब एक चमकीला रोशन पिंड नजर आ रहा था। कुछ पल के लिए जैसे सफर थम-सा गया। कार में बैठे सभी लोगों की निगाहें आसमान के उसी खूबसूरत दृश्य पर टिक गईं।

अंधेरे होते आसमान के बीच चमकता चांद और उसके पास दिखाई दे रहा तेज रोशनी वाला पिंड पूरे दृश्य को बेहद आकर्षक बना रहा था। चारों दोस्तों ने बिना देर किए अपने मोबाइल कैमरे में इस खूबसूरत पल को कैद कर लिया।

यह पल उनके लिए महज आसमान को निहारने का नहीं था, बल्कि सफर के दौरान अचानक मिली प्रकृति की एक खूबसूरत सौगात थी। 14 सितंबर की वह शाम उनके लिए हमेशा एक यादगार शाम बन गई।

आसमान में चांद और चमकीले पिंड की नजदीकी को देखकर ऐसा लग रहा था, मानो काली चादर पर किसी ने रोशनी की एक खूबसूरत तस्वीर बना दी हो। भागती जिंदगी के बीच कुछ पल के लिए ठहरकर आसमान को निहारने का यह एहसास चारों दोस्तों के लिए सुकून से भरा रहा।

हिंदी को विज्ञान, नवाचार और रोजगार से जोड़ने की जरूरत : मंजूनाथ भजंत्री

बिभा संवाददाता

रांची। रांची में सोमवार को हिंदी दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल के प्रमंडलीय राजभाषा कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कवियों, साहित्यकारों और बुद्धिजीवियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य अतिथि रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने की।

उपायुक्त ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदी कश्मीर से कन्याकुमारी और गुजरात से अरुणाचल प्रदेश तक देश को एक सूत्र में पिरोती है। यह केवल संप्रेषण का माध्यम नहीं, बल्कि देश की एकता, अखंडता और भावात्मक एकजुटता की सशक्त अभिव्यक्ति है। उन्होंने कहा कि मातृभाषा में अध्ययन और पठन-पाठन से किशोरों में वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा मिलता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के दौर में मौलिक सोच और भाषा की समृद्धि बनाए रखना बड़ी चुनौती है। ऐसे में हिंदी को केवल साहित्य और संवाद तक सीमित रखने के बजाय विज्ञान, नवाचार, शोध और रोजगार से जोड़ने की जरूरत है।

भजंत्री ने हिंदी के संरक्षण के साथ उसके आधुनिक और व्यावहारिक उपयोग को बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से सरकारी कामकाज में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग का आह्वान किया।

इससे पहले कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत और माल्यार्पण के साथ हुआ। उपायुक्त ने दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का उद्घाटन किया। कार्यक्रम का संचालन उप निदेशक, राजभाषा रविशंकर मिश्रा ने किया।

इसके बाद कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ। इसमें डॉ. जंगबहादुर पांडेय, डॉ. राजश्री जयंती, डॉ. सुरिंदर कौर नीलम, नसीर अफसर, नरेश कुमार बंका, शालिनी नायक, सदानंद सिंह यादव, सूरज श्रीवास्तव, डॉ. रजनी शर्मा 'चन्दा' और डॉ. विनोद सिंह गहरवार ने अपनी रचनाओं का पाठ किया। कवियों की प्रस्तुतियों ने समारोह में साहित्यिक रंग भर दिया। कार्यक्रम का समापन दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल के आयुक्त के सचिव रविंद्र कुमार गगराई के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

इस अवसर पर रांची सदर एसडीओ कुमार रजत, अपर जिला दंडाधिकारी (विधि-व्यवस्था) धनंजय, अपर समाहर्ता रामनारायण सिंह, उप परिवहन आयुक्त अजय कुमार रजक, उप निर्वाचन पदाधिकारी बिवेक सुमन सहित आयुक्त कार्यालय के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

वित्त मंत्री ने किया गणेश पूजा पंडाल का उद्घाटन, नोटों की माला से सजी है गजानन की प्रतिमा

बिभा संवाददाता

रांची। रांची के डोरंडा स्थित न्यू काली पूजा परिसर, में श्री गणेश पूजा समिति के 15 वें वार्षिक गणेश महोत्सव का भव्य शुभारंभ सोमवार किया गया। पूजा पंडाल का उद्घाटन वित्तप मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने किया।

इस अवसर पर भगवान गणेश की प्रतिमा को नोटों की माला से सजाया गया है जो श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना रहा। वहीं भगवान गणपति को 151 किलोग्राम लड्डू का भोग लगाया गया है।

सोमवार से शुरू होने वाले पांच दिवसीय महोत्सव 18 सितंबर तक चलेगा। इस दौरान प्रतिदिन धार्मिक अनुष्ठान के साथ-साथ विभिन्न सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यक्रम, प्रसाद वितरण और अन्य आयोजन किए जाएंगे। महोत्सव को लेकर डोरंडा और आसपास के क्षेत्रों में श्रद्धालुओं में खासा उत्साह है।

पांच दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं गणपति बप्पा के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं।

मौके पर वीरेंद्र प्रधान, दीपू सिन्हा , आलोक दुबे समिति के अध्यक्ष नवीन मल्होत्रा, महामंत्री अमित गुप्ता, कोषाध्यक्ष बाबू सोना दास, उपाध्यक्ष जयंत मजूमदार, संरक्षक रंथु उरांव सहित सभी पदाधिकारी मौजूद थे।

इधर, पांच दिवसीय कार्यक्रमों में 15 सितंबर को दोपहर में श्रद्धालुओं के बीच भोग वितरण किया जाएगा। वहीं शाम 06 बजे से विभिन्न प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा, जिसमें बच्चों और श्रद्धालुओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। 16 सितंबर की दोपहर में भंडारे का आयोजन होगा। इसके बाद शाम में डांडिया कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। समिति ने अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से भंडारे और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शामिल होने की अपील की है।

वहीं 17 सितंबर की सुबह में पंडाल परिसर में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया जाएगा। शाम 04 बजे से बच्चों के लिए डांस प्रतियोगिता आयोजित होगी। प्रतियोगिता में झारखंड-बॉलीवुड के सुपरस्टार विवेक नायक मुख्य अतिथि और निर्णायक की भूमिका निभाएंगे। 18 सितंबर को भव्य विसर्जन शोभायात्रा के साथ महोत्सव का होगा समापन।

संक्षिप्त खबरें

ट्यूलिप हॉस्पिटल के सामने मजदूर संघ का धरना, जमीन और निर्माण की जांच की मांग

रांची(बिभा)। ट्यूलिप हॉस्पिटल को लेकर विवाद के बीच भारतीय मजदूर संघ ने सोमवार को अस्पताल के सामने धरना शुरू किया। संघ ने अस्पताल की जमीन और भवन निर्माण की वैधता की जांच कराने की मांग की है। संघ की ओर से दिए गए आवेदन में दावा किया गया है कि अस्पताल की जमीन एसटी भूमि से संबंधित है और सीएनटी एक्ट के दायरे में आती है। संगठन ने जमीन के दस्तावेजों की जांच कराने की मांग की है। इसके साथ ही मजदूर संघ ने अस्पताल भवन के निर्माण से जुड़े नियमों, जमीन के उपयोग और आवश्यक अनुमतियों की भी जांच की मांग की है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि प्रशासन जमीन की प्रकृति, दस्तावेज और निर्माण से संबंधित सभी पहलुओं की निष्पक्ष जांच करे। गौरतलब है कि 10 सितंबर को ट्यूलिप हॉस्पिटल में मरीज के परिजनों और अस्पताल कर्मियों के बीच विवाद और मारपीट का मामला सामने आया था। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने कार्रवाई करते हुए नए मरीजों के पंजीकरण, भर्ती और नई सर्जरी पर रोक लगा दी थी। बाद में अस्पताल का पंजीकरण भी अगले आदेश तक निलंबित कर दिया गया था।

अपर हटिया में युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

रॉंची(बिभा)। जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के अपर हटिया में 20 वर्षीय हर्ष कुमार साहू ने अपने घर के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह कमरे का दरवाजा नहीं खुलने पर किराएदार ने खिड़की से अंदर देखा, तो हर्ष फंदे से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। पुलिस ने मृतक के पिता के आवेदन पर यूडी कांड दर्ज किया है। आत्महत्या के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। पुलिस परिजनों और उसके दोस्त से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है।

चाकू के बल पर ऑटो में बैठे बुजुर्ग से लूटपाट, चालक समेत 3 गिरफ्तार

रॉंची(बिभा)। बुटी मोड़ से अरगोड़ा जाने के लिए ऑटो में सवार 61 वर्षीय मो. अनजार अहमद को चालक और उसके साथियों ने सुनसान इलाके में ले जाकर चाकू के बल पर लूट लिया। घटना 10 सितंबर की रात करीब नौ बजे की है। आरोपियों ने बुजुर्ग से करीब 22 हजार रुपये नकद, मोबाइल और जरूरी दस्तावेज लूट लिए। अरगोड़ा थाना में मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने तकनीकी जांच के आधार पर ऑटो चालक मोनी सिंह उर्फ पाजी उर्फ मनवीर सिंह समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनकी निशानदेही पर लूट में इस्तेमाल ऑटो, तीन मोबाइल, कपड़े और छह हजार रुपये नकद बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार, मुख्य आरोपी का पहले से आपराधिक इतिहास रहा है।

पीएम के जन्मदिन पर दीया जलाने की अपील पर कांग्रेस का तंजः जनता रोजगार मांग रही, भाजपा दीया जलवा रही

रांची(बिभा)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन (17 सितंबर) पर घर-घर दीया जलाकर आशीर्वाद देने की भाजपा की अपील पर प्रदेश कांग्रेस ने तीखा हमला बोला है। प्रदेश कांग्रेस मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा को जनता से दीया जलाने की अपील करने से पहले यह देखना चाहिए कि महंगाई और बेरोजगारी ने कितने घरों की खुशियों की रोशनी छीन ली है। राकेश सिन्हा ने कहा कि भाजपा की राजनीति अब अजीब दिशा में जा रही है। जनता रोजगार मांग रही है तो वे दीया जलवा रहे हैं, जनता महंगाई से राहत मांग रही है तो वे जन्मदिन मना रहे हैं, और जब जनता काम का हिसाब मांग रही है तो वे आशीर्वाद मांग रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर कब तक प्रचार और उत्सव के पीछे जनता के बुनियादी मुद्दों को दबाया जाएगा। कांग्रेस नेता ने कहा कि आज देश का युवा रोजगार के लिए भटक रहा है, कमरतोड़ महंगाई से किसान, मजदूर, छोटे कारोबारी और मध्यम वर्ग बेहाल हैं। ऐसे दौर में भाजपा का यह अभियान केवल जनता की तकलीफों पर किया जा रहा राजनीतिक तमाशा है। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि 17 सितंबर को भाजपा कार्यकर्ता दीया जरूर जलाएं, लेकिन साथ में प्रधानमंत्री के पुराने वादों की सूची भी रखें—जिसमें सालाना रोजगार, महंगाई में कमी और 'अच्छे दिनों' का सच दर्ज हो। प्रधानमंत्री को जबरन जलवाए गए दीयों की बजाय जनता के दिल से निकले आशीर्वाद की चिंता करनी चाहिए। जब आम जनता के घरों में खुशहाली का दीया जलेगा, तो आशीर्वाद अपने आप मिल जाएगा।

सरल हिंदी और पारदर्शी व्यवस्था से ही सुशासन की पहचान : प्रवीण टोप्पो

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड सरकार के कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग की ओर से सोमवार को हिंदी दिवस के अवसर पर एटीआई सभागार में व्याख्यान एवं काव्यपाठ समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हिंदी के महत्व, उसकी समृद्ध परंपरा और बदलते समय में उसकी प्रासंगिकता पर वक्ताओं ने विचार रखे।

विभागीय सचिव प्रवीण टोप्पो ने कहा कि सुशासन की असली पहचान सरल हिंदी, सुगम प्रक्रियाओं और पारदर्शी व्यवस्था से होती है। जब सरकारी भाषा आमजन की समझ में आती है तो सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ लोगों तक प्रभावी ढंग से पहुंचता है। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से कार्यालयी कामकाज में अनावश्यक जटिल शब्दावली और प्रक्रियाओं को कम करने की अपील की, ताकि नागरिकों के लिए सरकारी व्यवस्था को समझना और उसका लाभ लेना आसान हो।

टोप्पो ने कहा कि तकनीक के इस्तेमाल से शासन में पारदर्शिता बढ़ाई जा रही है। ऑनलाइन सेवाओं, समयबद्ध मामलों के निस्तारण और शिकायतों की निगरानी से सरकारी प्रक्रियाओं को अधिक स्पष्ट और जवाबदेह बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों और कर्मचारियों को जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सरल भाषा और स्पष्ट कार्यशैली अपनानी चाहिए। इससे शासन जनता के और करीब आएगा तथा लोगों का भरोसा मजबूत होगा।

कार्यक्रम में हिंदी के कई प्रख्यात कवियों और विद्वानों ने अपनी रचनाओं एवं विचारों के माध्यम से हिंदी की समृद्धि, संवेदनशीलता और व्यापकता को रेखांकित किया। वक्ताओं ने कहा कि हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि जनसरोकार और सांस्कृतिक एकता की सशक्त कड़ी है। विभिन्न लोकभाषाओं और बोलियों को आत्मसात करते हुए हिंदी निरंतर समृद्ध हुई है। यही विविधता उसकी व्यापक स्वीकार्यता का आधार है।

वक्ताओं ने कहा कि हिंदी ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान लोगों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और आज भी देश की सामाजिक एवं सांस्कृतिक विविधता के बीच संवाद का माध्यम बनी हुई है। हिंदी के विकास में देश की विभिन्न लोकभाषाओं और बोलियों के योगदान को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि हिंदी की शक्ति उसकी समावेशी प्रकृति में निहित है।

वक्ताओं ने कहा कि वैश्विक स्तर पर हिंदी का स्वरूप लगातार विस्तार और परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। दूसरी भाषाओं के शब्दों को आत्मसात करने से हिंदी की अभिव्यक्ति और अधिक व्यापक हुई है। ऐसे में हिंदी को केवल अतीत की विरासत के रूप में देखने के बजाय भविष्य की भाषा के रूप में विकसित करने की जरूरत है। इसके लिए साहित्य, शिक्षा, प्रशासन और तकनीक के क्षेत्र में सामूहिक प्रयास जरूरी हैं।

काव्यपाठ के दौरान कवियों ने सामाजिक सरोकार, राष्ट्रभक्ति, सांस्कृतिक विविधता और समकालीन विषयों पर आधारित रचनाएं प्रस्तुत कीं। उनकी रचनाओं को उपस्थित श्रोताओं ने खूब सराहा। कार्यक्रम में साहित्यकारों, अधिकारियों और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समारोह के दौरान हिंदी के प्रचार-प्रसार और संवर्धन के लिए निरंतर प्रयास करने का संकल्प लिया गया।

उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने पूजा पंडालों का लिया जायजा, विधि-व्यवस्था का किया निरीक्षण

बिभा संवाददाता

रांची। जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने राजधानी रांची में जारी गणेश महोत्सव के मद्देनजर शहर की विधि-व्यवस्था और प्रशासनिक तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शहर के विभिन्न प्रमुख पूजा पंडालों का दौरा कर सुरक्षा एवं नागरिक सुविधाओं की जमीनी स्थिति का जायजा लिया।

उपायुक्त ने फिरयालाल चौक, रेलवे कॉलोनी काली मंदिर गणेश समिति तथा कचहरी चौक स्थित गजराज पूजा समिति सहित कई प्रमुख पंडालों में सपरिवार पहुंचकर भगवान श्री गणेश के दर्शन किए और विधिवत पूजा-अर्चना कर सभी के सुख, शांति व समृद्धि की कामना की।

त्योहार के दौरान शहर में शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। निरीक्षण के दौरान शांति समिति के सदस्य जय सिंह यादव, सागर कुमार, नन्द किशोर सिंह चंदेल, संदीप मुखर्जी, राजेश सिन्हा सन्नी, रमेश सिंह, वार्ड संख्या-46 की पार्षद आरती कुमारी, विक्की वर्मा सहित विभिन्न पूजा समितियों के पदाधिकारी व गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

रक्षा राज्य मंत्री के आवास पर आयोजित श्री गणेश महोत्सव में शामिल हुए राज्यपाल, की पूजा-अर्चना

बिभा संवाददाता

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने सोमवार को रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के रांची के पंडरा स्थित आवास पर आयोजित श्री गणेश महोत्सव में सम्मिलित होकर भगवान श्री गणेश की पूजा-अर्चना की। राज्यपाल ने विघ्नहर्ता श्री गणेश से समस्त राज्यवासियों के सुख, शांति, समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की कामना की।

फेडरेशन ऑफ झारखंड चेंबर के चुनाव में अमित अग्रवाल की प्रचंड जीत पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने उन्हें बधाई दी। सोमवार को केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के आवास पर आयोजित गणेश महोत्सव के दौरान महानगर कोषाध्यक्ष अमित अग्रवाल ने राज्यपाल से मुलाकात की। राज्यपाल ने कहा कि झारखंड चेंबर व्यापार और उद्योग जगत की महत्वपूर्ण संस्था है। उन्होंने अमित अग्रवाल को उनके उज्ज्वल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि चेंबर की मजबूती से राज्य के आर्थिक विकास को भी गति मिलेगी।

इस अवसर पर संजय सेठ ने भी अमित अग्रवाल को जीत की बधाई देते हुए कहा कि झारखंड चेंबर की नई टीम व्यापारियों और उद्यमियों की समस्याओं को मजबूती से उठाएगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि अमित अग्रवाल चेंबर के माध्यम से व्यापार जगत और सरकार के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

उन्हें बधाई देने वालों में मेयर रोशनी खलको, भाजपा महानगर अध्यक्ष वरुण साहू, पूर्व संसद अजय मारू, भाजपा महानगर की पूरी टीम, गंगोत्री कुजूर सहित अन्य शामिल थे।

एसबीयू के छात्रों ने नवाचार और एआई में लहराया परचम, आईसीसीआई में दूसरा स्थान और आईबीएम हैकाथॉन में बने जोनल विजेता

बिभा संवाददाता

रांची। सरला बिरला विश्वविद्यालय (एसबीयू) के विद्यार्थियों ने नवाचार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और तकनीक के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर संस्थान का नाम रोशन किया है। विश्वविद्यालय की टीमों ने बीआईटी मेसरा में आयोजित नवाचार प्रदर्शनी में द्वितीय पुरस्कार जीतने के साथ-साथ प्रतिष्ठित आईबीएम राष्ट्रीय हैकाथॉन में पूर्वी क्षेत्र के विजेता का खिताब अपने नाम किया है।

बीआईटी मेसरा के कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग द्वारा आयोजित विद्यार्थी नवाचार प्रदर्शनी (आईसीसीआई-2026) में एसबीयू की टीम ने अपने प्रोजेक्ट ई-फॉग कलेक्टर के लिए दूसरा स्थान हासिल किया। आयनिक पवन तकनीक पर आधारित यह प्रोजेक्ट कोहरे से जल संग्रहण कर जल संरक्षण और पर्यावरण संकट का अभिनव समाधान पेश करता है। विजेता टीम में निखिल शर्मा (ईसीई), आयुष राज (सीएसई) और आयुष कुमार सुमन (सीएसई) शामिल थे, जिन्हें डॉ. अविनाश कुमार ने मार्गदर्शन दिया।

दूसरी बड़ी सफलता के रूप में, बीटेक सीएसई के चार विद्यार्थियों की टीम कैफीन कोड ने कोयंबटूर में आयोजित आईबीएम राष्ट्रीय हैकाथॉन-2026 के पूर्वी क्षेत्र में पहला स्थान प्राप्त किया। टीम सदस्य रिया कुमारी, रिसु कुमारी, शानवी अग्रवाल और अमन कुमार ने डॉ. मनोज पांडेय के मार्गदर्शन में ग्रामस्वास्थ्य एआई मंच तैयार किया। यह मंच एआई के जरिए ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ और प्रभावी बनाने की दिशा में काम करता है।

विद्यार्थियों की इस दोहरी उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान, महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक, कुलपति प्रो. सी. जगनाथन और राज्यसभा सांसद सह निदेशक (प्लानिंग एंड डेवलपमेंट) डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा ने सभी विजेता छात्र-छात्राओं और मार्गदर्शक शिक्षकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

ध्रुव चरित्र,सती-शिव प्रसंग एवं गणेश चतुर्थी से भक्तिमय हुआ अग्रसेन भवन, सजीव झांकियों ने मोहा श्रद्धालुओं का मन

दृढ़ संकल्प,तपस्या और अटूट विश्वास से असंभव कार्य भी संभव हो सकता हैः दिनेश जी

बिभा संवाददाता

रांची : सराफ परिवार के तत्वावधान में महाराजा अग्रसेन भवन, रांची में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत गीता कथा अमृत महोत्सव के तृतीय दिवस का आयोजन श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के वातावरण में हुआ। जगन्नाथधाम के सुप्रसिद्ध कथावाचक एवं व्यास महाराज श्री दिनेश जी भारद्वाज ने व्यास पीठ से श्रीमद्भागवत के विविध प्रेरणादायी प्रसंगों का विस्तारपूर्वक वर्णन किया। कथा के दौरान श्रद्धालु भाव-विभोर होकर भगवान के जयकारे लगाते रहे? ।कथावाचक श्री दिनेश जी भारद्वाज ने श्रीमद्भागवत के प्रसंगों को क्रमवार प्रस्तुत करते हुए सृष्टि के विस्तार एवं कपिलोख्यान का वर्णन किया। उन्होंने बताया कि भगवान की सृष्टि

व्यवस्था में प्रत्येक जीव की अपनी भूमिका है और मनुष्य को अपने जीवन का उद्देश्य समझकर धर्म, सदाचार एवं ईश्वर भक्ति के मार्ग पर चलना चाहिए। कपिल मुनि के उपदेशों के माध्यम से ज्ञान, वैराग्य और भक्ति के महत्व को समझाया गया ।इसके बाद सती-शिव चरित्र का अत्यंत भावपूर्ण वर्णन किया गया। भगवान शिव और माता सती के प्रसंग के माध्यम से श्रद्धालुओं को भगवान के प्रति अटूट श्रद्धा, पारिवारिक मयार्दा, आत्मसम्मान तथा धर्म के प्रति समर्पण का संदेश दिया गया। कथा के प्रसंगों का सजीव चित्रण प्रस्तुत किए जाने से पूरा वातावरण भावनात्मक एवं आध्यात्मिक हो उठा ।कथा व्यास ने बालक ध्रुव जी के चरित्र का वर्णन करते हुए कहा कि दृढ़ संकल्प, तपस्या और भगवान के प्रति अटूट विश्वास से असंभव कार्य भी संभव हो सकता है। बालक ध्रुव ने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद अपने लक्ष्य से विचलित हुए बिना भगवान नारायण की आराधना की और परम पद प्राप्त किया। ध्रुव चरित्र बच्चों और युवाओं को विशेष रूप से लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा देता है ।गणेश चतुर्थी के अवसर पर कथा में भगवान श्रीगणेश की महिमा का भी विस्तार से वर्णन किया गया। भगवान गणेश को प्रथम पूज्य एवं विघ्नहर्ता बताते हुए उनके स्वरूप, महिमा और पूजन के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डाला गया। गणेश जी सहित कथा के विभिन्न प्रसंगों की मनोहारी सजीव झांकियां प्रस्तुत की गईं, जिन्हें देखकर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गए। कथा स्थल को भव्य एवं अलौकिक रूप से सजाया गया था। सुमधुर भजनों और संकीर्तन से पूरा महाराजा अग्रसेन भवन भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालु भक्ति में झूमते हुए भगवान के जयकारे लगाते रहे। कथा के समापन पर सामूहिक आरती की गई तथा सभी श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण हुआ ।मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि कथा के चतुर्थ दिवस प्रह्लाद चरित्र, गजेंद्र मोक्ष, समुद्र मंथन, वामन भगवान अवतार एवं श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के अत्यंत रोचक और भावपूर्ण प्रसंगों का वर्णन किया जाएगा। इस अवसर पर दयानंद सर्राफ, सीताराम सर्राफ, गोपाल सर्राफ, ओम सर्राफ, गिरधारी सर्राफ, पवन सर्राफ, भगवान सर्राफ, रामस्वरूप सर्राफ, प्रदीप सर्राफ, निर्मल मानपुरिया, अनुप सर्राफ, संजय सर्राफ, दिलीप सर्राफ, विजय सर्राफ, संदीप सर्राफ, मोनू सर्राफ, विक्रांत सर्राफ, मुकेश काबरा, विनोद महलका, प्रेम अग्रवाल गौरीशंकर अग्रवाल, राजेंद्र अग्रवाल, विष्णु सोनी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

ई-एनआईटी संख्या: एसटीआरएनसी26एस08-पीएच-16-30-31-33। भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, दक्षिण पूर्व रेलवे, रांची-834003 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम:** रांची मंडल के गोला रोड, गुंडा बिहार, सुईसा एवं तोरांग स्टेशनों पर डुअल डिटेक्शन (वर्तमान यार्डों में ट्रैक सर्किट/एमएसडीएसी प्रदान करके) का प्रावधान सहित ट्रैफिक सुविधा कार्य के सम्बन्ध में संकेत एवं दूरसंचार कार्य का सम्पादन तथा इंटरलॉक्ड/नॉन-इंटरलॉक्ड समपार सीएम-4, सीएम-17, सीएम-37, सीएम-40 का उन्मूलन। **विज्ञापित मूल्य:** ₹ 15,69,56,048.33। **जमा बयाना राशि:** ₹ 31,39,100। **निविदा दस्तावेज की कीमत:** शून्य। **ई-निविदा बंद होने की तारीख और समय:** 07.10.2026 को सुबह 11:00 बजे। **बोली शुरू होने की तारीख:** 23.09.2026। वेबसाइट का विवरण: कार्य निविदा के लिए **www.ireps.gov.in**।
(PR-764)

जिले में आस्था के तीन रंग... तीज, गणेश चतुर्थी और चौठ चंद्र मनाया गया

बिभा संवाददाता

बोकारो। जिले में हरितालिका तीज, गणेश चतुर्थी व मैथिली भाषी समाज का लोकपर्व चौठ चंद्र सोमवार को आस्था के साथ मनाया गया. अमूमन तीज के अगले दिन गणेश चतुर्थी व मैथिली भाषी समाज का लोकपर्व चौठ चंद्र मनाया जाता है, लेकिन इस वर्ष यह एक दिन पहले मनाया जायेगा, इस चार तिथियों के संयोग के कारण तीनों पर्व एक साथ पड़ा है। तिथि अनुसार सोमवार सुबह 7.18 बजे तक तृतीया है. इसके बाद चतुर्थी लगेगी, जो मंगलवार की सुबह 7.54 बजे तक रहेगी 14 सितंबर को दिन के 3.16 बजे से से पूर्व तक हस्त नक्षत्र मिलेगा. इस कारण इस दिन हरितालिका तीज का व्रत सुहागनों ने किया सुबह किया । मध्याह्न काल में चतुर्थी मिलने के कारण सोमवार को दिन में गणेश पूजा हुआ. सोमवार दिन रात में चौठ चंद्र का पर्व गया। गणेश चतुर्थी व्रत का समापन 25 सितंबर को होगा. इसी दिन अनंत चतुर्दशी का त्योहार है।

महिलाए अखंड सुहाग की रक्षा के लिए तीज किया।. दिन भर उपवास रखने के बाद शाम में मां पार्वती और भोले बाबा सहित अन्य देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना की गई। कई लोग बालू से, तो कई मिट्टी से भगवान की मूर्तियां बनवाकर उनकी पूजा की. व्रत की कथा सुन। रविवार को मेहंदी सुहागिनों ने लगवाया। सिटी सेंटर, दूंदीबाग, चास के बाजारों में विशेष चहल-पहल देखने को मिली. बाजार में भगवान की मूर्तियों से लेकर साज-सज्जा के सामान और प्रसाद आदि की बिक्री हुई. वहीं, मिट्टी के दीये से लेकर अन्य सामान की भी बिक्री हुई.

मैथिली भाषी लोगों का लोकव्रत चौठ चंद्र के दिन दिन भर उपवास रखकर शाम में चंद्रमा को देखकर अर्घ दिया.

दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में तीन युवक घायल

एक की हालत गंभीर, सदर अस्पताल में भर्ती; दो घायलों का बिजुलिया में चल रहा इलाज

बिभा संवाददाता

तलगड़िया (बोकारो)। चास-तलगड़िया मुख्य पथ पर बिनोद चौक और कुआं मोड़ के बीच सोमवार को दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में दोनों बाइकों पर सवार तीन युवक घायल हो गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि तीनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

घायलों की पहचान बनगड़िया ओपी क्षेत्र के नवाडीह गांव निवासी अजीत राजवार (24), शंकर महतो (25) और लालजी प्रसाद महतो (26) के रूप में हुई है। अजीत राजवार की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। उसे इलाज के लिए बोकारो सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, शंकर महतो और लालजी प्रसाद महतो का इलाज बिजुलिया स्थित अस्पताल में चल रहा है।

जानकारी के अनुसार, अजीत राजवार बाइक संख्या जेएच-09बीएच-2437 से नवाडीह की ओर जा रहा था। इसी दौरान शंकर महतो और लालजी प्रसाद महतो पल्सर बाइक संख्या जेएच-09एडब्ल्यू-7496 से बाटबिनोर से चास की ओर जा रहे थे। बिनोद चौक और कुआं मोड़ के बीच दोनों बाइकों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही चास मुफस्सिल थाना और सियालजोरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से तीनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। घटना की जानकारी मिलने पर घायलों के परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। पुलिस ने दुर्घटनास्थल की जानकारी जुटाते हुए हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

संक्षिप्त खबरें

अर्बन बैंक में ग्रुप सी के 35 पदों पर भर्ती, 17 सितंबर से मिलेंगे फॉर्म

बोकारो(बिभा)। साउथ ईस्टर्न, साउथ ईस्ट सेंट्रल एवं ईस्ट कोस्ट रेलवे एम्प्लॉइज को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी लिमिटेड (अर्बन बैंक) ने अपने शेयरधारकों, सदस्यों और कर्मचारियों के आश्रितों के लिए ग्रुप सी के 35 पदों पर सीधी भर्ती निकाली है। इस भर्ती के तहत जूनियर क्लर्क-कम-कंप्यूटर असिस्टेंट (25 पद), केयरटेकर-कम-इलेक्ट्रीशियन (6 पद), अकाउंट्स असिस्टेंट (2 पद), स्टेनोग्राफर (1 पद) और पीएस टू चीफ मैनेजर (1 पद) पर नियुक्ति की जाएगी। आवेदन फॉर्म 17 सितंबर 2026 से सोसाइटी की शाखाओं और एक्सटेंशन काउंटरों से 10 रुपये शुल्क पर मिलेंगे, जिन्हें 16 नवंबर 2026 शाम 4 बजे तक जमा किया जा सकेगा। प्रत्येक पद के लिए आवेदन शुल्क 700 रुपये रखा गया है और एक अभ्यर्थी अधिकतम दो पदों के लिए आवेदन कर सकता है। उम्मीदवारों का चयन सीबीटी, स्किल टेस्ट और इंटरव्यू के आधार पर होगा। विस्तृत नियम व शर्तें सोसाइटी की वेबसाइट ubreccs.com पर उपलब्ध हैं।

केबल चोरी के मामले का उद्भेदन, युवक गिरफ्तार

बोकारो(बिभा)। सेक्टर-4 थाना क्षेत्र के सर्कस मैदान के सामने स्थित टावर से केबल चोरी के मामले का पुलिस ने उद्भेदन करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान गौतम कुमार (19), पिता मुन्ना रजक, निवासी चांदो, थाना पेटरवार, बोकारो तथा वर्तमान पता गर्ल्स हॉस्टल, सेक्टर-6, बोकारो के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, 27 अगस्त 2026 को सर्कस मैदान के सामने स्थित टावर से केबल चोरी की घटना हुई थी। इस संबंध में सेक्टर-4 थाना में कांड संख्या 61/2026, दिनांक 5 सितंबर 2026, धारा 303(2) बीएनएस के तहत अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। मामले के उद्भेदन के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर नगर डीएसपी राजीव रंजन के नेतृत्व में टीम गठित कर छापेमारी और सूचना संकलन की जा रही थी। इसी क्रम में 14 सितंबर की रात विश्वकर्मा मंदिर, सेक्टर-4 के पास पुलिस टीम ने एक संदिग्ध युवक को एसी का तार काटने की योजना बनाते हुए पकड़ लिया। पूछताछ में पुलिस के अनुसार, आरोपी ने टावर और एसी के तार काटकर बेचने की बात स्वीकार की। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने टावर से काटे गए करीब सात मीटर केबल के तीन टुकड़े, 2.5 मीटर एसी पाइप, करीब 3.5 मीटर तांबे के तार के दो टुकड़े और चार मीटर एल्युमिनियम तार बरामद किया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया। छापेमारी टीम में नगर डीएसपी राजीव रंजन, सेक्टर-4 थाना प्रभारी संजय कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक कुमार विक्रम सिंह, अवेन्द्र कुमार साव, सहायक अवर निरीक्षक जोन कुजूर तथा आरक्षी इलियास अंसारी और पवन कुमार महथा शामिल थे।

गोमिया में ओएनजीसी के स्टोर रूम में चोरी के बाद दोबारा दुस्साहस, गार्ड की मुस्तैदी से वारदात नाकाम; जांच में पुलिस के हाथ अब तक खाली

गोमिया (बोकारो) (बिभा): ओएनजीसी गोमिया क्षेत्र अंतर्गत साईट बीके 11 (खुदगड्डा) स्थित स्टोर रूम में अपराधियों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। पहले स्टोर रूम से लाखों रुपये के कीमती उपकरणों और केबलों पर हाथ साफ करने के बाद चोरों ने महज तीन दिनों के भीतर दोबारा ताला तोड़कर चोरी का दुस्साहस किया। हालांकि, दूसरी घटना के दौरान ऑन-ड्यूटी सुरक्षा गार्ड की सतर्कता के कारण चोर अपने मंसूबों में सफल नहीं हो सके और मौके से भाग खड़े हुए। मामले की शुरूआत 10 सितंबर 2026 को हुई, जब टेस्टिंग सुपरवाइजर बीरजू कुमार ने स्टोर रूम से सामान गायब होने की सूचना कनिष्ठ अभियंता शुभम गुप्ता को दी। छानबीन के बाद भी सामान न मिलने पर 11 सितंबर को गोमिया थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई, जिस पर पुलिस ने स्टेशन डायरी (सनहा सं० 11/26, दिनांक 11/09/2026) दर्ज की। गायब हुए सामानों का विवरण लगभग 150 मीटर (3.5 ढँरी, 35 र०) कॉपर केबल, 350 मीटर (2.5 वर्ग मिमी, 3 चरण) क्र्एरढ केबल,1 ग्राइंडर मशीन एवं 1 वेल्डिंग मशीन, 2 परित्यक्त बैटरियां एवं परित्यक्त क्र्एरढ सेंसर केबल स्टेशन डायरी दर्ज होने के महज 48 घंटे बाद, 13 सितंबर 2026 की रात अपराधियों ने फिर उसी इङ 11 साइट के स्टोर रूम को निशाना बनाया। चोरों ने स्टोर रूम का मुख्य ताला तोड़ दिया और अंदर दाखिल होने ही वाले थे कि मौके पर तैनात सुरक्षा गार्ड की नजर उन पर पड़ गई। गार्ड ने बिना डरे मुस्तैदी दिखाई और शोर मचाया, जिससे घबराकर चोर अंधेरे का फायदा उठाते हुए बिना कोई सामान लिए मौके से फरार हो गए। घटना के इतने दिन बीत जाने और थाने में सनहा दर्ज होने के बावजूद गोमिया थाना पुलिस अब तक चोरों का कोई सुराग नहीं लगा पाई है। लगातार दो बार हुई वारदात और पुलिस के हाथ खाली रहने से ओएनजीसी प्रबंधन और स्थानीय कर्मचारियों में सुरक्षा को लेकर काफी चिंता है। प्रबंधन ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए इङ 11 साइट के आसपास रात्रिकालीन गश्ती बढ़ाई जाए और अपराधियों की त्वरित पहचान कर उनकी गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए।

मोती से दुख व बीमारी दूर करने का झांसा देकर महिला से जेवरात ठगे, एक आरोपी गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

बोकारो। जरीडीह थाना क्षेत्र में मोती दिखाकर घर का दोष, बीमारी और दुख दूर करने तथा धन प्राप्ति का झांसा देकर महिला से सोने की चेन और कान के टॉप्स ठगने का मामला सामने आया है। घटना 13 सितंबर की दोपहर की है। महिला के शोर मचाने पर उसके भतीजे ने पीछा कर एक आरोपी को पकड़ लिया, जबकि उसका साथी बाइक लेकर फरार हो गया। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार, जरीडीह थाना क्षेत्र के जैना पंचायत निवासी लालचंद महतो की फुआ सुमिता देवी, पति स्वर्गीय तारकेश्वर महतो, बांधगोड़ा साइड, चास निवासी, 13 सितंबर को अपने भतीजे के घर आई थीं। दोपहर करीब 1:15 बजे पड़ोसी के घर जाने के दौरान दो व्यक्ति वहां पहुंचे। दोनों ने महिला को मोती जैसा स्टोन दिखाते हुए कहा कि इसे धारण करने से घर का दोष, बीमारी और दुख समाप्त हो जाएगा तथा धन की प्राप्ति होगी। आरोपियों ने महिला को यह भी बताया कि उसके ऊपर माता का दुष्प्रभाव है, जो मोती धारण करने से दूर हो जाएगा।

आरोपियों ने महिला को विश्वास में लेकर कहा कि वह अपनी गले की चेन और कान के टॉप्स जमीन पर रख दे और आंखें बंद कर 'ॐ' का उच्चारण करे। उन्होंने दावा किया कि एक मिनट में माता का दर्शन होगा और सब कुछ ठीक हो जाएगा। साथ ही मोती मुफ्त में देने की बात कही।

महिला के आंखें बंद करते ही दोनों आरोपियों ने जमीन पर रखी चेन और कान के टॉप्स उठा लिए और बाइक से भागने लगे। महिला ने शोर मचाते हुए 'चोर-चोर' कहकर अपने भतीजे लालचंद महतो को बुलाया। लालचंद ने पीछा कर जैनामोड़ शराब दुकान के पास बाइक पर पीछे बैठे एक व्यक्ति को पकड़ लिया। इस दौरान बाइक सवार दूसरा आरोपी बाइक लेकर फरार हो गया।

पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम इस्लाम (44 वर्ष), पिता कल्वा, निवासी कुतुबपुर, थाना नानीता, जिला सहारनपुर, उत्तर प्रदेश बताया। पूछताछ में उसने फरार आरोपी की पहचान असगर अली, आबिद, अख्तर अली और आजाद उर्फ गेंडा उर्फ एजाज के रूप में बताई। घटना की सूचना मिलने के बाद जरीडीह पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में ले लिया।

चेन, टॉप्स और मोती बरामद

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के पास से सोने जैसी दिखने वाली पतली चेन, एक जोड़ी कान के टॉप्स तथा सफेद डिब्बे में रखा सफेद रंग का मोती बरामद किया है। मामले में जरीडीह थाना कांड संख्या 152/2026 दर्ज कर गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार इस्लाम का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। उसके खिलाफ छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले के जगदलपुर कोतवाली थाना में कांड संख्या 280/24, दुमका टाउन थाना में कांड संख्या 160/2026 और 168/2026 तथा चास थाना में कांड संख्या 112/2026 दर्ज है। इनमें ठगी और संबंधित धाराओं के तहत मामले दर्ज हैं।

ईएसएल आर्चरी अकादमी के तीन युवा तीरंदाजों को झारखंड सरकार की खेल छात्रवृत्ति

बिभा संवाददाता

बोकारो : वेदांता ईएसएल आर्चरी अकादमी के तीन होनहार युवा तीरंदाजों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन के लिए झारखंड सरकार की ओर से खेल छात्रवृत्ति प्रदान की गई है.

अकादमी के कुलदीप महतो को 70,000, जबकि डोली कुमारी और कृतिका कुमारी को 60,000-60,000 की छात्रवृत्ति मिली है. यह सम्मान उनके निरंतर बेहतर प्रदर्शन, मेहनत और खेल के प्रति समर्पण को मान्यता देता है.

इस छात्रवृत्ति से युवा खिलाड़ियों को आगे की ट्रेनिंग और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं की तैयारी में मदद मिलेगी. साथ ही, यह उपलब्धि वेदांता ईएसएल आर्चरी अकादमी द्वारा ग्रामीण और स्थानीय प्रतिभाओं को पहचानने तथा उन्हें बेहतर प्रशिक्षण और अवसर उपलब्ध कराने के प्रयासों को भी दशार्ती है.

ईएसएल स्टील लिमिटेड के सीईओ एवं होल टाइम डायरेक्टर, रवीश शर्मा ने कहा, कुलदीप, डोली और कृतिका की इस उपलब्धि पर हमें बेहद गर्व है. झारखंड सरकार द्वारा उन्हें दिया गया यह सम्मान उनकी मेहनत, अनुशासन और प्रतिभा का प्रमाण है. ईएसएल में हमारा प्रयास है कि क्षेत्र के युवा खिलाड़ियों को सही प्रशिक्षण और अवसर मिलें, ताकि वे अपने सपनों को पूरा कर सकें और राज्य व देश का नाम रोशन करें। इन खिलाड़ियों की सफलता निश्चित रूप से अन्य युवाओं को भी खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी.ह्व यह उपलब्धि खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और युवाओं को अपनी क्षमता पहचानने के लिए मंच उपलब्ध कराने की ईएसएल की प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है.

बरमसिया में दुकान का ताला तोड़कर एक लाख की सामान चोरी

बिभा संवाददाता

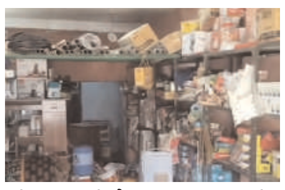

चंदनकियारी (बोकारो)। अपराधियों के हौसले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। चंदनकियारी के बाद अब बरमसिया ओपी क्षेत्र में भी चोरों ने दस्तक दी है। बरमसिया ओपी क्षेत्र के चंदनकियारी-बरमसिया मुख्य सड़क किनारे बोदमा मोड़ स्थित एमएस टीआर इंटरप्राइजेज दुकान का रविवार की देर रात अज्ञात चोरों ने ताला तोड़ दिया और करीब एक लाख रुपये मूल्य के सामान लेकर फरार हो गए।

चोरी की घटना का पता सोमवार सुबह उस समय चला, जब आसपास के दुकानदारों ने दुकान का ताला टूटा देखा। उन्होंने तत्काल दुकान मालिक मो तैय्यब अंसारी को इसकी सूचना दी। सूचना मिलने पर दुकानदार मौके पर पहुंचे और बरमसिया ओपी पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलने के बाद ओपी प्रभारी शैलेंद्र कुमार पासवान पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी लेकर जांच शुरू की। दुकानदार के अनुसार, चोर दुकान से एक ड्रिल मशीन, 13 बंडल तार, आधा एचपी का एक मोटर सहित अन्य सामान ले गए हैं। चोरी गए सामान की कुल कीमत करीब एक लाख रुपये बताई जा रही है।

दुकानदार मो तैय्यब अंसारी ने बताया कि रविवार को वह किसी काम से बाहर गए थे। वहीं दुकान के कर्मचारी की मां की तबीयत खराब होने के कारण दुकान बंद थी। इसी का फायदा उठाकर चोरों ने दुकान को निशाना बनाया।

इस संबंध में बरमसिया ओपी प्रभारी शैलेंद्र कुमार पासवान ने बताया कि घटना की सूचना मिली है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है। हालांकि, अब तक लिखित शिकायत नहीं मिलने के कारण प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है।

डीवीसी चंद्रपुरा में हिन्दी दिवस के अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक एवं परियोजना प्रधान का संदेश लोकार्पित

हिन्दी देश की सांस्कृतिक चेतना, सामाजिक समरसता तथा जनसाधारण की अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम : राम कुमार अनुभवी

बिभा संवाददाता

चंद्रपुरा (बोकारो)। दामोदर घाटी निगम (डीवीसी), चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र में हिन्दी दिवस के अवसर पर तेजस भवन, इकाई 7 एवं 8 के सम्मेलन कक्ष में मुख्य महाप्रबंधक एवं परियोजना प्रधान राम कुमार अनुभवी द्वारा जारी हिन्दी दिवस संदेश का लोकार्पण किया गया।

कार्यक्रम में चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र के सभी विभागाध्यक्ष एवं कार्यालय प्रधान उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक एवं परियोजना प्रधान द्वारा जारी हिन्दी दिवस संदेश का वाचन राज कुमार चौधरी, प्रबंधक (मानव संसाधन) ने किया। अपने संदेश में मुख्य महाप्रबंधक एवं परियोजना प्रधान राम कुमार अनुभवी ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिन्दी दिवस 2026 की हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई दी। उन्होंने राजभाषा हिन्दी के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि हिन्दी देश की सांस्कृतिक चेतना, सामाजिक समरसता तथा जनसाधारण की अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कार्यालयीन कार्यों, पत्राचार, टिप्पणियों, प्रतिवेदनों एवं डिजिटल माध्यमों में हिन्दी के सहज और प्रभावी प्रयोग पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि राजभाषा नीति का उद्देश्य केवल हिन्दी के प्रयोग को बढ़ाना ही नहीं, बल्कि इसे अधिक सरल, पारदर्शी एवं जनोन्मुख बनाना भी है। उन्होंने चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र में हिन्दी के संवर्धन एवं प्रचार-प्रसार के लिए निरंतर आयोजित किए जा रहे हिन्दी पखवाड़ा, कार्यशालाओं, प्रतियोगिताओं एवं विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों की सराहना की। साथ ही सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से इन गतिविधियों में उत्साहपूर्वक सहभागिता करने का आह्वान किया। मुख्य महाप्रबंधक एवं परियोजना प्रधान ने अपने संदेश में सभी से यह संकल्प लेने का आह्वान किया कि राजभाषा हिन्दी के प्रयोग एवं प्रोत्साहन को दैनिक कार्य-व्यवहार का अभिन्न अंग बनाया जाए तथा हिन्दी लिखते समय सरल एवं सहज भाषा का प्रयोग किया जाए।

इस अवसर पर उप महाप्रबंधकगण में अमित सिन्हा, राजीव रंजन मोझा, देव कांति गुप्रा भाया, राजीव रंजन, राजीव कुमार, प्रताप सिंह तथा वरीय प्रबंधकगण में विनय कृष्णा दास, तरुनेश्वर प्रसाद, अजय सतीश टोप्पो, कंचन स्मिता टोप्पो, मुकेश कुमार, सत्येन्द्र कुमार, एस.के. दलाई, जयदीप चटर्जी, प्रबंधक (मानव संसाधन) राजकुमार चौधरी के अतिरिक्त संजीव कुमार, अनिमेष गिरि, प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, प्रदीप कुमार एवं बिपत मांझी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र में राजभाषा हिन्दी के प्रति प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करने का संदेश दिया।

बेरमो विधायक ने जनता दरबार लगाकर सुनीं समस्याएं, सड़क शिलान्यास को लेकर सांसद पर साधा निशाना

बिभा संवाददाता

बोकारो । बेरमो विधायक कुमार जयमंगल सिंह ने सोमवार को जनता दरबार लगाकर आम लोगों की समस्याएं सुनीं। तथा कई समस्याओं का निदान भी किया और वैसे समस्याएं जो प्रशासन से जुड़ी थी उसे वरय अधिकारियों को प्रेषित कर समाधान करने की बातें कहीं।

इस दौरान उन्होंने जैनामोड़ से फुसरो निर्मल महतो चौक तक बनने वाली सड़क के चौड़ीकरण को लेकर सांसद और विधायक के बीच चल रहे मतभेद पर अपनी बात रखी।

विधायक ने कहा कि जैनामोड़ से फुसरो निर्मल महतो चौक तक 136 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली 15.9 किलोमीटर सड़क का चौड़ीकरण अत्यंत जरूरी था। इस सड़क के निर्माण की योजना राज्य सरकार की है और इसका शिलान्यास उन्होंने किया है।

उन्होंने सांसद को लेकर कहा कि योजना पूर्ण रूप से राज्य सरकार की होने के कारण भूमि पूजन या शिलान्यास का अधिकार विधायक का होता है। इसके बावजूद उन्होंने सांसद के लिए शिलापट्ट पर जगह दी थी। विधायक ने सड़क के शिलान्यास और भूमि पूजन को लेकर सांसद द्वारा की गई राजनीति पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सड़क के निर्माण का उद्देश्य जनता को बेहतर आवागमन की सुविधा देना है। इस मुद्दे पर राजनीतिक मतभेद के बजाय क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

वही इस जनता दरबार में सैकड़ो लोग पहुंचकर अपनी समस्या है विधायक के सामने रखी।

हिंदी की महिमा से गूँजा गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल चास का प्रांगण

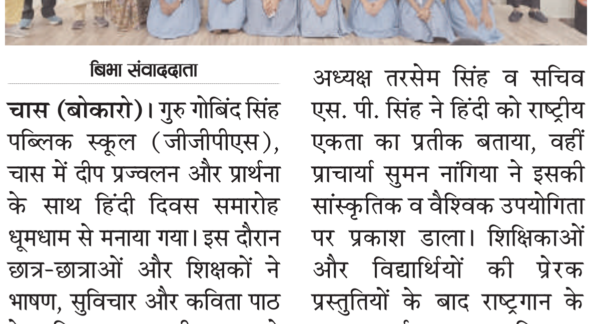

बिभा संवाददाता

चास (बोकारो)। गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल (जीजीपीएस), चास में दीप प्रज्वलन और प्रार्थना के साथ हिंदी दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने भाषण, सुविचार और कविता पाठ के जरिए मातृभाषा की महत्ता को रेखांकित किया।

विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष तरसेम सिंह व सचिव एस. पी. सिंह ने हिंदी को राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बताया, वहीं प्राचार्या सुमन नांगिया ने इसकी सांस्कृतिक व वैश्विक उपयोगिता पर प्रकाश डाला। शिक्षिकाओं और विद्यार्थियों की प्रेरक प्रस्तुतियों के बाद राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का गरिमामय समापन हुआ।

कोल इंडिया के अध्यक्ष ने राजमहल परियोजना का किया निरीक्षण

बिभा संवाददाता

गोड्डा। कोल इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक बी साईराम रविवार को ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के राजमहल एरिया पहुंचे। उनके आगमन पर ईसीएल के सीएमडी सतीश झा सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इसके बाद कोल इंडिया अध्यक्ष ने हुर्रा ओसीपी और हुर्रा-सी सीएचपी का निरीक्षण कर परियोजना की गतिविधियों का जायजा लिया एवं अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान बी साईराम ने हुर्रा ओसीपी में खनन गतिविधियों का जायजा लिया। इसके बाद हुर्रा-सी सीएचपी का निरीक्षण करते हुए कोयला प्राप्ति स्थल, बंकर और साइलो की कार्यप्रणाली और व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने हुर्रा-सी के नए व्यू प्वाइंट का भी निरीक्षण किया।

इसके बाद कोल इंडिया अध्यक्ष राजमहल ओपन कास्ट प्रोजेक्ट पहुंचे, जहां उन्होंने खनन गतिविधियों का प्रत्यक्ष जायजा लिया। परियोजना की कार्यप्रणाली और उत्पादन से संबंधित जानकारी अधिकारियों से प्राप्त की। निरीक्षण के बाद अधिकारियों के साथ बैठक कर परियोजना की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की तथा कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिया।

दौरे के दौरान पर्यावरण संरक्षण एवं हरित क्षेत्र को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पौधरोपण भी किया गया। कोल इंडिया अध्यक्ष बी साईराम, ईसीएल सीएमडी सतीश झा, निदेशक तकनीकी (ऑपरेशन) चित्रंजन कुमार और राजमहल एरिया महाप्रबंधक एएन नायक ने उर्जानगर कॉलोनी परिसर स्थित गुंडिया मंदिर परिसर में पौधरोपण किया।

कोल इंडिया अध्यक्ष के दौरे के दौरान ईसीएल सीएमडी सतीश झा, निदेशक तकनीकी (ऑपरेशन) चितरंजन कुमार और राजमहल एरिया महाप्रबंधक एएन नायक सहित परियोजना के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

राजमहल एरिया में कोल इंडिया के अध्यक्ष का यह दौरा परियोजना की खनन और उत्पादन गतिविधियों के साथ तकनीकी व्यवस्था, परिचालन, पर्यावरण और भविष्य की कार्ययोजना की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

साइबर पुलिस की एडवाइजरी जारी 80 के दशक या अन्य रूपों में बदलने वाले ऐप्स में तस्वीरों को अपलोड न करें

बिभा संवाददाता

रांची। इंटरनेट और सोशल मीडिया पर इन दिनों अपनी तस्वीरों को 80 के दशक या अन्य मजेदार रूपों में बदलने के लिए बिना सोचे-समझे अपनी तस्वीरें एआई जैसे प्लेटफॉर्म्स पर अपलोड कर रहे हैं। इस बढ़ते चलन को देखते हुए रांची साइबर अपराध थाना ने आम नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है।

साइबर पुलिस ने एआई प्लेटफॉर्म्स पर अपनी फोटो अपलोड करने से जुड़े पांच मुख्य सुरक्षा जोखिमों के बारे में बताया है। आपके चेहरे की पहचान के लिए आपकी फोटो का गलत इस्तेमाल किया जा सकता है। आपकी निजी तस्वीरें एआई कंपनियों के सर्वर पर हमेशा के लिए स्टोर हो सकती हैं। बाद में इन्हें किसी तीसरी पार्टी के साथ शेयर किया जा सकता है या एआई को ट्रेन करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

आपके चेहरे का उपयोग करके आपके नाम से फर्जी प्रोफाइल या वीडियो बनाये जा सकते हैं, जिसका इस्तेमाल सोशल मीडिया पर धोखाधड़ी के लिए हो सकता है। तस्वीरों से छेड़छाड़ कर साइबर अपराधी इसका इस्तेमाल फर्जी केवाईसी, जाली पहचान पत्र या अन्य ऑनलाइन घोटालों को अंजाम देने में कर सकते हैं।

आपकी फोटो का गलत इस्तेमाल कर आपकी सामाजिक छवि और प्रतिष्ठा को गंभीर ठेस पहुंचाई जा सकती है। अपने पहचान पत्र, परिवार या लोकेशन से जुड़ी व्यक्तिगत तस्वीरें अपलोड करने से सख्त परहेज करें।

संक्षिप्त खबरें

कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की का उपायुक्त व एसपी ने किया स्वागत

सिमडेगा(बिभा)। झारखंड सरकार की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग की मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की अपने आधिकारिक भ्रमण कार्यक्रम के तहत सिमडेगा जिला पहुंचीं। परिषदन भवन आगमन पर जिले की उपायुक्त कंचन सिंह एवं पुलिस अधीक्षक श्रीकांत एस. खोटरे ने पुष्पगुच्छ भेंट कर मंत्री का गर्मजोशी से औपचारिक स्वागत और अभिनंदन किया।

अरगोड़ा से अपहृत युवक नगड़ी से बरामद, चार आरोपित गिरफ्तार

रांची(बिभा)। रांची के अरगोड़ा थाना क्षेत्र में देर रात एक युवक के अपहरण का मामला सामने आया है। पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए युवक को नगड़ी थाना क्षेत्र के सुनसान जंगल से सुरक्षित बरामद कर लिया। मामले में पुलिस ने चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। सिटी एसपी पारस राणा ने सोमवार को बताया कि 14 सितंबर की रात करीब 12:10 बजे हर्ष कुमार अपने दोस्तों के साथ आई-20 कार से लालपुर में जन्मदिन की पार्टी में शामिल होकर कडरू स्थित अपने घर लौट रहे थे। कार्तिक उरांव चौक के पास उनकी कार खराब हो गई, जिसके बाद वे वहां रुक गए। इसी दौरान एक महिंद्रा एक्सयूवी 500 वहां पहुंची। आरोप है कि एक्सयूवी में सवार 3-4 लोगों ने हर्ष कुमार को जबरन पकड़कर अपनी गाड़ी में बैठा लिया। घटना की सूचना मिलते ही रांची पुलिस ने कई टीमों का गठन कर अलग-अलग जगहों पर छापेमारी शुरू की। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने नगड़ी थाना क्षेत्र के एक सुनसान जंगल से हर्ष कुमार को सुरक्षित बरामद कर लिया। मामले में पुलिस ने असगर खान, विनय कुमार साहु, भोला नायक और आकाश कुमार साहु को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के पास से घटना में इस्तेमाल महिंद्रा एक्सयूवी 500, पांच स्मार्टफोन, 6,500 रुपये नकद और झारखंड सरकार का स्टांप पेपर बरामद किया है, जिस पर हर्ष कुमार के हस्ताक्षर बताए गए हैं। गिरफ्तार आरोपित आकाश कुमार साहु का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है। वह लोहरदगा थाना में दर्ज शिकायत के मामले में के तहत जेल जा चुका है। पुलिस की छापेमारी टीम में एएसपी कोतवाली, वरीय डीएसपी हटिया, अरगोड़ा थाना प्रभारी सहित पुलिस पदाधिकारी, तकनीकी शाखा के कर्मी और अरगोड़ा थाना रिजर्व गार्ड शामिल थे।

डॉक्टर के परिवार को खाने में धतूरा देकर किया बीमार, चोरी के बाद मेड फरार, प्राथमिकी दर्ज

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। शहर के रानी सती मंदिर गली निवासी डॉ. चंदन कुमार के घर एक अत्यंत ही चौंकाने वाला और गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि एक घरेलू सहायिका (मेड) ने सुनियोजित तरीके से चोरी की वारदात को अंजाम देने के लिए डॉक्टर के पूरे परिवार और रिश्तेदारों को खाने-पीने की चीजों में जहरीला पदार्थ (धतूरे का बीज) देकर गंभीर रूप से बीमार कर दिया। इस संबंध में लोहसिंघना थाना में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पीड़ित डॉ. चंदन कुमार ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया है कि उन्होंने सेक्योरिटी एजेंसी के माध्यम से हजारीबाग निवासी पूनम कुमारी को अपने घर में साफ-सफाई और खाना बनाने के लिए रखा था। सहायिका 25 मई 2026 से उनके घर पर काम कर रही थी।

आवेदन के मुताबिक, 25.5.2026 से 27.5.2026 के बीच घर से सोने का चेन और हनुमान जी का लॉकेट चोरी हो गया। इसके तुरंत बाद डॉक्टर की तबीयत अचानक खराब हो गई, जिन्हें इलाज के लिए पहले हजारीबाग और फिर रांची के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टर के बाद उनकी पत्नी, मां, मामा और अन्य रिश्तेदार भी लगातार रहस्यमय तरीके से गंभीर बीमार पड़ने लगे। सभी को एक जैसे लक्षण महसूस हो रहे थे।

परिवार के सभी सदस्यों की एक साथ ऐसी हालत होने पर डॉक्टरों की टीम भी हैरान थी। तमाम मेडिकल जांच में जब कोई अन्य बीमारी नहीं पाई गई, तो संदेह गहराया। इसी बीच घर की छानबीन करने पर किचन में छुपा कर रखा गया धतूरे का बीज बरामद हुआ। मेदांता अस्पताल के डॉक्टरों से बात करने पर पता चला कि धतूरे का बीज खाने पर वही लक्षण प्रकट होते हैं जो इस परिवार के सदस्यों में देखे गए थे। इसके अलावा डॉक्टर के क्लिनिक के स्टाफ ने भी मैड को नारियल पानी में कुछ संदिग्ध बीज मिलाते हुए देखा था। जैसे ही परिवार के सदस्यों की तबीयत बिगड़ने के पीछे इस साजिश का अंदेशा हुआ और पूछताछ शुरू हुई, आरोपी मेंड पूनम कुमारी अपना मोबाइल फोन वहीं छोड़कर अचानक फरार हो गई। पीड़ित डॉक्टर की शिकायत पर लोहसिंघना थाना में कांड संख्या 88/2026 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस एफएसएल रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। ताकि पूरे मामले की सच्चाई सामने आ सके और गुनहगार पर करवाई सुनिश्चित हो।

शिक्षा के मंदिर में दिखी धार्मिक आस्था, धूमधाम से हुई गणपति पूजा

प्रमोद खंडेलवाल

हजारीबाग : शिक्षा के मंदिर कहे जाने वाले विद्यालय परिसर में सोमवार को धार्मिक आस्था और भक्ति का सुंदर संगम देखने को मिला। शंकरपुररोड डीपीएस स्कूल में गणपति पूजा का आयोजन पूरे विधि-विधान एवं श्रद्धा के साथ किया गया। भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित कर विधिवत पूजा-अर्चना की गई तथा विद्यालय परिवार की ओर से सुख-शांति, समृद्धि, उन्नति एवं सफलता की कामना की गई।गणपति पूजा को लेकर विद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों में खासा उत्साह देखने को मिला। पूजा के दौरान पूरा विद्यालय परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर नजर आया। विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर पूजा-अर्चना में हिस्सा लिया और गणपति बप्पा के जयकारों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया।इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया और कार्यक्रम में उत्साह एवं उमंग का माहौल बना रहा। बच्चों की प्रस्तुतियों की सभी ने सराहना की। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के चेहरे पर खासा उत्साह देखने को मिला। विद्यालय परिवार की ओर से भगवान गणेश से सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि एवं सफलता की प्रार्थना की गई। विद्यालय में आयोजित इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम ने विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, धार्मिक परंपराओं एवं संस्कारों से जुड़ने का संदेश दिया। गणपति पूजा का यह आयोजन श्रद्धा, संस्कार और सांस्कृतिक चेतना का सुंदर उदाहरण बनकर सामने आया।

बजाज परिवार ने पहली बार श्री गणेश जी की पूजा-अर्चना हुई

हजारीबाग: बजाज परिवार द्वारा इस वर्ष पहली बार भगवान श्री गणेश जी की विधिवत पूजा-अर्चना एवं गणपति महोत्सव का आयोजन हुआ वहीं रोहित बजाज ने बताया कि दो दिवसीय इस धार्मिक आयोजन को लेकर परिवार में विशेष उत्साह है। श्रद्धालुओं के लिए गणपति जी के दर्शन एवं आरती का भी आयोजन किया जाएगा।वहीं, मंगलवार, 15 सितंबर 2026 को शाम 5 बजे गणपति विसर्जन किया जाएगा।बजाज परिवार ने श्रद्धालुओं एवं धर्मप्रेमी लोगों से इस पावन अवसर पर उपस्थित होकर भगवान श्री गणेश जी का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की है। परिवार की ओर से बताया गया कि पहली बार आयोजित हो रहे इस धार्मिक अनुष्ठान को लेकर विशेष तैयारियां की गई हैं!

आकिब-11 ने जीता फाइनल, जगन्नाथ स्पोर्टिंग क्लब को 70 रनों से दी करारी शिकस्त

बिभा संवाददाता

रांची। रोमांचक फाइनल मुकाबले में आकिब-11 ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जगन्नाथ स्पोर्टिंग क्लब को 70 रनों से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए आकिब-11 ने निर्धारित 20 ओवर में 167 रन बनाए। टीम की ओर से युवराज कुमार ने 32 गेंदों पर 61 रनों की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें 4 चौके और 5 छक्के शामिल रहे। वहीं राम रौशन शरण ने 25 गेंदों पर 42 रन तथा मोहित कुमार ने 23 गेंदों पर 26 रन बनाकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी जगन्नाथ स्पोर्टिंग क्लब की टीम 14.3 ओवर में 97 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम की ओर से अमन कुमार ने 14 गेंदों पर 21 रन और विवेक कुमार ने 18 गेंदों पर 20 रन बनाए, लेकिन टीम लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकी।आकिब-11 की ओर से गेंदबाजी में सूरज कुमार सिंह ने 4 ओवर में 23 रन देकर 3 विकेट, जबकि अमन कुमार ने 4 ओवर में 38 रन देकर 3 विकेट हासिल किए। आशुतोष कुमार मिश्रा और केएस 69 ने भी 2-2 विकेट लेकर जीत में अहम भूमिका निभाई।

आकिब-11 ने मुकाबला 70 रनों से जीतकर फाइनल का खिताब अपने नाम किया। शानदार बल्लेबाजी और गेंदबाजी करने वाले युवराज कुमार फाइनल के प्रमुख प्रदर्शनकताओं में रहे।

पुरस्कार बितरन समारोह मे जेएससीए के अध्यक्ष -अजय नाथ सहदेव ने खिलाड़ियों के बिच ट्रॉफी ओर नगद राशि बितरण की, वही झारखण्ड के पूर्व उप मुख्य मंत्री सुदेश महतो ने खिलाड़ियों और अधिकारियो से परिचय प्राप्त किऐ

यह मैच पिंनाकल क्रिकेट ग्राउंड होचर मे हुआ और इसके सभी अधिकारी मौजूद थे।

मांडू विधायक तिवारी महतो की मां स्व.झुनिया देवी की दूसरी पुण्यतिथि पर सेवा कार्यों से दी गई श्रद्धांजलि

सांसद मनीष जायसवाल ने प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर किया नमन, जरूरतमंदों में बांटे कंबल, एंबुलेंस सेवा का हुआ शुभारंभ

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: मांडू विधानसभा क्षेत्र भट्ठाटांड, बुमरी में सोमवार को झुनिया देवी ग्रामीण विकास फाउंडेशन की ओर से स्वर्गीय झुनिया देवी की द्वितीय पुण्यतिथि पर स्मरण एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल शामिल हुए और स्वर्गीय झुनिया देवी की स्मृति को नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।

सांसद मनीष जायसवाल ने मांडू विधायक निर्मल महतो उर्फ तिवारी महतो की माता स्वर्गीय झुनिया देवी की स्मृति में स्थापित प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान उन्होंने विधायक एवं ग्रामीणों के साथ जरूरतमंद परिवारों के बीच कंबल का वितरण भी किया।

सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि जरूरतमंद और असहाय लोगों के साथ खड़ा होना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सहयोग और संवेदना पहुंचाना ही सच्ची मानव सेवा है। उन्होंने कहा कि दिवंगत परिजनों की स्मृति को समाजसेवा से जोड़ना उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

कार्यक्रम में झुनिया देवी ग्रामीण विकास फाउंडेशन द्वारा जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए एंबुलेंस सेवा का शुभारंभ भी किया गया। सांसद मनीष जायसवाल ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं के लिए एंबुलेंस की उपलब्धता बेहद महत्वपूर्ण है। यह सेवा जरूरतमंद मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाने में सहायक होगी।

उन्होंने फाउंडेशन के इस सामाजिक प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि सेवा, संवेदना और सहयोग के ऐसे प्रयास समाज को मजबूत बनाते हैं। यहां उनके साथ हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि सत्येंद्र नारायण सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहें ।

रामगढ़ में औद्योगिक प्रदूषण पर हाई कोर्ट का आदेश, साल में दो बार होगी फैक्ट्रियों की जांच

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड उच्च न्यायालय ने रामगढ़ में औद्योगिक प्रदूषण को लेकर दायर रामकिशोर की जनहित याचिका का निष्पादन कर दिया है। न्यायालय ने झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (जेएसपीसीबी) को नियमित और प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के चीफ जस्टिस एमएस सोनक और जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ ने कहा कि पर्यावरणीय नुकसान किसी जिले की सीमा तक सीमित नहीं रहता। प्रदूषण का प्रभाव दूर-दराज के क्षेत्रों और लोगों तक पहुंच सकता है।

अदालत ने रामगढ़ स्थित बिहार फाउंड्री एंड कास्टिंग लिमिटेड और दयाल स्टील लिमिटेड की निगरानी के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किये हैं। दोनों औद्योगिक इकाइयों का क्षेत्र आवासीय इलाकों, स्कूलों, सार्वजनिक संस्थानों और जेल के आसपास होने के कारण पर्यावरणीय निगरानी को महत्वपूर्ण बताया गया है।

उच्च न्यायालय ने जेएसपीसीबी के हजारीबाग क्षेत्रीय पदाधिकारी को दोनों औद्योगिक इकाइयों का हर कैलेंडर वर्ष में दो बार निरीक्षण करने का निर्देश दिया है। इनमें कम-से-कम एक निरीक्षण बिना पूर्व सूचना के करना होगा। जांच में चिमनी से निकलने वाले उत्सर्जन, अपशिष्ट जल, प्रदूषण नियंत्रण और निरंतर निगरानी उपकरणों की कार्यप्रणाली शामिल होगी।

हर निरीक्षण की रिपोर्ट क्षेत्रीय पदाधिकारी को दो सप्ताह के भीतर बोर्ड के सदस्य सचिव के समक्ष प्रस्तुत करनी होगी। यदि किसी वर्ष निर्धारित निरीक्षण नहीं हुआ, तो इसकी वजह भी लिखित रूप में बतानी होगी।

न्यायालय ने निर्देश दिया कि दोनों कंपनियों के लगातार उत्सर्जन निगरानी सिस्टम को जेएसपीसीबी के सर्वर से जोड़कर रखा जाए। यदि प्रदूषण का स्तर निर्धारित सीमा से 48 घंटे से अधिक समय तक लगातार अधिक रहता है, तो बोर्ड को सात दिनों के भीतर संबंधित उद्योग को कारण बताओ नोटिस जारी करना होगा। उद्योग को नोटिस का जवाब देने के लिए 15 दिन का समय मिलेगा। जवाब नहीं देने या नियमों का उल्लंघन मिलने पर बोर्ड पर्यावरण कानून के तहत कार्रवाई कर सकेगा।

वीआईवीए इंटरनेशनल स्कूल के आसपास पानी की गुणवत्ता को लेकर भी हाईकोर्ट ने विशेष निर्देश दिया है।

बोर्ड को आदेश की तारीख से तीन महीने के भीतर मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला से दोबारा पानी के नमूने लेने होंगे। स्कूल के आसपास पहले जांचे गये जल स्रोतों के साथ-साथ दोनों औद्योगिक इकाइयों के संभावित डिस्चार्ज प्वाइंट से भी नमूने लिये जाएंगे।

कोर्ट के आदेश के अनुसार जहां दामोदर नदी प्रभावित हो सकती है, वहां औद्योगिक क्षेत्र के ऊपरी और निचले हिस्से (अपस्ट्रीम-डाउनस्ट्रीम) से भी नमूने लिये जाएंगे। यदि जांच में औद्योगिक इकाइयों के कारण पानी प्रदूषित पाया जाता है, तो बोर्ड को पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति समेत कार्रवाई शुरू करनी होगी।

वहीं, यदि प्रदूषण का कारण नगरपालिका स्रोत पाया जाता है, तो रिपोर्ट पेयजल एवं स्वच्छता विभाग को कार्रवाई के लिए भेजी जाएगी।

जेएसपीसीबी को दोनों कंपनियों की अलग-अलग फाइल तैयार कर उसमें पर्यावरणीय मंजूरी और पिछली चार निरीक्षण रिपोर्ट शामिल करने का निर्देश दिया गया है। प्रत्येक दस्तावेज के संबंध में यह दर्ज करना होगा कि वह वर्तमान में वैध है, समाप्त हो चुका है या नवीनीकरण के लिए लंबित है। जेएसपीसीबी के सदस्य सचिव को न्यायालय के निर्देशों के पालन की स्थिति बताते हुए चार महीने के भीतर अनुपालन शपथपत्र दाखिल करना होगा। इसकी प्रति याचिकाकर्ता को भी उपलब्ध करानी होगी। न्यायालय ने याचिकाकर्ता को यह स्वतंत्रता दी है कि यदि इन निर्देशों का पालन नहीं होता है या भविष्य में फिर से प्रदूषण की शिकायत सामने आती है, तो वह इसी जनहित याचिका में इंटरलोक्यूटरी आवेदन देकर उच्च न्यायालय का ध्यान आकर्षित कर सकता है। इसके लिए नई रिट याचिका दायर करने की जरूरत नहीं होगी।

खंडपीठ ने कहा कि रिकॉर्ड में फिलहाल दोनों औद्योगिक इकाइयों की ओर से पर्यावरण कानूनों के लगातार उल्लंघन का प्रमाण नहीं मिला है। बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, दोनों के पास वैध संचालन की सहमति हैं और उपलब्ध एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग आंकड़ों में प्रदूषण निर्धारित सीमा के भीतर पाया गया।

हालांकि, वीआईवीए इंटरनेशनल स्कूल के आसपास पानी के नमूनों में फ्लोराइड, टीडीएस और नाइट्रेट की मात्रा निर्धारित सीमा से थोड़ी अधिक मिली। न्यायालय ने कहा कि फिलहाल यह तय नहीं किया जा सकता कि इसका कारण औद्योगिक गतिविधि है या भूगर्भीय या नगरपालिका स्रोत है। इसलिए पानी की दोबारा वैज्ञानिक जांच कराने का निर्देश दिया गया है।

न्यायालय ने स्पष्ट किया कि ये निर्देश कोई नया नियामकीय ढांचा बनाने के लिए नहीं, बल्कि पहले से मौजूद पर्यावरण कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन और नियमित निगरानी को सुनिश्चित करने के लिए हैं। साथ ही, नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित उद्योग या जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ आपराधिक अभियोजन सहित अन्य कड़ी कार्रवाई करने से सक्षम अधिकारियों को रोका नहीं गया है।

शांति, स्वतंत्रता और समानता का बुनियादी स्तंभ है लोकतंत्र

अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस

ललित गर्ग

अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस हमें इसी आत्ममंथन का अवसर देता है। आज आवश्यकता केवल लोकतंत्र को बचाने की नहीं, बल्कि उसे अधिक मानवीय, अधिक सहभागी, अधिक पारदर्शी और अधिक जवाबदेह बनाने की है। मानवाधिकार उसकी बुनियाद हैं, जनभागीदारी उसकी शक्ति है, संवाद उसकी आत्मा है और जवाबदेही उसकी सुरक्षा-कवच।

लोकतंत्र केवल मतपत्र पर लगाई गई मुहर का नाम नहीं है। यह उस विश्वास का नाम है जिसमें प्रत्येक नागरिक को अपनी आवाज, अपनी गरिमा और अपने अधिकारों के साथ राष्ट्र-निर्माण में सहभागी होने का अवसर मिलता है। एक तरह से शांति, स्वतंत्रता, समानता एवं सह-जीवन का बुनियादी स्तंभ है लोकतंत्र। हर वर्ष 15 सितंबर को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस इसी लोकतांत्रिक चेतना को मजबूत करने का अवसर है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2007 में इस दिवस की स्थापना की थी और 2008 से इसका आयोजन हो रहा है। 2026 में अंतर-संसदीय संघ-आईपीयू ने लोकतंत्र दिवस के लिए ह्लमानवाधिकारों को केंद्र में लाएंह्व को प्रमुख विषय बनाया है। इसका संदेश स्पष्ट है कि मानवाधिकार लोकतंत्र के सजावटी तत्व नहीं, बल्कि उसकी बुनियादी शर्त हैं। मानवाधिकार सुरक्षित नहीं हैं तो चुनाव, संसद और संविधान की मौजूदगी के बावजूद लोकतंत्र अधूरा रहेगा।

आज दुनिया के सामने लोकतंत्र का सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या लोकतंत्र केवल संस्थागत ढांचे के रूप में जीवित है या उसके भीतर नागरिक स्वतंत्रता, समानता, न्याय, संवाद और मानवीय गरिमा भी सुरक्षित हैं? संयुक्त राष्ट्र भी 2026 में लोकतंत्र को केवल चुनावों तक सीमित न मानते हुए मानवाधिकार, कानून के शासन और नागरिकों की सार्थक भागीदारी को उसकी अनिवार्य आत्मा मान रहा है। लोकतंत्र की खूबसूरती यह है कि सत्ता का अंतिम स्रोत जनता होती है। लेकिन इसकी कमजोरी भी यहीं से शुरू होती है। जब जनता अपनी जिम्मेदारी भूल जाती है, जब नागरिक अपने अधिकारों के प्रति तो जागरूक रहते हैं लेकिन कर्तव्यों के प्रति उदासीन हो जाते हैं, जब चुनाव जाति, धर्म, क्षेत्र, धनबल, बाहुबल या झूठे प्रचार के प्रभाव में आने लगते हैं, तब लोकतंत्र का बाहरी ढांचा तो बचा रहता है, लेकिन उसकी आत्मा कमजोर होने लगती है।

आज दुनिया के अनेक देशों में लोकतांत्रिक संस्थाओं के सामने गंभीर चुनौतियां हैं। राजनीतिक ध्रुवीकरण बढ़ रहा है, संस्थाओं की स्वतंत्रता पर सवाल उठ रहे हैं, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नागरिक अधिकारों पर दबाव दिखाई देता है तथा सत्ता के केंद्रीकरण की प्रवृत्ति कई समाजों में चिंता का कारण बन रही है। लोकतंत्र के नाम पर चुनाव हो जाना पर्याप्त नहीं है। यदि चुनाव के बाद नागरिकों की आवाज को महत्व न मिले, विपक्ष को शत्रु समझा जाए, मीडिया स्वतंत्र न रहे, न्यायपालिका पर दबाव हो और सत्ता जवाबदेही से मुक्त होने लगे, तो लोकतंत्र धीरे-धीरे बहुमत की निरंकुशता में बदल सकता है। महात्मा गांधी का लोकतंत्र संबंधी चिंतन आज भी इस संदर्भ में अत्यंत प्रासंगिक है। उन्होंने कहा था- ह्लमेरे विचार में लोकतंत्र में सबसे कमजोर व्यक्ति को वही अवसर मिलना चाहिए जो सबसे शक्तिशाली व्यक्ति को मिलता है।ह्व गांधी के लिए लोकतंत्र केवल राजनीतिक सत्ता प्राप्त करने की व्यवस्था नहीं था, बल्कि कमजोर से कमजोर व्यक्ति को सम्मान, अवसर और न्याय उपलब्ध कराने की व्यवस्था था। वे लोकतंत्र को अहिंसा, अनुशासन, आत्मसंयम और नागरिक चेतना से जोड़ते थे। उनका स्पष्ट विचार था कि लोकतंत्र हिंसा और असत्य के सहारे कायम नहीं रह सकता।

विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन भी लोकतंत्र की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करता हैकृ ह्ललोकतंत्र शासन की सबसे खराब प्रणाली है, उन सभी प्रणालियों को छोड़कर जिन्हें आजमाया जा चुका है।ह्व यह कथन लोकतंत्र की कमियों को स्वीकार करते हुए भी उसकी श्रेष्ठता को रेखांकित करता है। लोकतंत्र पूर्ण व्यवस्था नहीं है, लेकिन उसमें आत्म-सुधार की क्षमता है। जनता सरकार को चुन सकती है, उसकी आलोचना कर सकती है और आवश्यकता पड़ने पर उसे बदल सकती है। यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है-सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण। जहाँ सत्ता परिवर्तन के लिए हिंसा, क्रांति या रक्तपात की आवश्यकता नहीं पड़ती और मतदाता अपनी इच्छा से सरकार बदल सकता है, वहाँ लोकतंत्र की जड़ें मजबूत होती हैं। लेकिन इसके लिए स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन व्यवस्था, स्वतंत्र न्यायपालिका, स्वतंत्र मीडिया और सक्रिय नागरिक समाज आवश्यक हैं।

आज लोकतंत्र के सामने एक नई और जटिल चुनौती कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई और डिजिटल तकनीक के रूप में भी सामने आई है। तकनीक लोकतंत्र को अधिक सहभागी और पारदर्शी बना सकती है। सरकारी योजनाओं की निगरानी, नागरिक शिकायतों के समाधान, नीति-निर्माण में आंकड़ों के उपयोग और जनता की राय को शासन तक पहुंचाने में एआई उपयोगी हो सकता है। लेकिन यही तकनीक गलत सूचना, डीपफेक, लक्षित दुष्प्रचार, हेट स्पीच और जनमत को प्रभावित करने का माध्यम भी बन सकती है। संयुक्त राष्ट्र ने भी एआई की इन संभावनाओं और जोखिमों के बीच संतुलन तथा उसके जिम्मेदार शासन की आवश्यकता पर बल दिया है। इसलिए लोकतंत्र का डिजिटल भविष्य केवल तकनीकी क्षमता से तय नहीं होगा, बल्कि इस बात से तय होगा कि तकनीक के पीछे मानवीय विवेक कितना मजबूत है। एआई लोकतंत्र का विकल्प नहीं, लोकतांत्रिक विवेक का सहायक होना चाहिए। तकनीक नागरिक को नियंत्रित करने का उपकरण नहीं, नागरिक को सशक्त करने का माध्यम बने-यही लोकतांत्रिक तकनीकी संस्कृति की कसौटी होनी चाहिए।

लोकतंत्र की दूसरी बड़ी आवश्यकता है संवाद की संस्कृति। असहमति लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी शक्ति है। सरकार से प्रश्न पूछना राष्ट्र-विरोध नहीं; विपक्ष की आलोचना लोकतंत्र-विरोध नहीं; मीडिया द्वारा सत्ता से जवाब मांगना व्यवस्था-विरोध नहीं। बल्कि यही लोकतंत्र की जीवंतता के प्रमाण हैं। जब असहमति को दबाया जाता है, तब लोकतंत्र का संवाद समाप्त होता है और उसके स्थान पर भय जन्म लेता है। इसीलिए लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए राजनीतिक दलों में भी आंतरिक लोकतंत्र जरूरी है। जो राजनीतिक संगठन अपने भीतर विचार-विमर्श, पारदर्शिता और नेतृत्व परिवर्तन की स्वस्थ परंपरा नहीं रखते, वे व्यापक समाज में लोकतांत्रिक संस्कार कैसे विकसित कर सकते हैं? लोकतंत्र की शुरूआत संसद से पहले राजनीतिक दलों और नागरिक समाज के भीतर होनी चाहिए। साथ ही लोकतंत्र को केवल राष्ट्रीय सत्ता तक सीमित रखना भी उचित नहीं। पंचायत, नगर निकाय और स्थानीय संस्थाएं लोकतंत्र की वास्तविक पाठशाला हैं। जिस लोकतंत्र में गांव का नागरिक अपने स्थानीय निर्णयों में सहभागी नहीं है, उसमें लोकतंत्र का विकेंद्रीकरण अधूरा है। गांधी का ग्राम स्वराज इसी व्यापक लोकतांत्रिक दृष्टि का प्रतीक था-सत्ता का प्रवाह ऊपर से नीचे नहीं, बल्कि नीचे से ऊपर की ओर हो।

लोकतंत्र की सफलता के लिए नागरिकों को भी यह समझना होगा कि अधिकारों के साथ कर्तव्य जुड़े हैं। मतदान करना ही नागरिकता की पूर्ण जिम्मेदारी नहीं है। सही सूचना प्राप्त करना, संविधान और कानून का सम्मान करना, करों का ईमानदारी से भुगतान करना, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना, सामाजिक सद्भाव बनाए रखना और गलत नीतियों के विरुद्ध शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठाना भी नागरिक धर्म है। अंततः लोकतंत्र कोई तैयार होकर मिल जाने वाली व्यवस्था नहीं, बल्कि निरंतर साधना है। उसे हर पीढ़ी को अपने आचरण, संस्थाओं और सार्वजनिक जीवन के माध्यम से मजबूत करना पड़ता है। लोकतंत्र तभी सार्थक है जब सत्ता जनता के प्रति जवाबदेह हो, संस्थाएं स्वतंत्र हों, मानवाधिकार सुरक्षित हों, कमजोर को न्याय मिले, असहमति का सम्मान हो और नागरिकों को यह विश्वास हो कि शासन वास्तव में उनके कल्याण के लिए है।

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र ही नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विविधता और जनभागीदारी का अद्भुत उदाहरण है। विशाल जनसंख्या, भाषाई-सांस्कृतिक विविधता और अनेक राजनीतिक विचारधाराओं के बावजूद भारत ने संविधान, सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार और स्वतंत्र निर्वाचन प्रक्रिया के माध्यम से लोकतांत्रिक व्यवस्था को निरंतर मजबूत किया है। सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण, स्वतंत्र न्यायपालिका, जीवंत संसद, सक्रिय मीडिया और मजबूत नागरिक समाज इसकी लोकतांत्रिक शक्ति के प्रमुख आधार हैं। भारत का लोकतंत्र यह संदेश देता है कि विविधता विभाजन नहीं, शक्ति बन सकती है। इसकी वास्तविक मजबूती तभी कायम रहेगी, जब नागरिक अधिकारों के साथ कर्तव्य, सहिष्णुता, संवाद, पारदर्शिता और संवैधानिक मूल्यों के प्रति आस्था को भी सर्वोच्च महत्व दिया जाए।

संपादकीय

मां बोली भरे झोली

भारतीय नौनिहालों की बड़ी विडंबना है कि वे जब इस दुनिया में आंख खोलते हैं तो मां बोली से उनका परिचय होता है। घर में मां प्यार से जिस भाषा में बच्चे से लाड़ करती है और स्नेह उंडेलती है, वह उस बच्चे की मां बोली होती है। वह पंजाबी भी हो सकती है या तमिल आदि भी। उस भाषा में उसके पुरखों की सदियों से संरक्षित विरासत होती है। उसके रक्त में उसके प्रति सम्मोहन होता है। बच्चा बड़ा होता है तो आस-पड़ोस के बच्चों से उसका हिंदी या राज्य की भाषा में संवाद होता है। उसके लिए यह नई भाषा होती है। उसमें मां बोली जैसी सहजता और सरलता नहीं होती, लेकिन वह उसे सीखता है। दोस्तों के बीच खुद को अभिव्यक्त करता है। फिर स्कूल पहुंचता है तो उसे हिंदी के बाद अंग्रेजी से रूबरू होना पड़ता है। जाहिर है, यह वह भाषा होती है जो आमतौर पर उसके मां-बाप या दादा-दादी नहीं बोलते। लेकिन उस पर उसे सीखने और बोलने का दबाव होता है। अपनी जिस ऊर्जा को बच्चा सीखने और नया ज्ञान खोजने में लगा सकता है, उसे अपनी सारी ऊर्जा भाषायी जंजाल से उबरने में लगानी पड़ती है। यदि बच्चा अपनी मां बोली या हिंदी में अपनी पढ़ाई करता तो उसकी वास्तविक ऊर्जा और समय नया ज्ञान अर्जित करने में लगते। निश्चय ही यह भाषायी व्यवधान उसकी नैसर्गिक विकास गति को प्रभावित करते हैं। क्या कभी भाषा पर राजनीति करने वाले राजनेताओं ने बच्चों की इस समस्या पर संवेदनशील ढंग से विचार किया है?

गंभीर और शोचनीय स्थिति यह है कि जब बच्चा गांव से पढ़कर उच्च शिक्षा के लिए शहर जाता है तो यह भाषायी अवरोध उसकी प्रगति को बाधित करता है। निस्संदेह, गांव से आने वाला बच्चा फर्राटेदार अंग्रेजी नहीं बोल सकता। समाज की आर्थिक विषमता ने शिक्षा व्यवस्था में भी गहरा विभाजन पैदा किया है। एक तरफ पांच सितारा पब्लिक स्कूल हैं, जिन्हें समाज के धनाढ्य लोगों द्वारा राजनीतिक संरक्षण में संचालित किया जाता है। वहां सोने-चांदी की चम्मच लेकर पैदा हुए बच्चों को दाखिला मिलता है। दाखिला लेना उनकी अपनी नहीं, बल्कि उनके माता-पिता की योग्यता होती है, क्योंकि वे मोटी फीस भरते हैं। इस भेड़चाल में मध्यवर्गीय लोगों के बच्चे भी शामिल होते हैं, लेकिन अपने माता-पिता के नौकरी में खटने और कर्ज लेने की कीमत पर। इसमें गांव के उस कुशाग्र बुद्धि के बच्चे का क्या कसूर है, जिसे इन पांच सितारा स्कूलों में पढ़ने का मौका नहीं मिल सका? उसके मां-बाप इतना पैसा नहीं दे सके। फिर यह विभाजन आगे चलकर तमाम प्रतियोगी परीक्षाओं में भी नजर आता है। अंग्रेजीदां अधिकारियों की प्राथमिकता अक्सर अंग्रेजी माध्यम से पढ़े छात्र ही होते हैं।

चिंतन-मनन

जहाँ शांति है वही सुख

यदि हमारे पास दुनिया का पूरा वैभव और सुख-साधन उपलब्ध है परंतु शांति नहीं है तो हम भी आम आदमी की तरह ही हैं। संसार में मनुष्यों द्वारा जितने भी कार्य अथवा उद्यम किए जा रहे हैं सबका एक ही उद्देश्य है शांति। सबसे पहले तो हमें ये जान लेना चाहिए कि शांति क्या है? शांति का केवल अर्थ यह नहीं कि केवल मुख से चुप रहें अपितु मन का चुप रहना ही सच्ची सुख-शांति का आधार है। कहते हैं कि जहाँ शांति है वहाँ सुख है। अर्थात सुख का शांति से गहरा नाता है। लड़ाई, दुख और लालच को भंग करने के लिए शांति सशक्त औजार है। कई लोग कहते हैं कि बिना इसके शांति नहीं हो सकती। इसके साथ ही भौतिक सुख-साधनों तथा अन्य संसाधनों से शांति होगी यह कहना भी गलत है। यदि इससे ही शांति हो जाती तो हम मंदिर आदि के चक्कर नहीं लगाते। धन-दौलत और संपदा से संसाधन खरीदे जा सकते हैं परंतु शांति नहीं। हम यही सोचते रह जाते हैं कि यह कर लूँगा तो शांति मिल जाएगी। आवश्यकताओं को पूरा करते-करते पूरा समय निकल जाता है और न तो शांति मिलती है और न ही खुशी। खुशहाल पारिवारिक जीवन के लिए जरूरी है कि पहले शांति रहे। जहाँ शांति है वहाँ विकास है। जहाँ विकास है वहाँ सुख है। इसलिए अमूल्य शांति के लिए सबसे पहले हमें अपने आप को देखना होगा। अपने बारे में जानना होगा। मैं कौन हूं, कहाँ से आया हूं और हमारे अंदर कौन-कौन सी शक्तियाँ हैं जो हम अपने अंदर ही प्राप्त कर सकते हैं। शांति का सागर परमात्मा है। हम आत्माएँ परमात्मा की संतान हैं। जब हमारे अंदर शांति आएगी तो हमारा विकास होगा। जब विकास होगा तो वहाँ सुख का साम्राज्य होगा। यह प्रक्रिया बिल्कुल सरल और सहज है जिसके जरिए हम यह जान और पहचान सकते हैं। वर्तमान समय अशांति और दुख के भयानक दौर से गुजर रहा है। ऐसे में जरूरत है कि हम अपने धर्म और शाश्वत सत्य को स्वीकारते हुए शांति के सागर परमात्मा से अपने तार जोड़ें। ताकि हमारे भीतर शांति का खजाना मिले। इससे हमारे अंदर शांति तो आएगी ही साथ ही हम दूसरों को भी शांति प्रदान कर सकेंगे।

महंगाई और कर्ज की मार से आम आदमी हलाकान

सनत जैन

भारत में कर्ज और महंगाई की मार से आम आदमी बुरी तरह से परेशान है। इसमें कोई राहत मिलती हुई दिख नहीं रही है। उल्टे महंगा कर्ज और ईएमआई बढ़ने से आम आदमी बहुत परेशान हैं। हाल ही में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया रिसर्च की एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें कहा गया है महंगाई को देखते हुए रिजर्व बैंक आफ इंडिया आने वाले समय में रेपो रेट और भी बढ़ा सकता है। रिजर्व बैंक द्वारा रेपो रेट बढ़ने का असर सबसे ज्यादा आम आदमियों की ईएमआई और कर्ज के रूप में पड़ेगा। आम आदमी के ऊपर कर्ज का बोझ लगातार बढ़ता चला जा रहा है। नियमित खर्चे के लिए उसे कर्ज का सहारा लेना पड़ रहा है। महंगाई हर महीने बढ़ती चली जा रही है। महंगाई पर सरकार का कोई अंकुश नहीं है। लगता है आम आदमी को कारोबारियों के भरोसे छोड़ दिया गया है। बाजार में मुनाफाखोरी लगातार बढ़ती चली जा रही है। स्टेट बैंक की जो रिपोर्ट जारी हुई है, उसके अनुसार जनवरी 2026 तक 22 वस्तुओं तक महंगाई सीमित थी अब वह बढ़कर 53 वस्तुओं पर पहुंच गई है। पेट्रोल, डीजल, गैस, दवाइयां और इलेक्ट्रॉनिक की लागत बढ़ने से इनकी कीमतें भी लगातार बढ़ रही हैं।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में क्रूड आइल की कीमत बढ़ने से इसका असर हर क्षेत्र में महंगाई बढ़ने के तौर पर हो रहा है। हाल ही में खाडी देशों के तीनों मार्गो से जहाजों की आवाजाही बंद है। अमेरिका और ईरान के बीच कोई समझौता होता हुआ नजर नहीं आ रहा है। हुती हमले के बाद स्थितियां और भी नाजुक होती चली जा रही हैं। महंगाई, कर्ज और बेरोजगारी के साथ-साथ अब आर्थिक मंदी का संकट भी बड़ी तेजी के साथ गहरा रहा है। इसका असर वैश्विक स्तर पर हो रहा है। भारत में जिस तरह से महंगाई बढ़ती चली जा रही है, सरकार मुनाफाखोरी और महंगाई को रोकने की दिशा में ऐसा कोई प्रयास करती हुई नहीं दिख रही है, जिससे ऐसा लगे कि सरकार को आम आदमी की चिंता है। जिसके कारण अब आम जनता में तनाव भी देखने को मिल रहा है। भारत में पिछले वर्षों में कर्ज लेकर खर्च करने की प्रवृत्ति बड़ी तेजी के साथ बड़ी है। आम आदमी के ऊपर ब्याज और ईएमआई का दबाव लगातार बढ़ता चला जा रहा है, ऐसी स्थिति में रिजर्व बैंक की रेपो रेट को बढ़ाने से इसका असर गरीब और मध्यम वर्ग पर बड़े पैमाने पर होगा। महंगाई के कारण आम आदमी अपने रोजाना के खाने-पीने के खर्च और शिक्षा के खर्चे पूरे नहीं कर पा रहा है। महंगाई के कारण किचन में तेल और जरूरी सामान कम होते चले जा रहे हैं। बच्चों को पोषण आहार भी नहीं मिल पा रहा है।

लोगों को लगता था सरकार महंगाई और मुनाफाखोरी पर नियंत्रण करेगी, लेकिन नियंत्रण के स्थान पर जिस तरह से कीमत बढ़ रही है और ब्याज दर भी बढ़ती चली जा रही है। ईएमआई में डिफॉल्ट होने के कारण एनबीएफसी कंपनियों और बैंकों द्वारा मनमाना ब्याज और जुमार्ना वसूल किया जा रहा है। जिसके कारण आम आदमी की नाराजी लगातार बढ़ती चली जा रही है। सरकार को समय रहते इस दिशा में उपयुक्त कार्रवाई करने की जरूरत है। जिस तरीके से लोग परेशान हैं, महंगाई के कारण रोजाना तनाव मे जीना पड़ रहा है। जरूरी खर्च के लिए अब उसे कर्ज भी नहीं मिल पा रहा है। ऐसी स्थिति में सरकार को ठोस कदम उठाने की जरूरत है। महंगाई और मुनाफाखोरी दोनों पर ही समय रहते नियंत्रण नहीं किया गया तो हालत बद से बदतर हो सकते हैं। जिस तरह के हालात 1975 में बने थे। इस तरह के हालात अब बनते हुए दिख रहे हैं। जिन्होंने आपातकाल के पहले की महंगाई और मुनाफाखोरी को देखा है। उस समय के लोगों का कहना है, वर्तमान हालात उससे भी खराब हैं। स्थितियां अभी भी नियंत्रण में नहीं है। कच्चे तेल के दाम लगातार बढ़ते ही जा रहे हैं, कहा जा रहा है कि 120 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच सकते हैं। ऐसी स्थिति में महंगाई को काबू में कर पाना सरकार के लिए और भी मुश्किल होगा। बेरोजगारी और काम नहीं होने के कारण आम आदमी की हालत वैसे ही खराब है। महंगाई ने जीना पूरी तरह से हराम कर दिया है। छोटे बच्चों को अब दूध भी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। जिसके कारण मध्यम और निम्न वर्ग के परिवारों में गुस्सा बढ़ता चला जा रहा है।

बेटियों के सपनों की राह में अब भय नहीं सुरक्षा और सम्मान का भरोसा

कांतिलाल मांडोत

महिलाओं की सुरक्षा किसी भी सभ्य और विकसित समाज की पहली पहचान होती है। जिस समाज में बेटी बिना भय के विद्यालय जा सके, युवती अपने सपनों को पूरा करने के लिए घर से बाहर निकल सके और कामकाजी महिला देर तक अपने कार्यस्थल पर रहकर भी सुरक्षित घर लौट सके, वही समाज वास्तविक अर्थों में प्रगति की ओर बढ़ता है। वाराणसी के पिंडरा में आयोजित कामकाजी महिला सम्मान समारोह में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा को लेकर दिया गया संदेश इसी व्यापक सोच को सामने रखता है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि बेटियों की सुरक्षा में सेंध लगाने वालों के लिए जेल या जहन्नुम, दो ही जगह हैं। यह केवल राजनीतिक भाषण का हिस्सा नहीं, बल्कि महिलाओं के प्रति अपराध के विरुद्ध सरकार की कठोर नीति का संकेत भी है।

उत्तर प्रदेश जैसे विशाल राज्य में महिलाओं की सुरक्षा हमेशा बड़ी चुनौती रही है। आबादी का बड़ा हिस्सा गांवों और कस्बों में रहता है, जहां बेटियों की शिक्षा, रोजगार और सार्वजनिक जीवन में भागीदारी कई बार सामाजिक सोच और सुरक्षा की चिंता से प्रभावित होती है। लंबे समय तक परिवारों के सामने यह प्रश्न रहा कि बेटी को पढ़ने के लिए दूर भेजें या नहीं, उसे प्रशिक्षण दिलाएं या नहीं, नौकरी करने दें या नहीं। योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में इसी मनोवैज्ञानिक भय को रेखांकित किया। उनका कहना था कि जब परिवार को बेटी की सुरक्षा का भरोसा नहीं होता तो सबसे पहले उसके सपनों पर रोक लगती है।

महिला सुरक्षा का अर्थ केवल अपराध होने के बाद कार्रवाई करना नहीं है। इसका वास्तविक अर्थ ऐसा वातावरण बनाना है, जिसमें अपराध करने की मानसिकता पैदा होने से पहले ही कानून का भय दिखाई दे। छेड़छाड़, पीछा करना, महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार, घरेलू हिंसा, दुष्कर्म और अन्य अपराधों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई तभी सार्थक होती है, जब पीड़िता को शिकायत करने में संकोच न हो और उसे यह विश्वास हो कि व्यवस्था उसके साथ खड़ी है। कठोर कानून के साथ संवेदनशील पुलिस व्यवस्था, त्वरित सुनवाई और पीड़ित महिला को सामाजिक तथा कानूनी सहायता भी सुरक्षा के इसी तंत्र का हिस्सा हैं।

उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था को लेकर पिछले वर्षों में जिस बदलाव की चर्चा होती रही है, उसका एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि अपराध और अपराधी के बीच फर्क करते हुए संगठित अपराध तथा माफिया तंत्र के खिलाफ कठोर कार्रवाई को शासन की प्राथमिकता बनाया गया। मुख्यमंत्री ने वाराणसी में कहा कि सरकार वोट बैंक के लिए किसी माफिया के सामने नहीं झुकती। राजनीति से अलग हटकर देखा जाए तो कानून का शासन तभी मजबूत होता है जब अपराधी की पहचान उसके प्रभाव, धन या राजनीतिक पहुंच से नहीं, बल्कि उसके कृत्य से तय हो। महिलाओं के मामले में यह और अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि प्रभावशाली अपराधी के खिलाफ कार्रवाई का अभाव समाज में भय और अपराधी के मन में दुस्साहस पैदा करता है।

महिलाओं की सुरक्षा को केवल पुलिस और कानून व्यवस्था का विषय मानना भी अधूरा दृष्टिकोण होगा। सुरक्षा का संबंध महिला के पूरे जीवन से जुड़ा है। घर में शौचालय की सुविधा से लेकर विद्यालय तक सुरक्षित पहुंच, सार्वजनिक परिवहन से लेकर कार्यस्थल तक सुरक्षित वातावरण और आर्थिक आत्मनिर्भरता से लेकर सरकारी योजनाओं तक आसान पहुंच, ये सभी महिला सशक्तीकरण के आधार हैं। मुख्यमंत्री ने वर्ष 2017 से पहले की परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए बताया कि परिवारों को बेटी की सुरक्षा, घर में शौचालय, इलाज के खर्च और आमदनी जैसी अनेक चिंताएं परेशान करती थीं। आज महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए ऐसी मूलभूत समस्याओं को दूर करना भी सुरक्षा के व्यापक अर्थ में शामिल किया जाना चाहिए।

बेटी की सुरक्षा का सबसे बड़ा परिणाम उसके सपनों की स्वतंत्रता में दिखाई देता है। यदि एक लड़की को यह भरोसा हो कि विद्यालय, महाविद्यालय, प्रशिक्षण केंद्र या नौकरी तक जाने के रास्ते में उसके साथ कानून खड़ा है तो उसके आत्मविश्वास में स्वाभाविक वृद्धि होती है। यही आत्मविश्वास आगे चलकर शिक्षा, रोजगार और उद्यमिता में भागीदारी बढ़ाता है। इसलिए महिला सुरक्षा को केवल अपराध के आंकड़ों से नहीं, बल्कि इस बात से भी मापा जाना चाहिए कि कितनी बेटियां बिना भय के अपनी पसंद की शिक्षा और रोजगार चुन पा रही हैं।

कामकाजी महिलाओं के सम्मान समारोह का संदेश भी इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण है। महिला जब परिवार की जिम्मेदारियों के साथ आर्थिक गतिविधियों में भाग लेती है तो वह केवल अपनी आय नहीं बढ़ाती, बल्कि परिवार और समाज की आर्थिक क्षमता को मजबूत करती है। ग्रामीण क्षेत्र की महिला स्वयं सहायता समूह से जुड़कर रोजगार शुरू करे, खेत और पशुपालन से आय बढ़ाए, छोटे व्यवसाय का संचालन करे या शहर में नौकरी करे, प्रत्येक स्थिति में सुरक्षित वातावरण उसकी सफलता की अनिवार्य शर्त है। महिला को अवसर देना और अवसर तक सुरक्षित पहुंच सुनिश्चित करना, दोनों एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।

वाराणसी में राष्ट्रीय पोषण माह के शुभारंभ का प्रसंग भी महिला और बेटी के प्रश्न को एक दूसरे आयाम से जोड़ता है। पोषण, स्वास्थ्य और सुरक्षा को अलग-अलग विषय समझना उचित नहीं है। कुपोषण से जूझती किशोरी, स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित गर्भवती महिला या आर्थिक कठिनाइयों से परेशान परिवार की बेटी के सपनों की राह स्वाभाविक रूप से कठिन हो जाती है। इसलिए महिला सशक्तीकरण की नीति में पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा और आर्थिक आत्मनिर्भरता को एक साथ देखना आवश्यक है।

उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को देश में अग्रणी राज्यों में पहुंचाने की चर्चा के बीच महिला भागीदारी को भी केंद्र में रखना होगा। किसी प्रदेश की आर्थिक ताकत केवल उद्योगों और निवेश से नहीं बढ़ती, बल्कि तब बढ़ती है जब उसकी आधी आबादी शिक्षा, रोजगार और उद्यम के क्षेत्र में पूरी क्षमता से योगदान देती है। महिला सुरक्षित होगी तो वह घर की चारदीवारी से बाहर निकलेगी, शिक्षा हासिल करेगी, रोजगार चुनेगी और आर्थिक निर्णयों में अपनी भूमिका बढ़ाएगी। इसलिए महिला सुरक्षा वास्तव में आर्थिक विकास की बुनियादी शर्त भी है।

मुख्यमंत्री का यह संदेश कि अपराधियों को कठोर परिणाम भुगतना होगा, समाज के लिए तभी प्रभावी बनेगा जब इसके साथ महिलाओं में विश्वास भी लगातार मजबूत किया जाए। कानून का भय अपराधी के लिए और व्यवस्था पर भरोसा पीड़िता के लिए, दोनों समान रूप से जरूरी हैं। बेटियों को यह महसूस होना चाहिए कि शिकायत करने पर उनकी आवाज सुनी जाएगी और महिलाओं को यह विश्वास होना चाहिए कि सार्वजनिक स्थान उनका भी उतना ही अधिकार है जितना किसी अन्य नागरिक का।

उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में उठाए गए कदमों की वास्तविक सफलता तब मानी जाएगी, जब किसी पिता को बेटी को स्कूल भेजते समय भय न हो, किसी मां को काम से लौटती बेटी की चिंता न सताए और किसी युवती को अपने करियर का चुनाव सुरक्षा के सवाल से समझौता करके न करना पड़े। सरकार की योजनाओं का अंतिम उद्देश्य भी यही होना चाहिए कि सुरक्षा कागज पर दर्ज व्यवस्था न रहकर आम महिला के जीवन का प्रत्यक्ष अनुभव बने। महिलाओं की सुरक्षा पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का वाराणसी में दिया गया संदेश इसी व्यापक परिवर्तन की ओर संकेत करता है। अपराधी के लिए कठोरता और महिला के लिए सम्मान, दोनों साथ चलें तो कानून व्यवस्था का अर्थ सार्थक होता है। बेटियों के सपनों पर पहरा नहीं, उन्हें उड़ान देने वाला वातावरण चाहिए। जब प्रदेश की बेटियां बिना भय के पढ़ेंगी, काम करेंगी, आगे बढ़ेंगी और अपने निर्णय स्वयं लेने का आत्मविश्वास हासिल करेंगी, तभी विकास की तस्वीर पूरी होगी। महिला सुरक्षा इसलिए केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक प्रतिबद्धता है।

भारत में डेटा सेंटरः डिजिटल युग का बुनियादी ढांचा

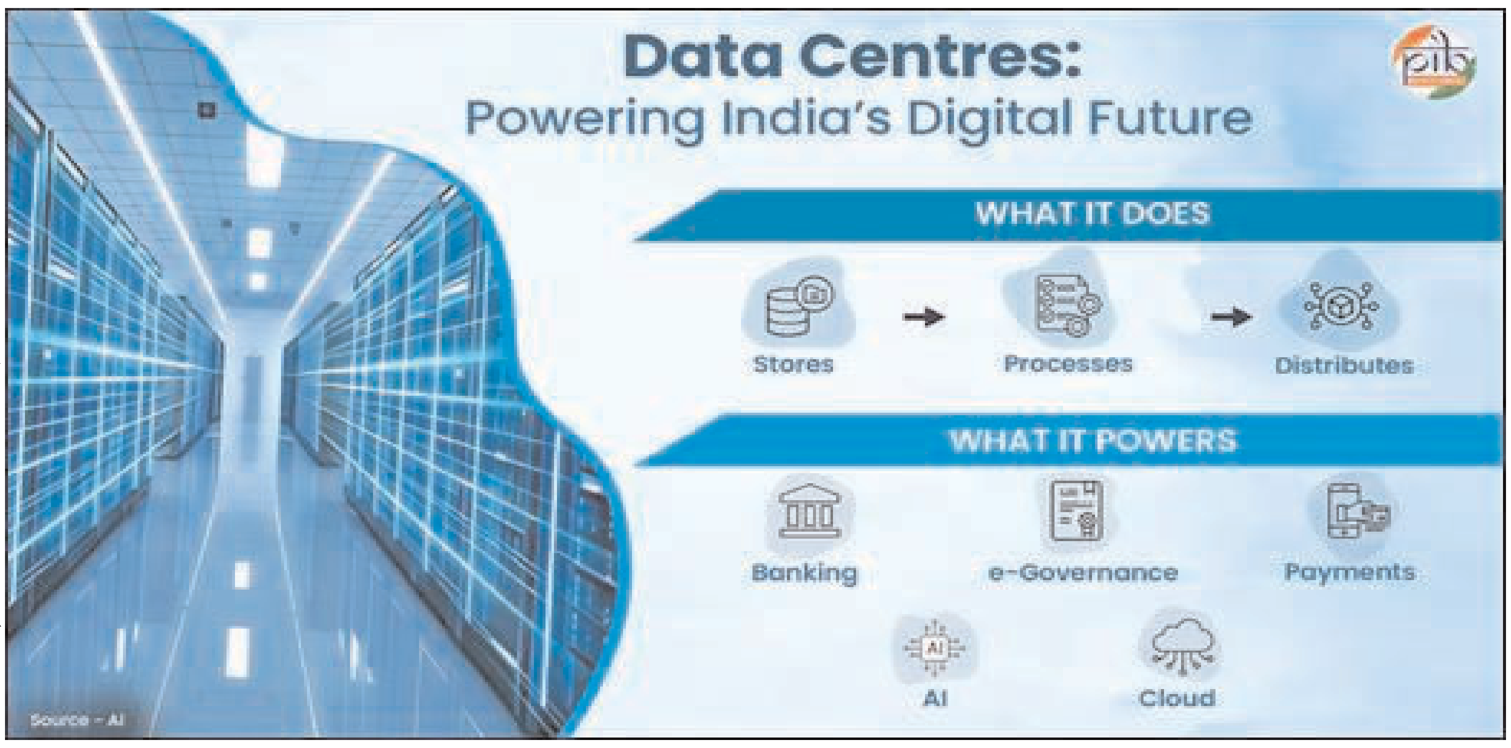

बिहान भारत

डेटा सेंटर भारत के डिजिटल जीवन को गति प्रदान करने वाले अदृश्य स्तंभ हैं। ये सेंटर हर पल बैंकिंग, ई-गवर्नेंस और ऑनलाइन सेवाएं प्रदान करने में मदद करते हैं। जैसे-जैसे उभरती हुई प्रौद्योगिकियां डेटा की तीव्र वृद्धि को बढ़ावा दे रही हैं, सरकार एक अनुकूल नीतिगत इकोसिस्टम बना रही है। बुनियादी ढांचे की स्थिति, वित्तीय प्रोत्साहन और स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने से भारत के डेटा सेंटर इकोसिस्टम को मजबूती मिल रही है।

डेटा सेंटरों के माध्यम से भारत के डिजिटल बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करना

भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था तेजी से विकास और तकनीकी बदलाव के एक नए चरण में प्रवेश कर रही है। डिजिटलीकरण विभिन्न क्षेत्रों में उत्पादकता, प्रतिस्पर्धात्मकता और सेवा प्रदान करने के स्वरूप को बदल रहा है। जैसे-जैसे डिजिटल सेवाओं का विस्तार हो रहा है, वैसे-वैसे कंप्यूटिंग क्षमता, डेटा स्टोरेज और उच्च गति वाली कनेक्टिविटी की अभूतपूर्व मांग उत्पन्न हो रही है। इस मांग को पूरा करने के लिए ऐसे बुनियादी ढांचे की आवश्यकता है जो निरंतर, सुरक्षित रूप से और बड़े पैमाने पर काम कर सके।
डेटा सेंटर यह महत्वपूर्ण आधार प्रदान करते हैं और उन डिजिटल सेवाओं को संचालित करते हैं जो भारत की अर्थव्यवस्था और शासन व्यवस्था को निरंतर बढ़ावा दे रही हैं।
डेटा सेंटर एक सुरक्षित जगह होती है जहां कंप्यूटिंग, स्टोरेज और नेटवर्किंग से जुड़े उपकरण रखे जाते हैं। यह बड़ी मात्रा में डिजिटल सूचनाओं को संगृहीत, संसाधित, प्रबंधित और प्रदान करता है। ये क्षमताएं ऑनलाइन बैंकिंग, ई-गवर्नेंस, डिजिटल भुगतान, क्लाउड कंप्यूटिंग और अन्य उभरती हुई प्रौद्योगिकियों को सहायता प्रदान करती हैं।
आधुनिक डेटा सेंटर कंप्यूटिंग, नेटवर्किंग, पावर, कूलिंग, सुरक्षा और प्रबंधन प्रणालियों को एकीकृत करते हैं। ये प्रणालियां विश्वसनीय संचालन, डेटा की सुरक्षा और निर्बाध डिजिटल सेवाएं प्रदान करने के लिए निरंतर कार्य करती हैं। जैसे-जैसे भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तार हो रहा है, सुदृढ़ डेटा सेंटर नवाचार, प्रतिस्पर्धात्मकता और सतत डिजिटल विकास के लिए एक रणनीतिक बुनियादी ढांचा बनते जा रहे हैं।

डेटा सेंटर के भीतरः डिजिटल सेवाओं को संचालित करने वाली प्रौद्योगिकियां

एक डेटा सेंटर विश्वसनीय विद्युत बुनियादी ढांचे पर निर्भर करता है, ताकि महत्वपूर्ण उपकरणों का निर्बाध संचालन सुनिश्चित किया जा सके। डेटा सेंटर के कंप्यूटर कभी बंद नहीं हो सकते—एक मिलीसेकंड के लिए भी नहीं। बिजली जाने पर अनइंटरप्टिबल पावर सप्लाई (यूपीएस) तत्काल बैकअप प्रदान करती है। लंबे समय तक बिजली जाने की स्थिति में बैकअप जनरेटर और विद्युत वितरण प्रणालियां अतिरिक्त सुरक्षा और निरंतरता प्रदान करती हैं। इतने बड़े पैमाने पर निरंतर संचालन के लिए कंप्यूटिंग उपकरणों की उचित कार्य स्थिति बनाए रखने हेतु शीतलन प्रणालियों (कूलिंग सिस्टम) की आवश्यकता होती है। हीटिंग, वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग (एचवीएसी) सिस्टम सेंटर के भीतर तापमान और वायु प्रवाह को नियंत्रित करते हैं। उन्नत वायु प्रवाह प्रबंधन एवं लिक्विड कूलिंग थर्मल एफिशिएंसी और विश्वसनीयता को और बेहतर बनाते हैं।
तत्पश्चात, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) बुनियादी ढांचा मुख्य कंप्यूटिंग कार्य करता है। सर्वर सूचनाओं को संसाधित करते हैं और डिजिटल एप्लिकेशन को संचालित करते हैं। स्टोरेज सिस्टम हार्ड डिस्क ड्राइव (एचडीडी) और सॉलिड-स्टेट ड्राइव (एसएसडी) का उपयोग करके बड़ी मात्रा में डेटा को सुरक्षित रखते हैं। सुरक्षा प्रणालियां उपकरणों, नेटवर्क और डेटा को फिजिकल व डिजिटल खतरों से सुरक्षित रखती हैं। राउटर और हाई-स्पीड स्विच सहित नेटवर्किंग उपकरण, सेंटर के भीतर और बाहर डेटा के आदान-प्रदान को संभव बनाते हैं। फाइबर-ऑप्टिक कनेक्शन डेटा सेंटर और बाहरी नेटवर्क के बीच हाई-स्पीड कम्युनिकेशन की सुविधा प्रदान करते हैं।
आखिर में, मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर प्रणालियों की मॉनिटरिंग करता है और कंप्यूटिंग रिसोर्स के इस्तेमाल को बेहतर बनाने में मदद करता है।
वर्चुअलाइजेशन एक ही फि जिकल सर्वर पर कई वर्चुअल मशीनों को चलाने की सुविधा प्रदान करता हैं, जिससे रिसोर्स का इस्तेमाल बेहतर होता है। कल्पना कीजिए कि एक बड़े घर को कई अलग-अलग अपार्टमेंट में बांट दिया जाए। वर्चुअलाइजेशन एक फि जिकल कंप्यूटर को उसके भीतर कई वर्चुअल ₹मिनी-कंप्यूटर₹ चलाने की सुविधा देता है, जिससे रिसोर्स का बेहतरीन उपयोग होता है। ऑटोमेशन टूल वर्कलोड को मैनेज करते हैं, रख-रखाव में मदद करते हैं और परिचालन से जुड़ी समस्याओं की पहचान करने में सहायता करते हैं।

क्लिक से रिस्पॉन्स तकः डेटा सेंटर आपकी रिक्वेस्ट को कैसे पूरा करता है

हर डिजिटल रिक्वेस्ट एक सिंपल एक्शन (क्लिक करने या कमांड देने पर कंप्यूटर द्वारा प्रोसेस करने की प्रक्रिया) से शुरू होती है, जैसे कोई ऐप खोलना, बैंक बैलेंस देखना या कोई डॉक्यूमेंट देखना। तुरंत मिलने वाले जवाब के पीछे, रिक्वेस्ट एक नेटवर्क के माध्यम से डेटा सेंटर तक पहुंचती है, जहां कई प्रणालियां मिलकर इसे सुरक्षित और कुशलतापूर्वक संसाधित करती हैं।
सिक्योरिटी लेयर सबसे पहले रिक्वेस्ट की जांच करती है और सिस्टम को साइबर खतरों से बचाती है। इसके बाद, लोड बैलेंसर रिक्वेस्ट को उपलब्ध सर्वर पर भेजता है, जिससे वर्कलोड को कुशलतापूर्वक बांटने में मदद मिलती है।
एप्लिकेशन सर्वर रिक्वेस्ट को संसाधित (प्रोसेस) करता है और निर्धारित करता है कि किस जानकारी या सर्विस की जरूरत है। यदि आवश्यक हो, तो यह अन्य एप्लिकेशन या सर्विस के साथ कम्युनिकेट करने के लिए एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (एपीआई) का उपयोग करता है।
इसके बाद डेटाबेस सर्वर आवश्यक जानकारी निकालता है और उसे वापस एप्लिकेशन सर्वर पर भेजता है। एक बार संसाधित होने के बाद, जानकारी नेटवर्क से वापस होकर उपयोगकर्ता (यूजर) के डिवाइस तक पहुंचती है।
इस पूरी प्रक्रिया में केवल 1-2 सेकंड लग सकते हैं, जिससे तेज और निर्बाध डिजिटल सेवाएं मिल पाती हैं। यह इंटरकनेक्टेड चेन–कनेक्ट ? रिसीव ? नेटवर्क ? प्रोसेस ? स्टोर ? सिक्योर ? रिस्पॉन्ड–क्लाउड सेवाओं, ई-गवर्नेंस प्लेटफॉर्म और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) एप्लिकेशन को विश्वसनीय रूप से और बड़े पैमाने पर जानकारी प्रदान करने की सुविधा देती है। यह दशार्ता है कि आधुनिक डेटा सेंटर केवल संगृहीत सुविधाएं ही नहीं हैं, बल्कि वे डिजिटल बुनियादी ढांचा हैं जो रोजमर्रा की ऑनलाइन सेवाओं को संभव बनाते हैं।

सरल शब्दों में: पर्दे के पीछे काम करने वाली टीम

नेटवर्क = कॉरिडोर और इंटरकॉम, आंतरिक मार्ग जो पूरी टीम को आपस में जोड़ते हैं, ताकि वे तुरंत एक-दूसरे तक जानकारी पहुंचा सकें।
लेयर = गार्ड, सुरक्षा के लिए एंट्री पर आपकी रिक्वेस्ट की जांच करता है।
बैलेंसर = ट्रैफि क पुलिस की तरह, यह आने वाले डिजिटल ट्रैफि क को संभालता है ताकि किसी एक सर्वर पर ज्यादा बोझ न पड़े।
एप्लिकेशन सर्वर = शेफ की तरह, आपका ऑर्डर लेता है और यह तय करता है कि कौन सी जानकारी या रेसिपी आवश्यक है।
एपीआई = वेटर, संदेशवाहक (मैसेंजर) के रूप में कार्य करता है।
डेटाबेस सर्वर = एक डिजिटल वॉलेट, जहां जानकारी सुरक्षित रखी जाती है और आवश्यकता पड़ने पर पुनर्प्राप्त की जाती है।

भारत में डेटा सेंटर

भारत में डेटा-सेंटर का विकास ई-गवर्नेंस और डिजिटल सेवाओं के तेजी से विस्तार के साथ-साथ हुआ है। ऑनलाइन सेवाओं के लिए नागरिकों की बढ़ती अपेक्षाओं के कारण मजबूत डेटा-सेंटर से जुड़े बुनियादी ढांचे की मांग बढ़ रही है। राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) ने देश भर में अत्याधुनिक राष्ट्रीय डेटा-सेंटर स्थापित किए हैं। इनमें दिल्ली, पुणे, हैदराबाद और भुवनेश्वर में एनआईसी मुख्यालय की फैसिलिटीज शामिल हैं। एनआईसी ने विभिन्न राज्यों की राजधानियों में 37 छोटे डेटा सेंटर भी स्थापित किए हैं। ये सेंटर विभिन्न स्तरों पर सरकारी संस्थानों को विश्वसनीय डिजिटल सेवाएं प्रदान करते हैं। ये चौबीसों घंटे संचालन, सिस्टम मैनेजमेंट और कुशल ऑन-साइट कर्मचारियों को सहयोग प्रदान करते हैं।
भारत की तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था सुरक्षित और विश्वसनीय डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर की मांग को और अधिक सुदृढ़ कर रही है। वर्ष 2020 में डेटा सेंटर की स्थापित विद्युत क्षमता लगभग 375 मेगावाट थी। अगस्त 2026 तक यह बढ़कर 1.57 गीगावाट हो गई है। वर्ष 2030 तक क्षमता के लगभग 8 गीगावाट तक बढ़ने का अनुमान है। भारत के डेटा सेंटर क्षेत्र में पहले से ही लगभग 70 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश हो रहा है और इसके अलावा 90 अरब अमेरिकी डॉलर के प्रोजेक्ट्स की घोषणा की गई है, जो विस्तार के बड़े पैमाने और निवेशकों के दृढ़ विश्वास को दिखाता है।

डेटा सेंटरों के लिए अनुकूल नीतिगत माहौल बनाना

सरकार ने लक्षित नीतियों और आर्थिक कदमों के माध्यम से डेटा सेंटर इकोसिस्टम को मजबूत बनाया है। केंद्रीय बजट 2022-23 में, डेटा सेंटरों को बुनियादी ढांचे की सामंजस्यपूर्ण सूची में शामिल किया गया। इससे डेटा सेंटरों को बुनियादी ढांचे का दर्जा मिला और डिजिटल बुनियादी ढांचे के लिए ऋण मिलना आसान हो गया। इस कदम ने भारत की डेटा सेंटर क्षमता के निवेश और विस्तार को भी समर्थन दिया।

सरल शब्दों में बुनियादी ढांचे का दर्जा

डेटा सेंटरों को 'बुनियादी ढांचे का दर्जा' मिलने से उन्हें राष्ट्रीय राजमार्गों, हवाई अड्डों और बिजली ग्रिडों की तरह माना जाता है, जिससे उन्हें आसान और किफायती दीर्घकालिक ऋण मिल पाते हैं।
केंद्रीय बजट 2026झ्र27 में पात्र विदेशी क्लाउड सेवा प्रदाताओं के लिए 2047 तक टैक्स हॉलिडे की भी सुविधा दी गई है। यह प्रोत्साहन भारत स्थित डेटा सेंटर बुनियादी ढांचे का उपयोग करने वाले वैश्विक परिचालनों पर लागू होता है। यह अधिसूचित विदेशी कंपनियों के लिए कर वर्ष 2026झ्र27 से 2046झ्र47 तक लागू है। ये उपाय डेटा सेंटर और क्लाउड बुनियादी ढांचे के लिए भारत के निवेश माहौल को बेहतर बनाते हैं।

डेटा सेंटर के विकास को बढ़ावा देने वाली संबद्ध पारिस्थितिकी तंत्र योजनाएं

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 15 जुलाई 2026 को इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) के अंतर्गत 1,27,500 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम के दूसरे चरण (सेमीकॉन 2.0) को स्वीकृति प्रदान की। इसका उद्देश्य देश में एक विश्वसनीय और सुदृढ़ सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम का समग्र विकास करना है।
इंडियाएआई मिशन को देश में एक व्यापक एआई इकोसिस्टम बनाने के लिए 10,371.92 करोड़ रुपये के कुल बजट परिव्यय के साथ स्वीकृति दी गई। इस मिशन के तहत विकसित किया जा रहा एआई इकोसिस्टम भारत में डेटा सेंटर के विकास का एक मुख्य कारक है।
इलेक्ट्रॉनिक्स घटक विनिर्माण योजना (ईसीएमएस) को भी अधिक वित्तीय सहायता मिली है। इसका आवंटन 22,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 40,000 करोड़ रुपये हो गया है।
भारत सरकार ने आईटी हार्डवेयर के लिए पीएलआई स्कीम 2.0 भी शुरू की है, ताकि आईटी हार्डवेयर (जैसे सर्वर) के लिए एक मजबूत घरेलू विनिर्माण इकोसिस्टम बनाया जा सके, अधिक निवेश आकर्षित किए जा सकें, आयात पर निर्भरता कम की जा सके और भारत को एक विश्वसनीय वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला केंद्र बनाया जा सके।

डेटा सेंटर क्षेत्र के लिए ऊर्जा और जल नियोजन

डेटा सेंटर की क्षमता तेजी से बढ़ रही है, जिससे ऊर्जा और संसाधन दक्षता का महत्व लगातार बढ़ रहा है। डेटा सेंटरों को निरंतर संचालन के लिए निश्चित तौर पर बिजली और कुशल शीतलन प्रणालियों की आवश्यकता होती है। विद्युत मंत्रालय के केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) के अनुसार, 2031-32 तक मांग 17 गीगावाट तक पहुंच सकती है। चूंकि यह क्षेत्र विस्तार कर रहा है, सरकार भी इस क्षेत्र के सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए स्वच्छ ऊर्जा और संसाधनों के कुशल उपयोग को प्रोत्साहित कर रही है।

नवीकरणीय ऊर्जा और स्वच्छ ऊर्जा

सरकार कई प्रमुख पहलों के माध्यम से नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा दे रही है। इनमें ग्रीन एनर्जी ओपन एक्सेस रूल्स, ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर स्कीम और राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन शामिल हैं।
राष्ट्रीय उच्च दक्षता सौर पीवी मॉड्यूल कार्यक्रम और सौर पार्क योजना स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देते हैं। ये उपाय अधिक ऊर्जा की खपत वाले डिजिटल बुनियादी ढांचे के लिए स्वच्छ और निश्चित तौर पर विद्युत की उपलब्धता बढ़ाते हैं।

शांति अधिनियम और स्वच्छ ऊर्जा

भारत में बदलाव के लिए परमाणु ऊर्जा के सतत दोहन और विकास (शांति) अधिनियम, 2025 स्वच्छ ऊर्जा के इकोसिस्टम को सुदृढ़ करता है। यह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा सेंटरों सहित उभरते हुए क्षेत्रों के लिए निश्चित रूप से परमाणु ऊर्जा का समर्थन करता है। यह फ्रेमवर्क भविष्य में स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर और माइक्रो न्यूक्लियर रिएक्टर लगाने में भी मदद करता है।

डेटा सेंटरों के लिए बीआईएस मानक

भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने डेटा सेंटर की दक्षता के लिए मानक विकसित किए हैं। इसकी तकनीकी समिति एलआईटीडी 31 क्लाउड कंप्यूटिंग, सूचना प्रौद्योगिकी और डेटा सेंटरों को कवर करती है। बीआईएस ने पावर यूसेज इफेक्टिवनेस (पीयूई) और कार्बन यूसेज इफेक्टिवनेस (सीयूई) से संबंधित मानक प्रकाशित किए हैं। इन मानकों में शीतलन दक्षता अनुपात (सीईआर) और वॉटर यूसेज इफेक्टिवनेस (डब्ल्यूयूई) का भी उल्लेख हैं।

सरल शब्दों में

पीयूई और डब्ल्यूयूई- ग्रीन माइलेज रेटिंग की तरह काम करते हैं, जो यह मापते हैं कि कोई सेंटर बिजली और पानी का उपयोग कितनी दक्षता से करता है।
सीयूई यह मापता है कि एक डेटा सेंटर के कंप्यूटरों द्वारा उपयोग की जाने वाली बिजली पर कितना कार्बन प्रदूषण उत्पन्न होता है।
सीईआर यह मापता है कि कूलिंग सिस्टम (जैसे पंखे, ठंडे पानी की पाइप या लिक्विड कूलेंट) बिजली की खपत के सापेक्ष कितनी दक्षता से गर्मी को बाहर निकालते हैं।

ऊर्जा और जल दक्षता मानक

ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) ने ऊर्जा संरक्षण भवन संहिता (ईसीबीसी) 2017 को अधिसूचित किया है। इसने ऊर्जा संरक्षण और सतत भवन संहिता (ईसीएसबीसी) 2024 को भी अधिसूचित किया है। ये संहिताएं इमारतों के लिए ऊर्जा दक्षता और जल संरक्षण के मानदंड निर्धारित करती हैं। इनमें डेटा सेंटर के बुनियादी ढांचे से संबंधित प्रावधान भी शामिल हैं।

उन्नत शीतलन और जल प्रबंधन

डेटा सेंटर की जल आवश्यकताएं अपनाई गई शीतलन तकनीकों पर निर्भर करती हैं। औद्योगिक उद्देश्यों सहित भूजल निष्कर्षण को जल शक्ति मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों के तहत विनियमित किया जाता है। एआई संबंधी बुनियादी ढांचा डेटा सेंटरों में उन्नत शीतलन तकनीकों को अपनाए जाने को बढ़ावा दे रहा है। इनमें डायरेक्ट-टू-चिप लिक्विड कूलिंग, एडियाबैटिक कूलिंग और इमर्शन कूलिंग शामिल हैं।
क्लोज्ड-लूप लिक्विड कूलिंग सिस्टम भी संसाधन-कुशल समाधानों के रूप में उभर रहे हैं।

आगे की राह

भारत के डेटा सेंटर का विकास एक सुदृढ़ और संप्रभु डिजिटल बुनियादी ढांचे की दिशा में निरंतर नीतिगत यात्रा को दशार्ता है। यह डेटा संप्रभुता, डिजिटल विश्वास, आर्थिक प्रतिस्पर्धात्मकता और तकनीकी आत्मनिर्भरता के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण होता जा रहा है। क्लाउड और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस संबंधी बुनियादी ढांचे का विस्तार नवाचार और आर्थिक विकास के नए अवसर पैदा कर रहा है। हालांकि, इस विकास के लिए डेटा, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा और डिजिटल बुनियादी ढांचे के उत्तरदायी शासन की भी आवश्यकता है। एक प्रौद्योगिकी शासन दृष्टिकोण नवाचार के साथ-साथ सुरक्षा, स्थिरता, जवाबदेही और जनहित के बीच संतुलन बनाने में मदद कर सकता है। इसके लिए कड़े मानक, सुदृढ़ साइबर सुरक्षा, जिम्मेदारीपूर्ण डेटा कार्यप्रणाली और संसाधनों के कुशल उपयोग की आवश्यकता है। इसके अलावा कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर, ऊर्जा और महत्वपूर्ण डिजिटल बुनियादी ढांचे में घरेलू क्षमताओं को बढ़ाने की भी आवश्यकता है। जैसे-जैसे भारत 2047 तक विकसित भारत की दिशा में आगे बढ़ रहा है, डेटा सेंटर डिजिटल अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार बन सकते हैं।

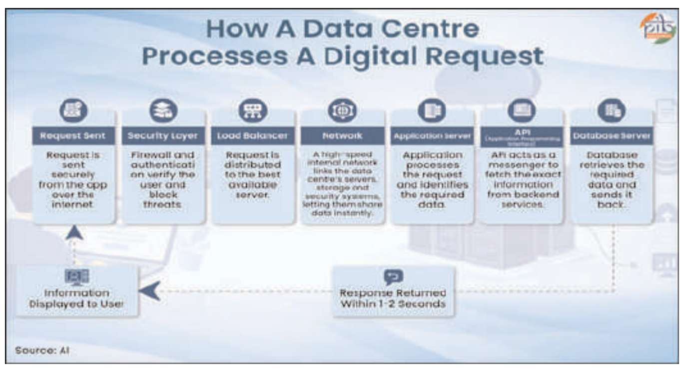

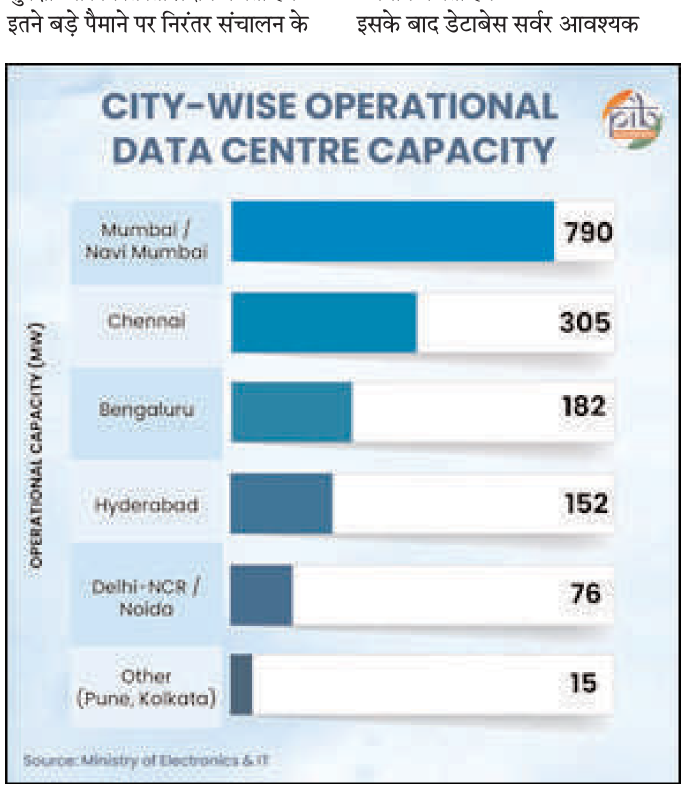

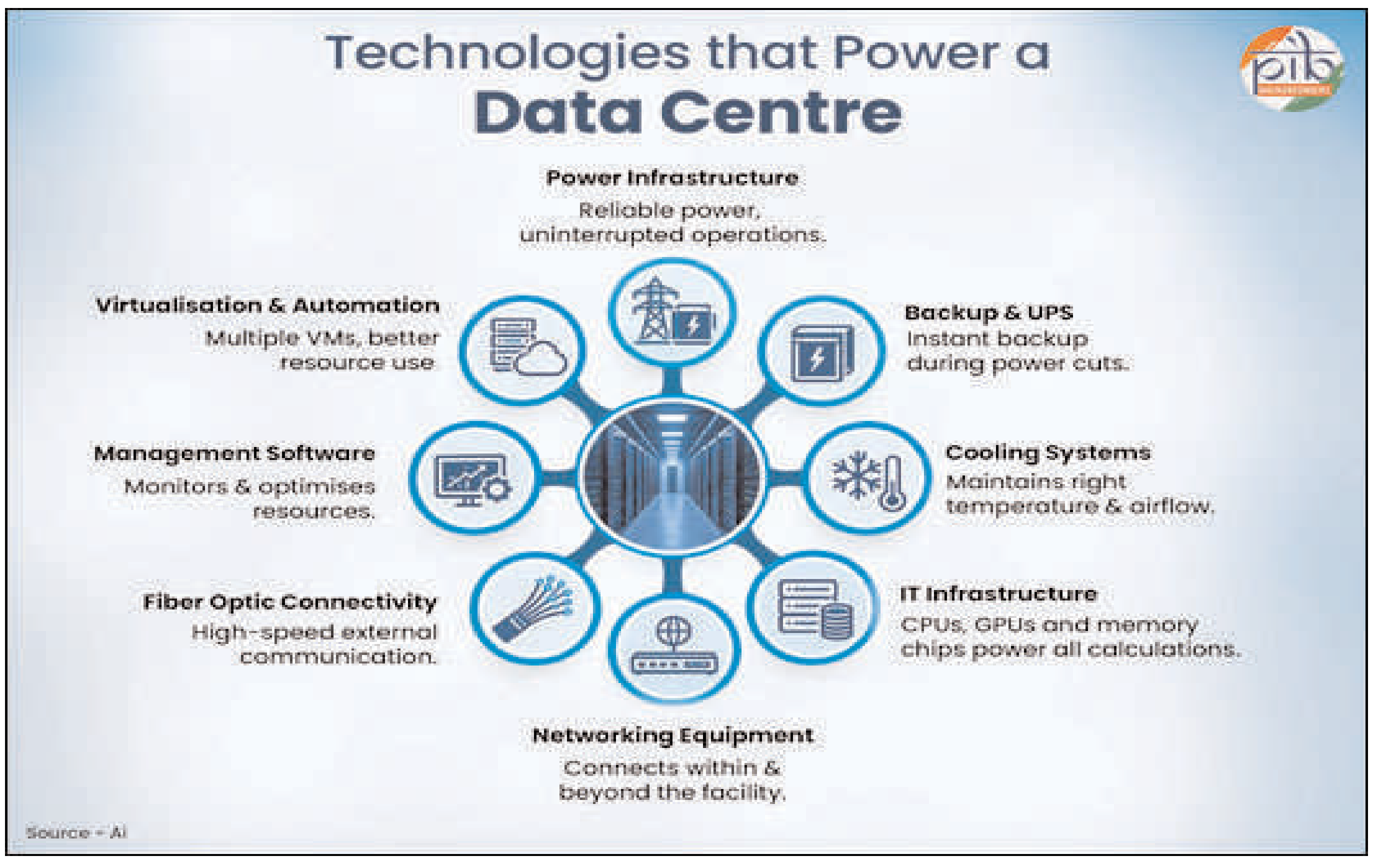

ब्रिक्स की सफलता भारत की कूटनीतिक सफलता: यशवंत सिन्हा

पुतिन-शी समेत सभी राष्ट्राध्यक्षों की मौजूदगी, संयुक्त घोषणापत्र और द्विपक्षीय वार्ताओं को बताया भारत की बड़ी उपलब्धि

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स सम्मेलन के समापन के बाद पूर्व विदेश मंत्री यशवंत सिन्हा ने इसे भारत के लिए बड़ी कूटनीतिक सफलता बताया है। उन्होंने सम्मेलन की सफलता को तीन प्रमुख बिंदुओं में समझाते हुए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान की मौजूदगी के साथ संयुक्त घोषणापत्र और द्विपक्षीय बैठकों को महत्वपूर्ण उपलब्धियां बताया।
सिन्हा ने एक बातचीत में कहा कि सम्मेलन की पहली सफलता यह रही कि जिन राष्ट्राध्यक्षों को भारत ने आमंत्रित किया था, वे सभी सम्मेलन में पहुंचे। उन्होंने विशेष रूप से पुतिन और शी जिनपिंग की मौजूदगी को अहम बताया। उनके मुताबिक, सम्मेलन के बाद संयुक्त घोषणापत्र जारी होना दूसरी बड़ी सफलता है। उन्होंने कहा कि इससे पहले विदेश मंत्रियों की बैठक में संयुक्त घोषणापत्र जारी नहीं हो पाया था, लेकिन इस बार अधिकारियों के प्रयासों से इस पर सहमति बनी। यशवंत सिन्हा ने सम्मेलन की तीसरी उपलब्धि के तौर पर विभिन्न देशों के नेताओं के साथ हुई द्विपक्षीय वार्ताओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत ने सम्मेलन के दौरान सभी महत्वपूर्ण नेताओं के साथ बैठकें कीं, जिससे कूटनीतिक स्तर पर संवाद को आगे बढ़ाने का अवसर मिला।

चीन से बातचीत जरूरी, लेकिन भरोसा नहीं
चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बैठक पर सिन्हा ने कहा कि भारत को चीन के साथ बातचीत जारी रखनी चाहिए, लेकिन उस पर भरोसा नहीं किया जा सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि चीन लगातार भारत को परेशान करता रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि सम्मेलन के दौरान भारत ने अपनी भूमिका प्रभावी ढंग से निभाई। रात्रिभोज में शी जिनपिंग की अनुपस्थिति को लेकर उन्होंने कहा कि ऐसा माना जा रहा है कि वह द्विपक्षीय वार्ता से खुश नहीं थे।

ईरान और गाजा के मुद्दे पर भी भारत की भूमिका अहम
ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान की भारत यात्रा को भी सिन्हा ने महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि इजराइल और अमेरिका के ईरान पर हमले तथा ईरान के सर्वोच्च नेता की मौत के बाद भारत की तत्काल प्रतिक्रिया नहीं आई थी, ऐसे में ईरानी राष्ट्रपति का ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल होना अहम है।
सिन्हा ने इजराइल-फिलिस्तीन मुद्दे पर भी भारत के रुख को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि पिछले करीब 12 वर्षों में भारत की स्थिति पारंपरिक रुख से कुछ अलग दिखाई दे रही थी, लेकिन ब्रिक्स सम्मेलन में भारत फिर अपने पुराने स्टैंड पर लौटता दिखा। संयुक्त घोषणापत्र में गाजा का जिक्र भी इसका संकेत है। उन्होंने कहा कि समग्र रूप से देखा जाए तो भारत ने ब्रिक्स सम्मेलन में बड़ी कूटनीतिक सफलता हासिल की है।

हिंदी दिवस पर इजरायली राजदूत बोले– 'नमस्ते भारत, मेरा नाम रूवेन अजार'

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिंदी दिवस के मौके पर भारत में इजरायल के राजदूत रूवेन अजार ने हिंदी में भारतवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा करते हुए कहा, 'नमस्ते भारत, मेरा नाम रूवेन अजार है। मैं भारत में इजरायल का राजदूत हूं।' इसी के साथ ही उन्होंने बताया कि करीब दो साल पहले भारत आने के बाद उन्होंने हिंदी सीखना शुरू किया था। अजार ने कहा कि दो साल बाद वह हिंदी दिवस के अवसर पर भारत के लोगों को शुभकामनाएं देना चाहते हैं। वीडियो के साथ उन्होंने लिखा कि दो प्राचीन भाषाएं आज भी जीवित हैं। उन्होंने सभी को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं दीं। हर साल 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है। इस दिन हिंदी के महत्व और इसके इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को देवनागरी लिपि में संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। इसी निर्णय की याद में हिंदी दिवस मनाया जाता है।

भाकपा ने ब्रिक्स घोषणापत्र का स्वागत किया, वैश्विक व्यवस्था में सुधार की वकालत की

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) ने ब्रिक्स घोषणापत्र का स्वागत कर एक अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण, लोकतांत्रिक और न्यायसंगत अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की दिशा में ब्रिक्स समूह को नेतृत्व करने की वकालत की है। भाकपा महासचिव डी.राजा ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र में ग्लोबल साउथ की अधिक भागीदारी और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) व विश्व बैंक में सुधार का आह्वान महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने निर्णय लेने वाली संस्थाओं में भारत और अन्य विकासशील देशों को शामिल करने के प्रयासों में तेजी लाने पर जोर दिया। भाकपा महासचिव राजा ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के इतर भारत-चीन संबंधों में हुई प्रगति का उल्लेख किया, जो भाकपा के लंबे समय से चले आ रहे रुख को मजबूत करता है कि दोनों पड़ोसी देशों के बीच विवादों का समाधान बातचीत और कूटनीति के जरिए होना चाहिए। इसके अतिरिक्त, पार्टी ने पश्चिम एशिया में जारी हिंसा पर ब्रिक्स देशों द्वारा जाहिर की गई स्पष्ट चिंता और गाजा में तत्काल संघर्षविराम के आह्वान का भी स्वागत किया।

ठाणे में नाबालिग के यौन उत्पीड़न पर मेडिकल प्रतिनिधि गिरफ्तार

ठाणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में नाबालिग छात्रा का एक साल से भी अधिक समय तक कथित तौर पर यौन उत्पीड़न करने के आरोप में 26 वर्षीय मेडिकल प्रतिनिधि अमित प्रजापति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने इस जघन्य अपराध को छुपाने और कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए पीड़िता और उसके परिवार को धमकियां दी थीं। इतना ही नहीं, उसने हाल ही में मामले को रफा-दफा करने के लिए परिवार को छह लाख रुपये की मोटी रकम की पेशकश की थी। एक स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता के हस्तक्षेप और सहयोग के बाद ही पीड़िता के परिवार ने हिम्मत जुटाकर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से संपर्क किया, जिसके बाद यह गिरफ्तारी संभव हुई। पुलिस ने अमित प्रजापति के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने लड़की की उम्र का खुलासा नहीं किया है।

गुवाहाटी महिला हत्याकांड: आरोपी पति की पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश में मौत

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम की राजधानी गुवाहाटी में अपनी पत्नी की हत्या के आरोपी रामानुज गोस्वामी की पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश के दौरान मौत हुई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, रामानुज को मेडिकल जांच के लिए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल ले जाया जा रहा था। तभी आरोपी ने नरकासुर हिल इलाके में चलती पुलिस गाड़ी से कूदकर भागने का प्रयास किया। पुलिस ने आरोपी को रोकने के लिए गोली चलाई, जो रामानुज को लगी। बाद में आरोपी को मृत घोषित किया गया। रामानुज गोस्वामी पर अपनी पत्नी रिया गोस्वामी की निर्मम हत्या का आरोप था। रिया का कटा हुआ सिर गुवाहाटी स्थित उनके घर के रेफ्रिजरेटर से बरामद हुआ था, जिसने पूरे शहर को स्तब्ध किया था। पुलिस के मुताबिक, गोस्वामी ने एक घरेलू झगड़े के बाद रिया की हत्या कर दी थी। रिया की कथित हत्या के दो दिन बाद, रामानुज ने थाने में आत्मसमर्पण कर दिया था और पुलिस ने इस मामले में गिरफ्तार कर लिया था। जानकारी के अनुसार, रिया और रामानुज की शादी करीब छह महीने पहले हुई थी और वे हाटीगांव स्थित अपार्टमेंट में साथ रह रहे थे। मूल रूप से गौरीपुर का रहने वाला रामानुज उबर ड्राइवर का काम करता था, जबकि उसकी पत्नी एक बुटीक में कार्यरत थी।

लोग अब नफरत करते हैं कांग्रेस से : केजरीवाल

- आप संयोजक का दावा- भाजपा का वोटर कांग्रेस को नहीं, आप को वोट देगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब और गोवा में कांग्रेस से अलग चुनाव लड़ने को लेकर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा, कि उनकी पार्टी विपक्ष के वोटों को विभाजित नहीं कर रही है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा से नाराज मतदाताओं का एक वर्ग कांग्रेस को वोट नहीं देता, जबकि आम आदमी पार्टी उसे स्वीकार्य है। गोवा चुनाव के संदर्भ में दिए बयान में केजरीवाल ने कहा कि यह मानना गलत है कि आप के अलग चुनाव लड़ने से केवल गैर-भाजपा वोटों का बंटवारा होगा। उनके मुताबिक, ऐसा मानने का अर्थ यह है कि आप को सिर्फ गैर-भाजपा मतदाता ही वोट देता है और भाजपा का मतदाता कभी आप के पक्ष में नहीं जाता। उन्होंने कहा कि यह धारणा कांग्रेस के लिए सही हो सकती है, लेकिन आम आदमी पार्टी के लिए नहीं। केजरीवाल ने दिल्ली के चुनावी आंकड़ों का उदाहरण देते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव में आप को करीब 52 प्रतिशत वोट मिलते थे, जबकि लोकसभा चुनाव में उसका वोट शेयर करीब 32 प्रतिशत रहा। उनके अनुसार, लोकसभा चुनाव में आप के करीब 20 प्रतिशत कम हुए वोटों का बड़ा हिस्सा भाजपा की ओर गया, जबकि ये मतदाता विधानसभा चुनाव में आप को वोट देते थे। उन्होंने दावा किया कि ये लोग कांग्रेस को वोट नहीं देते। केजरीवाल ने कहा कि भाजपा से नाराज या असंतुष्ट मतदाताओं का वोट भी कांग्रेस के पक्ष में नहीं जाता। उन्होंने गुजरात का उदाहरण देते हुए कहा कि भाजपा के मजबूत गढ़ में भी आप को भाजपा के मतदाताओं का समर्थन मिला है। उनके मुताबिक, भाजपा का मतदाता आप को वोट देने के लिए तैयार हो सकता है, लेकिन कांग्रेस को वोट नहीं देता। इसी आधार पर उन्होंने आप के अलग चुनाव लड़ने को वोट-कटवा राजनीति बताए जाने को गलतफहमी करार दिया।

जितनी भाषाएं सीख सकें, सीखें, लेकिन अपनी भाषा न छोड़ें

-हिंदी दिवस पर अमित शाह ने जेन-जी से की अपील

नई दिल्ली, एजेंसी।
हिंदी दिवस के अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने युवाओं से अधिक से अधिक भाषाएं सीखने के साथ अपनी मातृभाषा से जुड़े रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि भारत की भाषाई विविधता उसकी कमजोरी नहीं, बल्कि सबसे बड़ी ताकत है। हर भाषा अपने साथ इतिहास, लोक परंपराएं और दुनिया को देखने का अलग नजरिया लेकर चलती है और यही विविधता देश में 'विविधता में एकता' की भावना को मजबूत करती है।
अमित शाह ने युवाओं से कहा कि वे दुनिया की जितनी भाषाएं सीख सकते हैं, सीखें, लेकिन अपनी भाषा को न छोड़ें। उन्होंने माता-पिता से भी बच्चों के साथ उनकी मातृभाषा में बातचीत करने की अपील की। शाह ने कहा कि अपनी भाषा बोलने में हीन भावना महसूस करना गलत है। भाषा व्यक्ति को उसकी मां, मिट्टी, इतिहास और संस्कृति से जोड़ती है। उन्होंने कहा कि हिंदी संवाद, संपर्क और समन्वय की भाषा के तौर पर देश के अलग-अलग समुदायों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही है। हालांकि, हिंदी का विकास तभी सार्थक है जब वह दूसरी भारतीय भाषाओं के साथ आगे बढ़े। हिंदी किसी अन्य भाषा की प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकात्मता की महत्वपूर्ण कड़ी है।

फडणवीस सरकार के खिलाफ दीपके ने किया आंदोलन का ऐलान

– एमपीएससी पेपर लीक और छात्र आत्महत्या बना मुद्दा

नई दिल्ली, एजेंसी।
कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के चीफ अभिजीत दीपके ने महाराष्ट्र में भाजपा नीत फडणवीस सरकार के खिलाफ एक बार फिर आंदोलन छेड़ने का बड़ा ऐलान किया है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक के खिलाफ छात्रों के साथ सफल आंदोलन के बाद, दीपके अब महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग (एमपीएससी) द्वारा आयोजित विभिन्न ऑनलाइन परीक्षाओं में पेपर लीक के खिलाफ अपनी पार्टी और छात्रों के साथ मैदान में उतरेंगे। सीजेपी बीते कुछ दिनों से लगातार फडणवीस सरकार को घेरने की कोशिश कर रही है, और अब पार्टी ने आंदोलन की घोषणा कर दी है।
सीजेपी ने विज्ञप्ति में कहा कि एमपीएससी के अध्यक्ष और सचिव के इस्तीफे की मांग को लेकर आंदोलन आगे भी जारी रखा जाएगा। पार्टी ने सरकार को अल्टीमेटम देते हुए कहा है कि अगर 24 सितंबर तक उनकी मांग पूरी नहीं हुई, तो वे एमपीएससी अभ्यर्थियों से बातचीत करने के लिए राज्यव्यापी दौरा भी करेंगे। एमपीएससी अभ्यर्थियों से मुलाकात के बाद दीपके ने एक वीडियो संदेश में कहा, मैं और सीजेपी एमपीएससी अभ्यर्थियों की इस लड़ाई में उनके साथ हैं। हम अभ्यर्थियों के साथ तब तक खड़े रहेंगे, जब तक इस्तीफा नहीं हो जाता। दीपके और अन्य नेता महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित अलग-अलग ऑनलाइन परीक्षाओं में पेपर लीक के खिलाफ चल रहे प्रदर्शन में शामिल होंगे। इससे पहले के कुछ अभ्यर्थियों ने छत्रपति संभाजीनगर के वालुज इलाके स्थित दीपके के घर पर उनसे मुलाकात भी की थी, जिसके बाद यह निर्णय लिया गया। इससे पहले अभिजीत दीपके ने करीब एक महीने पहले जंतर-मंतर आंदोलन का सीजन 2 जल्द आने की बात कही थी, जिसमें उन्होंने भाजपा पर युवाओं से डराने का आरोप लगाया था। इस बीच अभिजीत दीपके ने फडणवीस सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे मनोज जरांगे को भी समर्थन दिया। दीपके बीते शुक्रवार को जरांगे से मिलने पहुंचे थे। मुलाकात के बाद उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार को उनकी मांगों को समझने के लिए उनसे बातचीत करनी चाहिए। दीपके ने सवाल उठाया, मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री क्या कर रहे हैं? वे अपने बच्चों को पढ़ने के लिए विदेश भेजते हैं, वहीं यहां के स्कूलों का स्तर ठीक नहीं है। उन्होंने सरकार को चेतावनी भी दी कि जरांगे के साथ सोनम वांगचुक जैसा व्यवहार करने की कोशिश न करें, वरना पूरा महाराष्ट्र आंदोलन में शामिल हो जाएगा।

राज्यसभा सांसदों के दल-बदल से आप को सबक, बनाए कड़े नियम

-राघव चड्ढा के जाने के बाद सजग हुई आम आदमी पार्टी

गोवा, एजेंसी।
आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने नेताओं के दल-बदल को लेकर सख्ती बरतने का फैसला किया है। उन्होंने घोषणा की है कि भविष्य में किसी भी नेता को राज्यसभा भेजने से पहले उसकी पूरी तरह से जांच की जाएगी। यह बड़ा बदलाव ऐसे समय में आया है जब आप के सात राज्यसभा सांसदों ने पार्टी बदलकर भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया है, जिनमें राघव चड्ढा, हरभजन सिंह और स्वाति मालीवाल जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। गोवा में एक कार्यक्रम के दौरान केजरीवाल ने कहा, अब तक हमारे चुने हुए नेताओं ने कभी किसी को भी धोखा नहीं दिया है। उन्होंने गोवा का उदाहरण देते हुए कहा, गोवा में हमारे पास 2022 में दो विधायक थे। भाजपा को सिर्फ एक विधायक की जरूरत थी, लेकिन वे हमारे विधायकों को नहीं तोड़ पाए।
हालांकि, राज्यसभा सांसदों के पार्टी छोड़ने को केजरीवाल ने एक बड़ा सबक बताया है। उन्होंने कहा, राज्यसभा के मामले में यह हमारे लिए सबक है। अब किसी को भी राज्यसभा भेजने से पहले हम उनकी कड़ी जांच पड़ताल करेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि वे सही हैं या नहीं। हालांकि, इस दौरान उन्होंने किसी भी नेता का नाम नहीं लिया। अप्रैल में आप के सात सांसदों ने पार्टी से अलग होकर भाजपा में विलय कर लिया था। राघव चड्ढा के अलावा, संदीप पाठक, अशोक मित्तल, विक्रम साहनी, स्वाती मालीवाल, हरभजन सिंह और राजेंद्र गुप्ता का नाम इसमें शामिल था। इस टूट से पहले भारत के उच्च सदन में आप के सांसदों की संख्या 10 थी, लेकिन दो तिहाई से ज्यादा सदस्यों के अलग होने के बाद महज 3 बचे हैं, जिससे पार्टी को बड़ा झटका लगा है।
हाल ही में आप और राघव चड्ढा के बीच उनके मतदाता सूची में नाम कटने को लेकर जमकर विवाद भी देखने को मिला था। दरअसल, पंजाब में एसआईआर (समरी रिवीजन ऑफ इलेक्टोरल रोल्स) प्रक्रिया के दौरान मसौदा मतदाता सूची से चड्ढा का नाम कट गया था, जिसके आरोप उन्होंने आप सरकार पर लगाए थे। चड्ढा ने कहा था, पंजाब की आप सरकार अब बदले की राजनीति को मसौदा मतदाता सूची तक ले आई है। मैं पंजाब से मौजूदा राज्यसभा सदस्य हूं और मेरा मतदाता पहचान पत्र पंजाब के मोहाली में पंजीकृत है। इसके बावजूद मसौदा मतदाता सूची में मेरे नाम के आगे स्थानांतरित लिखा गया है। उन्होंने आरोप लगाया था कि आप सरकार के अधिकारियों ने ही उनके नाम को स्थानांतरित के तौर पर चिह्नित और सत्यापित किया।इस पर आप ने जवाब देते हुए कहा था, यह सार्वजनिक जानकारी है कि राघव चड्ढा दिल्ली में रह रहे हैं, पंजाब में नहीं। अगर वह अब पंजाब में नहीं रहते हैं तो अपने मतदाता पंजीकरण को बनाए रखना या उसे दूसरी जगह स्थानांतरित करवाना उनकी अपनी जिम्मेदारी थी।

पीके की मुसलमानों को सलाह– किसी पार्टी का पिछलग्गू बनने की जरूरत नहीं

-बांकीपुर में अल्पसंख्यक सम्मेलन में बोले प्रशांत किशोर- राजनीति में उचित हिस्सेदारी के लिए समुदाय को खुद संघर्ष करना चाहिए

पटना, एजेंसी।
जन सुराज पार्टी के प्रमुख और बांकीपुर विधायक प्रशांत किशोर ने बिहार के मुसलमानों से राजनीतिक प्रतिनिधित्व के लिए खुद पहल करने की अपील की है। रविवार को पटना के मुस्लिम बहुल सब्जीबाग इलाके में आयोजित अल्पसंख्यक सम्मेलन में उन्होंने कहा कि मुस्लिम समुदाय को किसी भी राजनीतिक दल का पिछलग्गू बनने के बजाय राजनीति में अपनी उचित हिस्सेदारी के लिए स्वयं संघर्ष करना चाहिए।
प्रशांत किशोर ने हाल के बांकीपुर उपचुनाव में मुस्लिम समुदाय के समर्थन के लिए आभार जताते हुए कहा कि अब अल्पसंख्यकों के लिए ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करने की कोशिश होनी चाहिए, जिसमें उन्हें लोकतांत्रिक राजनीति में उचित प्रतिनिधित्व मिल सके। उन्होंने कहा कि सभी सामाजिक वर्गों के लोगों को अपने बच्चों के भविष्य की चिंता करनी चाहिए और खुद को हितैषी बताने वाले नेताओं के बहकावे में नहीं आना चाहिए।
बिहार की राजनीति में मुस्लिम मतदाताओं का झुकाव लंबे समय से राष्ट्रीय जनता दल की ओर माना जाता रहा है। हालांकि, बांकीपुर उपचुनाव में मुस्लिम बहुल इलाकों से जन सुराज के पक्ष में बड़ी संख्या में मतदान होने की चर्चा रही है।

बांकीपुर में पहली बार जीती जन सुराज
बांकीपुर विधानसभा सीट पर जन सुराज की जीत को पार्टी के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यह चुनाव प्रशांत किशोर की पार्टी द्वारा लड़ा गया पहला चुनाव था, जिसमें उसे जीत मिली। बांकीपुर को लंबे समय से भाजपा का मजबूत गढ़ माना जाता रहा है। इससे पहले भाजपा के नितिन नवीन इस सीट से विधायक थे। उनके राज्यसभा सदस्य चुने जाने के बाद सीट पर उपचुनाव हुआ, जिसमें प्रशांत किशोर विजयी रहे।

सहारा रिफंड पोर्टल फिर सक्रिय-फंसे पैसे के लिए इस तरह से करे ऑनलाइन आवेदन

–जान लें क्या हैं जरूरी दस्तावेज

नई दिल्ली,, एजेंसी।
उन लाखों निवेशकों के लिए बड़ी राहत की खबर है, जिनका पैसा सहारा समूह की विभिन्न योजनाओं में फंसा हुआ है। केंद्र ने सहारा रिफंड पोर्टल को फिर सक्रिय कर दिया है, जिससे करीब 20 लाख लंबित दावों की जांच प्रक्रिया फिर से शुरू हुई है। इसके साथ ही, अब अन्य पात्र जमाकर्ता भी अपना पैसा वापस पाने के लिए ऑनलाइन क्लेम कर सकते हैं। यदि आपका भी पैसा सहारा में अटका हुआ है, तब ये खबर आपको घर बैठे क्लेम करने की पूरी प्रक्रिया और आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी देगा।
केंद्र सरकार के सहकारिता मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर इस पोर्टल के माध्यम से अब तक करीब 42 लाख जमाकर्ताओं को 9,267 करोड़ रुपये की राशि सफलतापूर्वक लौटाई गई। यह पोर्टल मुख्य रूप से सहारा समूह की चार प्रमुख सहकारी समितियों सहारा क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी, सहारायन यूनिवर्सल मल्टीपर्पज सोसाइटी, हमारा इंडिया क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी और स्टार्स मल्टीपर्पज कोऑपरेटिव सोसाइटी के पात्र निवेशकों को ही रिफंड दिलाने के लिए बनाया गया है।
ऑनलाइन क्लेम दर्ज होने के बाद, सत्यापन की व्यवस्थित प्रक्रिया शुरू होगी। सहारा ग्रुप ऑफ कोऑपरेटिव सोसाइटीज निवेशकों के दावों और संलग्न दस्तावेजों की 30 दिनों के भीतर गहन स्क्रूटनी करेगी। इस प्रारंभिक जांच के बाद, अगले 15 दिनों में सरकारी तंत्र द्वारा अंतिम मंजूरी मिलेगी। इस तरह, आपके आवेदन की तारीख से कुल 45 दिनों के अंदर आपके दावे की स्थिति के बारे में आपको सूचित किया जाएगा। यदि दावा सही साबित और स्वीकृत होता है, तब धनराशि सीधे निवेशक के आधार से जुड़े बैंक खाते में इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से ट्रांसफर की जाएगी। यह सुनिश्चित करता है कि पैसा सीधे सही लाभार्थी तक पहुंचे।
रिफंड फॉर्म भरते समय किसी भी प्रकार की त्रुटि या विलंब से बचने के लिए, सभी आवश्यक दस्तावेजों को पहले से स्कैन करके तैयार रखना जरुरी है। क्लेम के लिए निवेशक का आधार कार्ड, आधार से लिंक एक सक्रिय मोबाइल नंबर और आधार से जुड़ा बैंक खाता नंबर अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त, सहारा सोसाइटी में पैसा जमा करते समय प्राप्त हुई मूल रसीद, पासबुक की प्रति या निवेश प्रमाण पत्र (जैसे बॉन्ड) आदि भी अपलोड करने पड़ सकते हैं। दस्तावेजों में दर्ज सदस्यता संख्या, अकाउंट नंबर और जमाकर्ता का नाम, उसके आधार कार्ड

से पूरी तरह मेल खाना चाहिए। यदि मूल जमाकर्ता का निधन हो चुका है, तब कानूनी उत्तराधिकारी या नॉमिनी को अपने संबंधित कानूनी दस्तावेज और मृत्यु प्रमाण पत्र पोर्टल पर अपलोड करना होगा। नाम या बैंक विवरण में किसी भी प्रकार की गलती या विसंगति आपके रिफंड को रोक सकती है, इसलिए पोर्टल पर जानकारी अपलोड करने से पहले अपने सभी कागजात और विवरणों की अच्छी तरह जांच कर लें।

गढ़वा की बेटियां बनीं चैंपियन, बोकारो ने बालक वर्ग में मारी बाजी

एक अंक से फिसला साहेबगंज का खिताब, बोकारो ने कोडरमा को 47-33 से दी मात

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। सकरीगली रेलवे ग्राउंड में तीन दिनों से चल रही 20वीं झारखंड राज्य जूनियर बालक-बालिका कबड्डी प्रतियोगिता-2026 का सोमवार को रोमांचक फाइनल मुकाबलों और पुरस्कार वितरण के साथ समापन हो गया। प्रतियोगिता के बालिका वर्ग में गढ़वा ने साहिबगंज को महज एक अंक से हराकर खिताब अपने नाम किया, जबकि बालक वर्ग में बोकारो ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कोडरमा को पराजित कर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। बालिका वर्ग के फाइनल में गढ़वा और साहेबगंज के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। अंतिम स्कोर में गढ़वा ने 40 अंक हासिल किए, जबकि साहिबगंज की टीम 39 अंक ही जुटा सकी। इस तरह गढ़वा ने एक अंक के अंतर से मुकाबला जीतकर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। वहीं बालक वर्ग के फाइनल में बोकारो ने कोडरमा को 47-33 के अंतर से हराकर विजेता का खिताब हासिल किया। प्रतियोगिता के अंतिम दिन बालक और बालिका वर्ग के क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले खेले गए। मुकाबलों को देखने के लिए खेलप्रेमियों की भीड़ जुटी रही। प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन अक्टूबर में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए किया जाएगा। समापन समारोह में मुख्य अतिथि सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान, जेएससीए सदस्य चंदेश्वर प्रसाद सिन्हा, फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के संथाल परगना क्षेत्रीय उपाध्यक्ष आकाश पांडेय, कुश्ती संघ अध्यक्ष नमिता शर्मा समेत अन्य अतिथि मौजूद रहे। अतिथियों का अंगवस्त्र और मोमेंटो देकर स्वागत किया गया। इसके बाद विजेता और उपविजेता टीमों को पुरस्कार एवं ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन कबड्डी एसोसिएशन ऑफ झारखंड की स्वीकृति एवं मार्गदर्शन में जिला कबड्डी एसोसिएशन सह आयोजन समिति की ओर से 12 से 14 सितंबर तक किया गया। इसमें राज्य के 22 जिलों की बालक और 18 जिलों की बालिका टीमों ने हिस्सा लिया। मौके पर आयोजन समिति के कार्यकारी अध्यक्ष नवनीत कुमार सोनू, सचिव लालू यादव, संरक्षक गोपाल यादव, उपसचिव उत्तम कुमार, अनुराग, जिला ओलंपिक संघ के सचिव माधव चंद्र घोष, रमाकांत मिश्र, कबड्डी संघ के संरक्षक बच्चू यादव, राज्य कबड्डी संघ के अध्यक्ष गोपाल ठाकुर, राज्य ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष विपिन कुमार, संतोष यादव, हीरा यादव समेत अन्य मौजूद थे। मंच संचालन भगवती रंजन पांडेय ने किया।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राशनकार्डधारियों के बीच सितंबर माह का खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । जिले के सदर, बड़हरवा, तालझारी, उधवा एवं अन्य प्रखंड के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राशनकार्डधारी लाभुकों के बीच सितंबर माह के खाद्यान्न का वितरण कराया गया। जिला प्रशासन द्वारा बाढ़ की स्थिति को देखते हुए प्रभावित परिवारों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के तहत निर्धारित खाद्यान्न समय पर उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। संबंधित जन वितरण प्रणाली विक्रेताओं को निर्देशित किया गया है कि शेष सभी पात्र लाभुकों के बीच अविलंब एवं अधिकतम दो दिनों के अंदर खाद्यान्न का वितरण सुनिश्चित करें, ताकि कोई भी पात्र लाभुक खाद्यान्न से वंचित न रहे। साथ ही, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में ऐसे परिवार अथवा व्यक्ति, जो पात्र होने के बावजूद किसी कारणवश अब तक राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ प्राप्त नहीं कर सके हैं अथवा जिनके पास राशन कार्ड उपलब्ध नहीं है, उनकी पहचान कर सूची तैयार करने का निर्देश दिया गया है। वहीं संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देशित किया गया है कि पात्र परिवारों/व्यक्तियों की सूची अविलंब प्रखंड कार्यालय को उपलब्ध कराएं, ताकि नियमानुसार उन्हें राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना से जोड़ा जा सके और आवश्यक खाद्य सुरक्षा लाभ प्रदान किया जा सके। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बाढ़ प्रभावित एवं पात्र परिवारों तक खाद्यान्न की उपलब्धता सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है।

संक्षिप्त खबरें

अंचल निरीक्षक ने बाढ़ पीड़ितों के बीच बांटे राहत सामग्री

उधवा(बिभा) । उधवा प्रखंड क्षेत्र के पश्चिमी प्राणपुर पंचायत के गोलढाव चुआर सहित बाढ़ प्रभावित इलाकों में सोमवार को अंचल निरीक्षक हैदर अली ने पीड़ित परिवारों के बीच राहत सामग्री का वितरण किया। जानकारी के अनुसार अंचल निरीक्षक हैदर अली ने प्राणपुर गंगा नदी घाट से नाव पर सवार होकर पश्चिमी प्राणपुर पंचायत के गोलढाव चुआर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने बाढ़ प्रभावित इलाकों में पीड़ित परिवारों के बीच राहत सामग्री का वितरण किया। राहत सामग्री में चूड़ा, गुड़, तिरपाल मोमबत्ती,सलाई आदि सामान का वितरण किया। अंचल निरीक्षक ने बताया कि बाढ़ प्रभावित इलाकों में करीब चार सौ पीड़ित परिवारों के बीच राहत सामग्री का वितरण किया गया है। उन्होंने कहा कि आगे भी हरसंभव मदद किया जाएगा। मौके पर मुखिया प्रतिनिधि मेहबूब आलम, पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि अब्दुल हन्नान, अब्दुल रज्जाक अली, वार्ड सदस्य प्रतिनिधि गुलाब हुसैन, मोहम्मद समायून शेख, मोहम्मद एजाजुल हक, रबीउल शेख सहित अन्य मौजूद थे।

राजमहल उपकारा में मिर्गी के दौरे से बंदी की मौत, हत्या के मामले में था विचाराधीन

राजमहल(बिभा) । राजमहल उपकारा में सोमवार को एक विचाराधीन बंदी की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। मृतक की पहचान सुनील बासकी (35 वर्ष), पिता स्व. नटवा बासकी, निवासी शाल्टीपोखर, मोहनपुर पंचायत, थाना राधानगर के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, सुनील बासकी राधानगर थाना कांड संख्या 265/25 के तहत हत्या के मामले में राजमहल उपकारा में बंद था। उस पर अपने चाचा सुलेमान बासकी (60 वर्ष) की पीट-पीटकर हत्या करने का आरोप था। वह 14 जुलाई 2025 से उपकारा में निरुद्ध था। वही बताया जाता है कि सुनील को पहले से मिर्गी की बीमारी थी। सोमवार को खाना खाने के बाद वह उपकारा में सो रहा था। इसी दौरान अचानक उसे मिर्गी का दौरा पड़ा और वह बेहोश हो गया। हालत बिगड़ती देख जेल कर्मियों ने तत्काल उसे राजमहल अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सक डॉ. सादिक अंसारी ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।साथ ही घटना की सूचना मिलते ही संबंधित पुलिस पदाधिकारी अस्पताल पहुंचे और मामले की जानकारी ली। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। बंदी की मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। वही उपकाराधीक्षक विमल सोरेन ने बताया कि सुनील बासकी पहले से मिर्गी रोग से ग्रसित था और उसका इलाज किया जा रहा था। वह खाना खाने के बाद सोने गया था। काफी देर तक नहीं उठने पर उसे राजमहल अनुमंडल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत व बचाव कार्यों का अपर समाहर्ता ने लिया जायजा, बांटी राहत सामग्री

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। गंगा के बढ़ते जलस्तर एवं बाढ़ की स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों को पूरी तत्परता, संवेदनशीलता एवं मानवीय दृष्टिकोण के साथ लगातार संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में अपर समाहर्ता विजय कुमार ने अंचलाधिकारी, साहेबगंज बासुकीनाथ टुडू एवं एनडीआरएफ दल के साथ विभिन्न बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान घीशु टोला, मकई टोला सहित अन्य प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर बाढ़ की स्थिति, प्रभावित परिवारों की आवश्यकताओं तथा राहत एवं बचाव कार्यों की जमीनी स्थिति का जायजा लिया गया। वहीं निरीक्षण के क्रम में बाढ़ प्रभावित एवं जरूरतमंद परिवारों के बीच खाद्य सामग्री का वितरण कर उन्हें तत्काल राहत उपलब्ध कराई गई। प्रशासनिक टीम द्वारा प्रभावित लोगों से संवाद कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी भी ली गई। वहीं अपर समाहर्ता विजय कुमार ने मौके पर उपस्थित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देशित किया कि बाढ़ प्रभावित परिवारों तक राहत सामग्री एवं आवश्यक सेवाओं की उपलब्धता हर हाल में सुनिश्चित की जाए। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी बनाए रखने, जरूरतमंद लोगों की त्वरित सहायता करने तथा राहत एवं बचाव कार्यों में किसी भी प्रकार की शिथिलता नहीं बरतने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन बाढ़ प्रभावित परिवारों की सुरक्षा, सहायता एवं सम्मान के साथ उनके साथ खड़ा है। प्रशासन की प्राथमिकता प्रत्येक प्रभावित परिवार तक समय पर राहत पहुंचाना तथा विषम परिस्थितियों में आमजनों को हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराना है। जिला प्रशासन द्वारा बाढ़ की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है तथा राहत एवं बचाव कार्य पूरी तत्परता के साथ जारी है।

बाढ़ पीड़ितों के बीच मुखिया ने बांटी राहत सामग्री

बिभा संवाददाता

उधवा। उधवा प्रखंड के उत्तर पियारपुर पंचायत में रविवार को बाढ़ पीड़ितों के बीच राहत सामग्री का वितरण किया गया। इस दौरान पंचायत के मुखिया आजाद शेख ने प्रभावित इलाकों का दौरा कर बाढ़ पीड़ित परिवारों को राहत सामग्री उपलब्ध कराई। उन्होंने घर-घर जाकर लोगों का हाल-चाल जाना और उनकी समस्याओं की जानकारी ली। मुखिया आजाद शेख ने कहा कि बाढ़ और आपदा की इस घड़ी में पंचायत के प्रभावित लोगों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि बाढ़ के कारण कई परिवारों को कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे समय में जरूरतमंद परिवारों तक राहत पहुंचाना पंचायत की प्राथमिकता है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि प्रभावित लोगों की हरसंभव मदद की जाएगी और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए लगातार प्रयास किया जाएगा। राहत सामग्री मिलने पर स्थानीय लोगों ने मुखिया आजाद शेख के प्रति आभार व्यक्त किया। लोगों ने कहा कि आपदा के समय घर-घर पहुंचकर राहत सामग्री उपलब्ध कराने से प्रभावित परिवारों को काफी मदद मिली है। मौके पर टिपू सुल्तान,रफीकुल आलम उर्फ साहेब,रबेल शेख सहित अन्य मौजूद थे।

कालाजार की जांच में नहीं छूटेगा कोई केस, आईसीएमआर टीम ने साहेबगंज लैब को बताया उत्कृष्ट

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। कालाजार उन्मूलन अभियान को अंतिम मुकाम तक पहुंचाने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने जांच व्यवस्था को और मजबूत करने पर जोर दिया है। इसी कड़ी में सोमवार को आईसीएमआर की टीम ने साहिबगंज सदर अस्पताल की पैथोलॉजी लैब का निरीक्षण कर जांच प्रक्रिया की समीक्षा की और कर्मियों को विशेष प्रशिक्षण दिया। आईसीएमआर की टीम में केंद्रीय, राज्य और डब्ल्यूएचओ के सदस्य शामिल रहे। टीम का नेतृत्व डॉ. मिताली चटर्जी ने किया। उनके साथ डॉ. सूर्या ज्योति चौधरी, सुतापा राय और शिशिर कुंडू मौजूद थे। टीम ने सदर अस्पताल पहुंचकर पैथो लैब की व्यवस्था, कालाजार जांच की प्रक्रिया और तकनीकी पहलुओं का जायजा लिया। इस दौरान सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान भी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के बाद लैब कर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया। सिविल सर्जन ने बताया कि कालाजार की डायग्नोसिस में कभी-कभी विरोधाभास की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। ऐसे में कर्मियों की तकनीकी दक्षता बढ़ाना जरूरी है, ताकि कोई भी संभावित केस जांच से छूट न जाए। प्रशिक्षण के बाद लेप्रोसी और केपीडीएल के मामलों को भी अलग-अलग पहचानने में सुविधा होगी। वहीं आईसीएमआर टीम लीड डॉ. मिताली चटर्जी ने कहा कि ह्यकालाजार मुक्त भारतह्न अभियान के तहत वर्कशॉप आयोजित की गई है। उन्होंने कहा कि तीन वर्षों के प्रयास के बाद वर्ष 2026 में भारत को कालाजार मुक्त करने का लक्ष्य है। उन्होंने साहेबगंज की पैथोलॉजी लैब की व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि यहां जांच की अच्छी सुविधा उपलब्ध है। बड़े शहरों को छोड़कर साहिबगंज की लैब को उन्होंने बेहतर लैब में शामिल बताया। उन्होंने कहा कि कालाजार प्रभावित क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर जांच सुविधा होना बेहद जरूरी है और साहेबगंज की लैब इस दिशा में एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

स्मार्ट मीटर को लेकर अफवाहों पर ध्यान न दें : चंदन कुमार

कनीय विद्युत अभियंता ने कहा 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली की सुविधा रहेगी जारी

राजेश कुमार/बिभा

उधवा। विद्युत स्मार्ट मीटर को लेकर सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों पर फैल रही अफवाहों एवं भ्रम की स्थिति को देखते हुए बिजली विभाग ने उपभोक्ताओं से बिना सत्यापन किसी भी जानकारी पर भरोसा नहीं करने की अपील की है। विभाग ने कहा है कि स्मार्ट मीटर से संबंधित सही एवं प्रमाणिक जानकारी के लिए उपभोक्ता विभाग के अधिकृत माध्यमों पर ही भरोसा करें और बिजली व्यवस्था को बेहतर बनाने में सहयोग करें। झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड के अनुसार स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया के तहत उपभोक्ताओं को प्रीपेड अथवा पोस्टपेड मोड में से विकल्प चुनने का अधिकार है। विभाग के मुताबिक स्मार्ट मीटर वैज्ञानिक एवं पारदर्शी उपकरण है। जिसके माध्यम से बिजली की वास्तविक खपत का सटीक हिसाब रखा जाता है। स्मार्ट मीटर का प्रमुख लाभ सटीक एवं पारदर्शी बिलिंग है। मीटर की रीडिंग स्वचालित रूप से दर्ज होने के कारण मैनुअल रीडिंग और डाटा एंट्री में होने वाली मानवीय त्रुटियों की संभावना कम हो जाती है। विभाग ने बताया कि स्मार्ट मीटर के माध्यम से उपभोक्ता अपनी बिजली खपत पर भी नजर रख सकेंगे। भविष्य में इसके जरिए समय आधारित बिजली दर यानी टाइम ऑफ डे टैरिफ का लाभ भी मिल सकेगा। इसके तहत अधिक दर वाले समय में बिजली की खपत कम तथा कम दर वाले समय में अधिक बिजली का उपयोग कर उपभोक्ता अपने बिजली बिल को नियंत्रित कर सकेंगे। जेबीवीएनएल के अनुसार पुराने डिजिटल या एनालॉग मीटरों की रीडिंग कई मामलों में मैनुअल तरीके से ली और दर्ज की जाती है। इससे रीडिंग लिखने अथवा डाटा दर्ज करने में मानवीय त्रुटि की संभावना बनी रहती है। वहीं स्मार्ट मीटर में रीडिंग स्वतः दर्ज होती है। विभाग का दावा है कि जांच के दौरान स्मार्ट मीटर की कार्यप्रणाली में किसी प्रकार की विसंगति नहीं पाई गई है।

कनीय विद्युत अभियंता राजमहल चंदन कुमार ने बताया कि स्मार्ट मीटर लगाए जाने से घरेलू उपभोक्ताओं को मिलने वाली बिजली सब्सिडी पर कोई असर नहीं पड़ेगा। 200 यूनिट तक मिलने वाली मुफ्त बिजली की सुविधा पहले की तरह जारी रहेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल स्मार्ट मीटर लगने से बिजली बिल में बढ़ोतरी नहीं होगी।

कनीय विद्युत अभियंता चंदन कुमार ने कहा कि स्मार्ट मीटर केवल बिजली की खपत मापने का उपकरण है। इसका बिजली की दर (टैरिफ) अथवा बिलिंग नीति निर्धारित करने से सीधा संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर स्मार्ट मीटर को लेकर फैलाया जा रहा भ्रम सही जानकारी के अभाव में तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश किए जाने का परिणाम है। उन्होंने बताया कि पुराने मीटरों में कभी-कभी मासिक आधार पर औसत रीडिंग के आधार पर बिल जारी हो जाते थे? जबकि स्मार्ट मीटर में वास्तविक खपत के आधार पर बिलिंग की व्यवस्था होगी। विभाग ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अफवाहों से बचें और स्मार्ट मीटर से संबंधित जानकारी के लिए विभाग के अधिकृत माध्यमों का ही इस्तेमाल करें।

गणेश पूजा को लेकर शहर में बढ़ी चहल-पहल, पंडालों में दिखेगी झारखंड की संस्कृति

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। गणेश पूजा को लेकर साहेबगंज शहर का माहौल भक्तिमय होने लगा है। पूजा पंडालों की सजावट से लेकर बाजारों की रौनक तक, हर तरफ उत्सव का रंग दिखाई दे रहा है। इस बार कई पूजा समितियों ने अपने पंडालों के जरिए झारखंड की आस्था, संस्कृति और विरासत को प्रदर्शित करने की तैयारी की है। रामपुर दहला गणेश पूजा समिति की ओर से चैती दुर्गा मंदिर परिसर में गणेश प्रतिमा स्थापित कर सोमवार को वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना की गई। वहीं, तिथि के अनुसार शहर के अधिकांश गणेश पूजा पंडालों में मंगलवार से विधिवत पूजा शुरू होगी। सकरूगढ़ बड़ी गणेश पूजा समिति, पोखरिया, केलाबाड़ी धनगड़सी, गुल्ली भट्टा पांच मोड़, जड्डू मोड़, सब्जी मंडी, शहीद चौक-बघवा कुआं, कॉलेज रोड स्थित एन क्लब सहित अन्य स्थानों पर गणेश प्रतिमा स्थापित की जा रही है। पूजा समितियों की ओर से आकर्षक पंडाल, भव्य प्रतिमा, विद्युत सज्जा और मेले की तैयारियां पूरी की जा रही हैं। गणेश पूजा के साथ हरियालिका तीज और चकचंदा पर्व को लेकर भी बाजारों में काफी चहल-पहल रही। सुहागिन महिलाओं ने पति की लंबी आयु और सुख-समृद्धि की कामना को लेकर तीज व्रत रखकर पूजा-अर्चना की। मिथिलांचल की महिलाओं ने भी पुत्र और पति की दीघार्यु की कामना को लेकर चकचंदा पूजन किया।

गणेश और विश्वकर्मा पूजा का एक साथ मिलेगा उत्सवी माहौल

इस बार गणेश पूजा का उत्सव श्रद्धालुओं के लिए और खास रहने वाला है। शहर की कई पूजा समितियों द्वारा 18 सितंबर को गणेश प्रतिमा का विसर्जन किया जाएगा। ऐसे में श्रद्धालुओं को गणेश पूजा मेले के साथ विश्वकर्मा पूजा का भी आनंद लेने का अवसर मिलेगा। इससे शहर के बाजारों और पूजा स्थलों पर भीड़ बढ़ने की संभावना है।

सुरक्षा को लेकर प्रशासन अलर्ट

पर्व-त्योहार को देखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। भीड़भाड़ वाले बाजारों, मेला क्षेत्रों और पूजा पंडालों में सीसीटीवी के माध्यम से निगरानी की जा रही है। टाइगर मोबाइल की टीम लगातार गश्त कर रही है। प्रमुख चौक-चौराहों और पूजा पंडालों के आसपास मजिस्ट्रेट के साथ पुलिस बल की तैनाती की गई है।

राष्ट्रीय ताइक्वांडो रेफरी सेमिनार में 98 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

रांची(बिभा)। झारखंड ताइक्वांडो संघ की ओर से ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में 12 से 14 सितंबर तक साउथ प्वाइंट पब्लिक स्कूल, पटमदा, जमशेदपुर में राष्ट्रीय रेफरी सेमिनार और रिफ्रेशर कोर्स आयोजित किया गया। इसमें विभिन्न राज्यों के 98 ताइक्वांडो प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। रांची जिला ताइक्वांडो संघ के 22 प्रतिभागियों ने सचिव एवं झारखंड ताइक्वांडो संघ के कार्यकारी अध्यक्ष मिथलेश कुमार सिंह के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण लिया। संघ की ओर से सोमवार को जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि सेमिनार में प्रतिभागियों को वर्ल्ड ताइक्वांडो के नवीनतम प्रतियोगिता नियमों, रेफरिंग तकनीक, स्कोरिंग सिस्टम और प्रतियोगिताओं के संचालन की आधुनिक प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण अंतरराष्ट्रीय रेफरी क्लास-2 संतोष श्रीरंगम ने दिया। उन्होंने प्रतिभागियों को ताइक्वांडो के बदलते नियमों और अंतरराष्ट्रीय स्तर की रेफरिंग प्रणाली से अवगत कराया। रिफ्रेशर कोर्स में एमडी मोदस्सर, ताराकांत पटेल, करमचंद भगत, अनंत नाग चंदन, चंदन कुमार, इम्तियाज जमाल, अंकिता कुमारी और मिलेनियम स्नेहल सहित अन्य प्रतिभागी मौजूद रहे।

डिस्टलरी पार्क के तालाब में डूबने से व्यक्ति की मौत

रांची। सदर थाना क्षेत्र स्थित कोकर डिस्टलरी पार्क के तालाब में सोमवार सुबह नहाने के दौरान गहरे पानी में चले जाने से 55 वर्षीय धनेश्वर उरांव (निवासी हैदर अली रोड) की डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद शव की बरामदगी और एनडीआरएफ की मांग को लेकर स्थानीय लोगों ने डिस्टलरी पुल के पास सड़क जाम कर दी।

पूर्व रेलवे

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, मालदा, कार्यालय भवन, डाकघर-झलझलिया, जिला-मालदा, पिन-732102 (प. बं.) (नीलामी संचालन अधिकारी) ने मालदा मंडल के तहत विभिन्न ट्रेनों में ट्रेन साइड वेंडिंग संविदा हेतु संविदाएं प्रदान करने के लिए **www.ireps.gov.in** पर ई-नीलामी सूचीपत्र प्रकाशित किया है। **नीलामी सूचीपत्र सं.: एमओबी-टीवीएस-एमएलडीटी। नीलामी शुरू: दिनांक 25.09.2026 को 10.00 बजे। सिक्वेंस सं., लॉट नं./श्रेणी, ट्रेन सं.** निम्नलिखित हैं: एए/1; एमएमएस-मोबजीईएन-98456-1-26-1, 13401 एवं 13402। एए/2; एमएमएस-मोबजीईएन-98464-1-26-1, 13419 एवं 13420। एए/3; एमएमएस-मोबजीईएन-284860-1-26-1, 13404 एवं 13403। प्रत्याशित बोलीदाताओं से आगे के विवरण के लिए आईआरईपीएस ई-नीलामी प्रारूप देखने का अनुरोध किया जाता है। (MLD-192/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

बिहार में 1.30 लाख करोड़ के निवेश की तैयारी, इन 6 कंपनियों के नाम आए सामने, मिलेगा बंपर रोजगार

पटना (एजेंसी) बिहार विकास के नए पायदान छूने के लिए पूरी तरह तैयार है। राज्य के ऊर्जा क्षेत्र में एक बहुत बड़ा और सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने, औद्योगिक विकास को गति देने और राज्य को ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बनाने के लिए बिहार सरकार ने एक बेहद महत्वाकांक्षी योजना का खाका तैयार किया है। इस नई पहल के तहत देश की कई नामचीन और प्रमुख निजी कंपनियां बिहार में भारी निवेश करने में अपनी गहरी रुचि दिखा रही हैं। इनमें जैसी शीर्ष कंपनियां प्रमुख रूप से शामिल हैं। इसके अतिरिक्त लगभग छह अन्य बड़ी औद्योगिक इकाइयों ने भी राज्य के बिजली और हरित ऊर्जा क्षेत्र में निवेश की इच्छा जाहिर की है। अधिकारियों और निवेशकों के बीच प्राथमिक स्तर की बातचीत सफलतापूर्वक पूरी हो चुकी है और बहुत जल्द अगले चरण की उच्चस्तरीय वार्ता शुरू होने की उम्मीद है। यदि यह पूरी योजना धरातल

पर सही तरीके से उतरती है, तो आने वाले कुछ ही सालों में बिहार में सौर ऊर्जा, हरित ऊर्जा और समग्र बिजली नेटवर्क के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक क्रांति देखने को मिलेगी। अगले 5 वर्षों के लिए 1.33 लाख करोड़ रुपये का विशाल निवेश रोडमैप बिहार सरकार ने बिजली क्षेत्र के कायाकल्प के लिए अगले पांच वर्षों का एक अत्यंत विस्तृत और स्पष्ट रोडमैप तैयार किया है। राज्य के ऊर्जा विभाग द्वारा जारी आंकड़ों और ब्लूप्रिंट के अनुसार, बिहार में अगले 5 सालों के भीतर कुल 1,33,541 करोड़ रुपये (लगभग 1.30 लाख करोड़ रुपये) के विशालकाय निवेश को आकर्षित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इतने बड़े पैमाने पर होने वाला यह निवेश न केवल राज्य के विद्युत नेटवर्क को आधुनिक और मजबूत बनाएगा, बल्कि बिहार की अर्थव्यवस्था को एक नई संजीवनी प्रदान करेगा। राज्य सरकार का मानना है कि इस योजना के धरातल पर उतरने से बड़े पैमाने पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे। तकनीकी विशेषज्ञों, इंजीनियरों, कुशल और अकुशल श्रमिकों के लिए रोजगार के नए द्वार खुलेंगे, जिससे राज्य से होने वाले पलायन में भी काफी हद तक कमी आने की संभावना है। वर्ष 2030 तक का विजनः 24 हजार मेगावाट रिन्यूअबल एनर्जी का लक्ष्य भविष्य की ऊर्जा जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बिहार सरकार ने पर्यावरण के अनुकूल और दीर्घकालिक समाधानों पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित किया है। राज्य सरकार ने वर्ष 2030 तक 24,000 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा) के उत्पादन का एक विशाल लक्ष्य तय किया है। इसके साथ ही ऊर्जा की निरंतर और निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए 6 गीगावॉट घंटे क्षमता के एनर्जी स्टोरेज सिस्टम को स्थापित करने की भी योजना है। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और बायोमास जैसे गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देने के लिए बड़े स्तर पर पूंजीगत निवेश की आवश्यकता है। इसी आवश्यकता को पूरा करने के लिए सरकार निजी क्षेत्र के बड़े निवेशकों को आकर्षित कर रही है। एक समय था जब राज्य की बिजली कंपनियां भारी घाटे में चल रही थीं। वर्ष 2022 में बिहार की बिजली कंपनियों को 2,218 करोड़ रुपये का भारी वित्तीय घाटा उठाना पड़ा था। लेकिन बेहतर प्रबंधन, चोरी पर रोक, स्मार्ट प्रिपेड मीटरों के सफल क्रियान्वयन और कुशल वितरण प्रणाली के बल पर कंपनियों ने बाजी पलट दी है। वर्ष 2026 में बिजली कंपनियों ने 2,375 करोड़ रुपये का अनंतिम/अस्थायी लाभ दर्ज करके एक नया इतिहास रच दिया है। यह सुधार इसलिए भी ऐतिहासिक है क्योंकि राज्य सरकार आम जनता को राहत देने के लिए प्रति माह 125 यूनिट तक मुफ्त बिजली की सुविधा दे रही है। इस मुफ्त बिजली योजना पर राज्य सरकार स्वयं हर साल लगभग 2,300 करोड़ रुपये की सब्सिडी का बोझ उठा रही है। मुफ्त बिजली देने के बावजूद कंपनियों का मुनाफे में आना यह साबित करता है कि बिहार का ऊर्जा क्षेत्र अब निवेश के लिए पूरी तरह से सुरक्षित, टिकाऊ और लाभदायक बन चुका है। निष्कर्षः एक नए, समृद्ध और 'ऊजार्वान' बिहार की ओर बिहार का ऊर्जा क्षेत्र आज एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है। घाटे से उबरकर मुनाफे में आई सरकारी कंपनियां, 1.33 लाख करोड़ का महत्वाकांक्षी निवेश लक्ष्य, 2030 तक 24 गीगावॉट हरित ऊर्जा का विजन और देश के शीर्ष निवेशकों की राज्य में बढ़ती रुचि–ये सभी कारक इस बात का स्पष्ट संकेत हैं कि आने वाले वर्षों में बिहार न केवल अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करेगा, बल्कि पूर्वी भारत में एक 'एनर्जी हब' के रूप में उभरकर सामने आएगा। इस परिवर्तन से राज्य का औद्योगिक विकास तेजी से होगा, कृषि क्षेत्र को पर्याप्त बिजली मिलेगी, नागरिकों का जीवन स्तर सुधरेगा और लाखों युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

संक्षिप्त डायरी

8 साल पुराने केस में 9 पुलिसकर्मी गवाही से गायब, मुजफ्फरपुर कोर्ट ने जारी किया गैर-जमानती वारंट

पटना (एजेंसी) मुजफ्फरपुर कोर्ट ने 8 साल पुराने मामले में 9 पुलिसकर्मियों के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया है. आरोप है कि वे गवाही के लिए अदालत में पेश नहीं हुए. बिहार के मुजफ्फरपुर की एक अदालत ने नौ पुलिसकर्मियों के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया है. इन पुलिसकर्मियों पर आरोप है कि वे 2018 के एक मामले में अभियोजन पक्ष के गवाह के तौर पर अदालत में पेश नहीं हुए. इस मामले में छह लोगों पर जिले में डकैती की योजना बनाने के लिए हथियारों के साथ एकत्र होने का आरोप था. 9 पुलिसकर्मियों की पेशी का आदेश एडिशनल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस जज-11 डॉ. किशोर कुणाल ने 10 सितंबर को यह आदेश जारी किया. उन्होंने अभियोजन पक्ष को गवाहों को अदालत में पेश करने का निर्देश दिया. साथ ही, सरैया थाना प्रभारीऔर मुजफ्फरपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को गवाहों की अदालत में पेशी सुनिश्चित करने को कहा.मामले में अभियोजन पक्ष के साक्ष्य पेश करने के लिए 28 अक्टूबर की तारीख तय की गई है. समन और जमानती वारंट भी बेअसर अदालत के आदेश के मुताबिक, मामला फिलहाल अभियोजन पक्ष के साक्ष्य पेश किए जाने के चरण में लंबित है. अदालत ने पाया कि अभियोजन पक्ष के गवाहों को 8 मई 2025 को समन जारी किया गया था. इसके बाद 20 अगस्त को उनके खिलाफ जमानती वारंट भी जारी किया गया, लेकिन इसके बावजूद गवाह अदालत में पेश नहीं हुए.गवाहों की लगातार गैरहाजिरी को देखते हुए अदालत ने अपने कार्यालय को उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी करने का निर्देश दिया.

बिहार के 17 जिलों में आज बिगड़ा रहेगा मौसम, अगले 72 घंटों तक आंधी-तूफान के साथ बारिश का अलर्ट

पटना (एजेंसी) बिहार में मौसम इन दिनों सामान्य बना हुआ है. इस बीच मौसम विभाग ने 17 जिलों के लिए अलर्ट जारी किया है. इन जिलों में तेज हवा के साथ बारिश की चेतावनी जारी की गई है. अगले 72 घंटों के लिए अलर्ट जारी किया गया है. बिहार के कुछ जिलों में इन दिनों रुक-रुककर बारिश का दौर जारी है. जबकि कुछ जिलों में उमस वाली गर्मी लोगों को परेशान कर रही है. इस बीच मौसम विभाग ने आज राज्य के 17 जिलों में मौसम बिगड़े रहने की संभावना जताई है. बिगड़े मौसम के दौरान लोगों से सावधान रहने की भी अपील की गई है. इन 17 जिलों में अलर्ट जारी मौसम विभाग ने जिन 17 जिलों के लिए चेतावनी जारी की है, उन जिलों में पूर्वी चंपारण, पश्चिम चंपारण, शिवहर, सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल, अररिया, किशनगंज, गोपालगंज, सारण, सीवान, बक्सर, भोजपुर, अरवल, औरंगाबाद, रोहतास और कैमूर शामिल है. इन जिलों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना जताई गई है. इस दौरान बिजली गिरने और हल्की बारिश की भी चेतावनी जारी की गई है. मौसम विभाग की ओर से अगले 72 घंटों के लिए चेतावनी जारी की गई है. आज 17 जिलों में अलर्ट है. इसके बाद 15 सितंबर को लगभग आधे बिहार में येलो अलर्ट जारी किया गया है. खासकर सीमांचल के जिलों में बारिश की संभावना है. इसके साथ ही उत्तर बिहार के कुछ जिलों और दक्षिण-पूर्व बिहार के जिलों में हल्की बारिश हो सकती है. 16 सितंबर की बात करें तो, लगभग पूरे बिहार में बारिश को लेकर चेतावनी जारी की गई है. सिर्फ कुछ जिलों बक्सर, भोजपुर, अरवल, औरंगाबाद, रोहतास और कैमूर में मौसम सामान्य बने रहने की संभावना है. बाकी के सभी जिलों में तेज हवा के साथ बिजली गिरने और हल्की बारिश हो सकती है. इस तरह से अगले 72 घंटों के लिए मौसम विभाग ने अलर्ट कर दिया है. सामान्य से कम हुई बारिश बिहार में अब भी सामान्य से कम बारिश होने की बात कही जा रही है. कम बारिश होने को लेकर मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि मध्य भारत के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है.

सहरसा अस्पताल प्रबंधक की नियुक्ति पर फिर उठे सवाल, 2019 की विभागीय जांच रिपोर्ट चर्चा में

पटना (एजेंसी) सहरसा मॉडल सदर अस्पताल में प्रबंधक की नियुक्ति पर सवाल उठ रहे हैं। 2019 की विभागीय जांच रिपोर्ट में योग्यता और चयन प्रक्रिया पर गंभीर आपत्तियां दर्ज थीं। सहरसा. जिला स्वास्थ्य समिति, सहरसा में डीपीएम के प्रभार और प्रशासनिक फैसलों को लेकर चल रही चर्चा के बीच मॉडल सदर अस्पताल की अस्पताल प्रबंधक सिंपी कुमारी की नियुक्ति और पदस्थापन का मामला भी सवालों के घेरे में आया है. वर्ष 2019 की एक विभागीय जांच रिपोर्ट और तत्कालीन अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, पूर्णिया की ओर से स्वास्थ्य विभाग को भेजे गए पत्र के सामने आने के बाद उनकी चयन प्रक्रिया को लेकर नए सिरे से सवाल उठाए जा रहे हैं. उपलब्ध विभागीय पत्र के अनुसार पूर्णिया सदर अस्पताल में अस्पताल प्रबंधक पद पर सिंपी कुमारी के चयन के विरुद्ध शिकायत की जांच के लिए एक समिति गठित की गयी थी. जांच समिति की रिपोर्ट की कंडिका-07 में शिकायत को सही पाए जाने का उल्लेख किया गया था. इसके बाद तत्कालीन अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, पूर्णिया ने प्रधान सचिव, स्वास्थ्य विभाग को

पत्र भेजकर जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की अनुशंसा की थी. चयन के समय योग्यता और अभिलेखों को लेकर उठी थी आपत्ति विभागीय पत्र में अस्पताल प्रबंधक पद के लिए जारी विज्ञापन का उल्लेख करते हुए कहा गया था कि हॉस्पिटल मैनेजमेंट की डिग्री और दो वर्ष की इंटर्नशिप अनिवार्य योग्यता थी. जांच के दौरान इससे संबंधित आवश्यक अभिलेख उपलब्ध नहीं होने की बात रिपोर्ट में दर्ज किए जाने का उल्लेख है. पत्र के अनुसार चयन के समय विज्ञापन में निर्धारित शर्तों के अनुरूप आवश्यक दस्तावेजों की जांच नहीं की गयी थी. जांच रिपोर्ट में यह भी उल्लेखित था कि यदि निर्धारित अर्हता के अनुसार अभिलेखों की जांच की जाती तो चयनित अभ्यर्थी की पात्रता को लेकर सवाल उठ सकते थे. अन्य अभ्यर्थियों के चयन को लेकर भी रिपोर्ट में टिप्पणी उपलब्ध विभागीय पत्र में अन्य अभ्यर्थियों के चयन का भी उल्लेख किया गया है. इसमें वांछित अनुभव अथवा इंटर्नशिप नहीं होने के आधार पर कुछ अभ्यर्थियों के चयन नहीं किए जाने की बात दर्ज थी. इसी आधार पर जांच रिपोर्ट में चयन प्रक्रिया की निष्पक्षता को लेकर भी सवाल उठाए जाने का उल्लेख है. हालांकि वर्ष 2019 की जांच के बाद इस मामले में सक्षम प्राधिकार की ओर से क्या अंतिम निर्णय लिया गया, इसकी स्थिति संबंधित विभागीय रिकॉर्ड से ही स्पष्ट हो सकेगी. चयन प्रक्रिया में शिथिलता की टिप्पणी का भी उल्लेख तत्कालीन अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, पूर्णिया की ओर से स्वास्थ्य विभाग को भेजे गए पत्र में चयन प्रक्रिया में कथित शिथिलता बरते जाने का भी उल्लेख था. पत्र में सिंपी कुमारी का चयन दबाव में किए जाने संबंधी टिप्पणी दर्ज होने की बात सामने आयी है. हालांकि इस टिप्पणी को अंतिम निष्कर्ष के रूप में देखे जाने से पहले विभागीय अभिलेखों और सक्षम प्राधिकारी की ओर से की गयी अंतिम कार्रवाई का सत्यापन जरूरी है. सहरसा में पदस्थापन के बाद उठे पुराने सवाल अब मुख्य सवाल यह उठ रहा है इसी दौरान अस्पताल प्रबंधक सिंपी कुमारी को मिली विभिन्न प्रशासनिक जिम्मेदारियों को लेकर भी सवाल उठने लगे. अब वर्ष 2019 की जांच रिपोर्ट से जुड़े दस्तावेज सामने आने के बाद नियुक्ति और पदस्थापन का पुराना मामला भी चर्चा में आ गया है. स्वास्थ्य विभाग से आधिकारिक स्पष्टीकरण की मांग मामले में स्वास्थ्य विभाग और जिला स्वास्थ्य समिति, सहरसा से यह स्पष्ट करने की मांग उठ रही है कि सिंपी कुमारी को मॉडल सदर अस्पताल में अस्पताल प्रबंधक की जिम्मेदारी किस आदेश और प्रक्रिया के तहत दी गयी. इसके साथ ही पदस्थापन के समय किन दस्तावेजों का सत्यापन किया गया और क्या पूर्णिया की वर्ष 2019 की जांच रिपोर्ट को रिकॉर्ड पर लिया गया था, इसकी जानकारी भी मांगी जा रही है.

प्रभात खबर के पत्रकार से मारपीट मामले में मंत्री श्रवण कुमार का बयान, बोले- दोषियों को नहीं छोड़ा जाएगा

पटना (एजेंसी) सहरसा में प्रभात खबर के पत्रकार अभिषेक कुमार के साथ कथित मारपीट का मामला गर्मा गया है. इस मामले में मंत्री श्रवण कुमार ने दोषियों पर कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया है. जानिए आगे क्या हुआ. बिहार के सहरसा जिले में सदर अस्पताल में प्रभात खबर के पत्रकार अभिषेक कुमार के साथ कथित मारपीट का मामला तूल पकड़ चुका है. गोपालगंज सहित कई जिलों में पत्रकार इस घटना का विरोध कर रहे हैं. दूसरी ओर इस मामले में अब सत्ता पक्ष के नेताओं के बयान भी सामने आ रहे हैं. मंत्री श्रवण कुमार ने क्या कहा? इसी कड़ी में प्रभात खबर के पत्रकार के साथ मारपीट मामले पर मंत्री श्रवण कुमार का बयान भी सामने आया है. मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि, ₹मामला संज्ञान में आया है. जांच

का निर्देश दिया गया है. जो भी दोषी पाया जाएगा उसपर कड़ी से कड़ी कार्रवाई होगी. किसी को भी छोड़ा नहीं जाएगा₹. प्रभारी मंत्री ने मांगा शाम तक का समय बता दें कि इस मामले में आज काफी संख्या में लोग प्रदर्शन करने पहुंचे थे. लेकिन प्रभारी मंत्री मिथिलेश तिवारी के आश्वासन के बाद प्रदर्शन रोक दिया गया. मिथिलेश तिवारी ने लिया संज्ञान सहरसा में सोमवार को काफी संख्या में लोग प्रदर्शन के लिए जुटे थे. लेकिन प्रदर्शन को फिलहाल रोक दिया गया. सहरसा के प्रभारी मंत्री मिथिलेश तिवारी ने इस मामले में संज्ञान लिया. प्रदर्शन से ठीक पहले मिथिलेश तिवारी ने आश्वासन दिया और शाम तक का समय मांगा है. ऐसे में अब उम्मीद जताई जा रही है कि रङ आजाद के खिलाफ कुछ बड़ा फैसला हो सकता है. मांग पूरी नहीं होने पर होगा आंदोलन प्रभारी मंत्री मिथिलेश तिवारी और वरीय अधिकारियों के आश्वासन के बाद पत्रकारों और सामाजिक संगठनों ने आंदोलन को कुछ देर के लिए स्थगित कर दिया है. लेकिन मांगे पूरी नहीं होती है, तो शाम में कैंडल मार्च के साथ आंदोलन की फिर से शुरूआत होगी. ऐसे में अब मामले में कार्रवाई का इंतजार किया जा रहा है. एसके आजाद बोले- फ्लो फ्लो में हो गया सोमवार को पत्रकार अभिषेक कुमार के साथ कथित मारपीट करने वाले डॉक्टर एसके आजाद से प्रभात खबर डिजिटल के पत्रकार रोहित और आदर्श ने बात करने की कोशिश की. डॉक्टर एसके आजाद से पूछा गया कि पत्रकार अभिषेक को पीटने वाले 20 लोग कौन थे? क्या वे सरकार को बदनाम कर रहे हैं? क्या वे स्वास्थ्य मंत्री को बदनाम कर रहे हैं? यह सवाल सुनते ही एसके आजाद ने कहा कि फ्लो-फ्लो में हो गया. यह सवाल सुनते ही बोलती हुई बंद इस दौरान उनसे यह भी पूछा गया कि क्या वे अपनी गलती मानते हैं और माफी मांगते हैं? इस सवाल पर एसके आजाद की बोलती बंद हो गई. इसके बाद उन्होंने कैमरा बंद करा दिया. इस तरह से इस पूरे मामले में पहली बार एसके आजाद ने रिएक्ट किया. इस दौरान पत्रकार रोहित और आदर्श ने मैनेजर डॉक्टर सिंपी को भी ढूंढने पहुंचे थे. लेकिन उन्होंने जिला स्वास्थ्य समिति का गेट बंद करवा दिया था.

प्रभात खबर के पत्रकार से मारपीट मामले में रुका प्रदर्शन, प्रभारी मंत्री मिथिलेश तिवारी ने लिया संज्ञान

पटना (एजेंसी) सहरसा में प्रभात खबर के पत्रकार के साथ मारपीट के मामले में सुबह-सुबह प्रदर्शन की तैयारी थी. लेकिन अब इसे फिलहाल रोक दिया गया है. सहरसा के प्रभारी मंत्री मिथिलेश तिवारी ने इस पूरे मामले में संज्ञान ले लिया है. सहरसा में 12 सितंबर को सदर अस्पताल पहुंचे प्रभात खबर डिजिटल के पत्रकार अभिषेक कुमार के साथ कथित मारपीट और हमले के विरोध में रविवार को छात्र, युवा एवं सामाजिक संगठन के लोग प्रदर्शन के लिए जुटे. प्रदर्शनकारियों ने हाथों में पोस्टर-बैनर लेकर डॉक्टर के खिलाफ जमकर नारे लगाए. प्रभारी मंत्री ने मांगा समय इस बीच नई जानकारी सामने आई है कि प्रदर्शन को फिलहाल रोक दिया गया है. सहरसा के प्रभारी मंत्री मिथिलेश तिवारी ने इस मामले में संज्ञान लिया है. प्रदर्शन से ठीक पहले मिथिलेश तिवारी ने आश्वासन दिया है. प्रभारी मंत्री मिथिलेश तिवारी ने शाम तक

का समय मांगा है. ऐसे में अब उम्मीद जताई जा रही है कि आजाद के खिलाफ कुछ बड़ा फैसला हो सकता है. 'तुम बाप नहीं, सहरसा के पाप हो' सहरसा में आज प्रतिरोध मार्च निकालने की पूरा तैयारी की गई थी. वीर कुंवर सिंह चौक से समाहरणालय तक पत्रकार मार्च निकालने की तैयारी थी. इस दौरान प्रदर्शनकारी ने एक पोस्टर पर लिखा था, तुम बाप नहीं, सहरसा के पाप हो. जिला पत्रकार संघ ने घटना को पत्रकारिता की स्वतंत्रता पर हमला बताया था. इस मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की गई. इससे पहले मामले में अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कार्यकर्ता एवं ह्यूमन राइट्स अम्ब्रेला फाउंडेशन के चेयरमैन विशाल रंजन दफ्तुआर ने भी संज्ञान लिया था. उन्होंने सहरसा के जिलाधिकारी दीपेश कुमार से फोन पर बातचीत कर घटना की जानकारी ली थी और मामले में कार्रवाई को लेकर चर्चा की. विशाल दफ्तुआर ने कहा था प्रथम दृष्टया यह मानवाधिकार हनन की गंभीर घटना प्रतीत होती है

बिहार में पहली बार किसानों के लिए नया मॉडल, खेतों के सिंचाई की टेंशन होगी दूर, बिजली खर्च भी घटेगा

पटना (एजेंसी) बिहार के किसानों के लिए अच्छी खबर है. खेतों की सिंचाई को लेकर उनकी टेंशन काफी हद तक खत्म होने की उम्मीद जताई जा रही है. खेतों की सिंचाई के लिए अब सोलर पैनल का इस्तेमाल किया जाएगा. बिहार में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए कई पहल किए जा रहे हैं. अब इससे कहीं ना कहीं किसानों को बड़ी राहत मिलने वाली है. उनके लिए खेतों की सिंचाई की टेंशन काफी हद तक कम हो सकती है. पहली बार उनके लिए आधुनिक व्यवस्था की जा रही है. इस मॉडल को किया जा रहा डेवलप जानकारी के मुताबिक, 'आशा मॉडल' (ऑटोमेटेड सोलर पॉवर्ड बेस्ड हाई इफिसिएन्सी इरीगेशन एप्लीकेशन) को डेवलप किया जा रहा है. इस मॉडल के जरिए पारंपरिक आहर-पाइन प्रणाली को मॉडर्न तरीके से जोड़ा जाएगा. इस नए सिस्टम को डेवलप करने का उद्देश्य किसानों के डीजल पंपों और महंगी बिजली पर से निर्भरता को कम करना बताया जा रहा है. किसानों के लिए पहली बार ऐसी व्यवस्था खास बात यह है कि पहली बार राज्य में इस तरह की व्यवस्था किसानों के लिए की जा रही है. इस प्रोजेक्ट को लेकर बताया जा रहा है कि जो पारंपरिक जल स्रोत हैं, उसके पास ही सोलर पैनल लगाए जायेंगे. इसी सोलर पैनल की मदद से पंप चलेंगे और खेतों तक पानी पहुंचाए जायेंगे. खेतों की सिंचाई के बाद जो सौर ऊर्जा बच जाएगी, उसे सरकारी ग्रिड में भेज दिया जाएगा. पटना के पालीगंज में कुछ ऐसी ही तैयारी की जा रही है. हार से जुड़ी अन्य ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें किस तरह से काम करेगा नया मॉडल? जानकारी के मुताबिक, मॉनसून के वक्त होने वाली बारिश और नहर से मिलने वाली पानी को आहर या फिर तालाब में सुरक्षित रखा जाएगा. अगर खेत में पानी की कमी होगी तो ऑटोमेटिक पंप चलेंगे. ये पंप सोलर पैनल से मिलने वाली बिजली से ही चलेंगे. ऑटोमेटिक पंप के चलने से आसानी से खेतों तक पानी पहुंचाया जा सकेगा. कौन-कौन से होंगे फायदे? इस नए मॉडल से किसानों को कई तरह के फायदे हो सकेंगे. इस सिस्टम से कम बारिश होने के बावजूद सालोंभर खेत तक पानी पहुंच सकेगा, किसानों को महंगी बिजली और डीजल पर निर्भर नहीं होना पड़ेगा, अंडरग्राउंड पाइपलाइन से पानी की बबार्दी को रोका जा सकेगा. इस तरह से कई तरह के फायदे हो सकेंगे.

अब रिटायर हो जाइए... पवन सिंह-खेसारी लाल यादव पर इस एक्टर का सीधा वार, बोले- थोड़ा पीछे हटकर रास्ता दो

पटना (एजेंसी) विशाल आदित्य सिंह ने भोजपुरी इंडस्ट्री में पवन सिंह और खेसारी लाल यादव के दबदबे पर अपनी राय रखी. उन्होंने दोनों को रिटायर होने की सलाह दे दी. भोजपुरी सिनेमा की बात हो और पवन सिंह-खेसारी लाल यादव का नाम न आए, ऐसा तो हो ही नहीं सकता. दोनों स्टार्स की अपनी तगड़ी फैन फॉलोइंग है और भोजपुरी म्यूजिक से लेकर फिल्मों तक इनका जलवा देखने को मिलता रहा है, लेकिन अब टीवी एक्टर और ह्यबिग बॉसह्ण फेम विशाल आदित्य सिंह ने इसी स्टारडम को लेकर ऐसा सवाल उठा दिया है, जिस पर भोजपुरी इंडस्ट्री में बहस छिड़ सकती है.

विशाल का कहना है कि इंडस्ट्री में बड़े सितारों के दबदबे की वजह से नए कलाकारों को अपनी पहचान बनाने का मौका नहीं मिल पा रहा है. पवन सिंह और खेसारी लाल यादव को रिटायर होने की सलाह मिली विशाल आदित्य सिंह ने फिल्म विंडो संग बात करते हुए कहा कि पवन सिंह और खेसारी लाल यादव को रिटायरमेंट के बारे में सोचना चाहिए. उनका मानना है कि जब इंडस्ट्री में कुछ बड़े नामों का इतना ज्यादा दबदबा हो, तो नए कलाकारों के लिए जगह बनाना मुश्किल हो जाता है. विशाल के मुताबिक, मेकर्स भी नए चेहरों पर पैसा लगाने से पहले कई बार सोचते हैं, क्योंकि बड़े स्टार्स के मुकाबले नए कलाकारों के साथ बॉक्स ऑफिस रिस्क ज्यादा होता है. विशाल आदित्य सिंह ने भोजपुरी इंडस्ट्री पर क्या बोला विशाल ने अपनी बात यहीं नहीं रोकी. उन्होंने कहा कि बड़े कलाकारों को एक समय के बाद थोड़ा पीछे हटकर नई पीढ़ी के लिए रास्ता बनाना चाहिए. एक्टर ने पवन सिंह और खेसारी लाल यादव को रिटायरमेंट के बारे में सोचने की सलाह तक दे दी. विशाल आदित्य सिंह के बारे में विशाल आदित्य सिंह को ह्यचंद्रकांताह्ण, ह्यकुल्फी कुमार बाजेवालाह्ण और ह्यबिग बॉसह्ण जैसे शोज से खास पॉपुलैरिटी हासिल की. उन्हें हाल ही में खतरों के खिलाड़ी 15 में भी देखा गया था. जहां वह रोहित शेट्टी संग फुल ऑन मस्ती करते थे. बिग बॉस 13 में आदित्य की गर्लफ्रेंड मधुरिमा तुली ने एंट्री की थी. जहां उनके बीच काफी विवाद हुआ था. एक्ट्रेस ने आदित्य को पैन से मारा भी था.

कैंसर से आंखों की दवा तक, ल्यूपिन का बड़ा दांव!

बायोसिमिलर कारोबार के लिए 700 करोड़ रुपए निवेश करेगी कंपनी

नई दिल्ली ।

फार्मा क्षेत्र की अग्रणी कंपनी ल्यूपिन बायोसिमिलर खंड में अपनी स्थिति मजबूत करने और वैश्विक बाजारों में अपना विस्तार करने की तैयारी में है। कंपनी का लक्ष्य अगले पांच साल के भीतर बायोसिमिलर उत्पादों से लगभग 50 करोड़ डॉलर (लगभग 4,150 करोड़ रुपए) का कुल कारोबार हासिल करना है। यह जानकारी कंपनी के कार्यकारी निदेशक ने दी। ल्यूपिन ने अमेरिका में कैंसर की दवा पेगफिल्ग्रास्टिम का बायोसिमिलर दिसंबर 2025 तक लॉन्च करने के लिए यूएसएफडीए से पहली मंजूरी प्राप्त कर ली है। आंखों की दवा रैनिबिजुमैब को भी अमेरिका, यूरोप और जापान जैसे प्रमुख बाजारों में पेश किया जाएगा। स्वामीनाथन ने बताया कि ल्यूपिन भारत में कैंसर की दवाओं निवोलुमैब, डिनुजुमैब और पर्टुजुमैब के बायोसिमिलर लाने की योजना बना रही है। कंपनी पहले से ही यूरोप और जापान में साझेदारी के माध्यम से ऑटोइम्यून संबंधी बीमारी की दवा एटैनरसेप्ट के बायोसिमिलर जैसे उत्पाद बेच रही है। इस विस्तार के लिए, ल्यूपिन ने अब तक बायोसिमिलर उत्पादन क्षमता में लगभग 500 करोड़ रुपये का निवेश किया है और इसे बढ़ाकर लगभग 700 करोड़ रुपये करने की योजना है।

केईसी इंटरनेशनल को 1303 करोड़ के नए वैश्विक ठेके मिले

टीएंडडी कारोबार को भारत, पश्चिम एशिया और अमेरिका में मिलीं महत्वपूर्ण परियोजनाएं

नई दिल्ली (ईएमएस)। आरपीजी समूह की अग्रणी कंपनी केईसी इंटरनेशनल ने सोमवार को विभिन्न कारोबारों में 1,303 करोड़ रुपये के नए ठेके हासिल करने की घोषणा की। ये ठेके पारेषण एवं वितरण (टीएंडडी) और केबल व कंडक्टर क्षेत्रों में कंपनी की वैश्विक उपस्थिति को और सुदृढ़ करते हैं। कंपनी के बयान के अनुसार टीएंडडी कारोबार को भारत में एक निजी जलविद्युत संयंत्र की बिजली निकासी के लिए 400 किलोवाट की पारेषण लाइन, सऊदी अरब में 380 किलोवाट की पारेषण लाइन तथा अमेरिका में टावर, हार्डवेयर एवं पोल की आपूर्ति के ठेके मिले हैं। वहीं, केबल एवं कंडक्टर कारोबार ने भी घरेलू व अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कई अनुबंध प्राप्त किए हैं।

केईसी इंटरनेशनल के एक अ धिकारी ने कहा कि ये ठेके पश्चिम एशिया में कंपनी की मौजूदगी को मजबूत करते हैं और टीएंडडी कारोबार की संभावनाएं प्रबल बनी हुई हैं। उन्होंने बताया कि इन नवीनतम ठेकों से चालू वित्त वर्ष में अब तक कुल ऑर्डर 7,600 करोड़ रुपये से अधिक हो गए हैं, जो कंपनी की लक्षित वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण हैं। आरपीजी समूह की प्रमुख इकाई केईसी इंटरनेशनल, वैश्विक स्तर पर 110 से अधिक देशों में बुनियादी ढांचा क्षेत्र की इंजीनियरिंग, खरीद एवं निर्माण (ईपीसी) सेवाओं में अग्रणी है।

छोटे शहरों पर सिट्रोन की नजर

5 साल में बिक्री का 75 फीसदी यहीं से लाने का लक्ष्य

नई दिल्ले ली (ईएमएस)। सिट्रोन भारत में अपनी बिक्री का बड़ा हिस्सा अब छोटे और मझोले शहरों से लाने की तैयारी में है। अगले पांच साल में कंपनी की कुल बिक्री का तीन-चौथाई इन शहरों से आने का अनुमान है, जो अभी 55 प्रतिशत है। स्टेलंटिस इंडिया के एक अ धिकारी ने बताया कि बाजार का रुझान इन्हीं शहरों की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि भारत में कार खरीदने वाले ग्राहकों की बड़ी संख्या अब छोटे और मझोले शहरों की ओर बढ़ रही है, जिसके मद्देनजर सिट्रोन अपनी रणनीति बदल रही है। स्टेलंटिस के दूसरे ब्रांड जीप का फोकस मेट्रो शहरों पर बना रहेगा। सिट्रोन देश भर में एक जैसा डीलरशिप मॉडल अपनाने की बजाय, हर बाजार की क्षमता के अनुसार खुदरा नेटवर्क तैयार करेगी। कंपनी का लक्ष्य सिर्फ आउटलेट की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि ग्राहकों तक अपनी पहुंच 60 फीसदी से बढ़ाकर 75 फीसदी तक ले जाना है। इसके लिए छोटे शहरों में एक-कार शोरूम और छोटी सर्विस सुविधाओं जैसे लचीले मॉडल अपनाए जाएंगे, जिन्हें मांग के अनुसार बढ़ाया जा सकेगा।

यह विस्तार ऐसे समय हो रहा है जब चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में सिट्रोन की बिक्री में 15-20 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। हालांकि, यह पिछले वित्त वर्ष की उच्च वृद्धि (60 फीसदी से कम) से कम होगी, जिसका कारण पिछले साल सितंबर में वाहनों पर जीएसटी कटौती के बाद बनी उच्च आधार प्रभाव है। हजेला ने कहा कि सिट्रोन की बिक्री वाहन अपग्रेड के कारण अच्छी रही है, जबकि स्टेलंटिस का दूसरा ब्रांड जीप उतना बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पाया है।

गणेश चतुर्थी पर शेयर बाजार बंद, कमोडिटी में शाम से कारोबार

धार्मिक पर्व के चलते इक्विटी और डेरिवेटिव्स मार्केट में पूरे दिन छुट्टी रहेगी

मुंबई ।

देशभर में 14 सितंबर को गणेश चतुर्थी का पावन पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस धार्मिक महत्व के दिन के चलते भारतीय शेयर बाजार सोमवार को पूरे दिन बंद रहेंगे। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में इक्विटी, इक्विटी डेरिवेटिव्स सहित सभी सेगमेंट में कारोबार नहीं होगा, जिससे निवेशकों को मंगलवार तक इंतजार करना होगा। शेयर बाजार में गणेश चतुर्थी के कारण ट्रेडिंग पूरी तरह से बंद रहेगी, जिसका अर्थ है कि निवेशक इक्विटी शेयरों की खरीद या बिक्री नहीं कर पाएंगे। उन्हें अगले कारोबारी दिन यानी मंगलवार, 15 सितंबर का इंतजार करना होगा। यह छुट्टी शेयर बाजार के हॉलिडे कैलेंडर में शामिल है। हालांकि, कमोडिटी मार्केट (एमसीएक्स) में नियम थोड़े अलग हैं। यहां सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक कारोबार बंद रहेगा, लेकिन शाम के सेशन में ट्रेडिंग फिर से शुरू हो जाएगी, जो सामान्य तौर पर रात 11ऱ30 बजे तक चलेगी। यह छुट्टी ऐसे समय में आई है जब शेयर बाजार पिछले हफ्ते लगातार पांचवें दिन गिरावट के साथ बंद हुआ था। कच्चे तेल की कीमतें, बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी और अमेरिकी महंगाई जैसी चिंताओं ने निवेशकों का मूड खराब किया। पिछले हफ्ते सेंसेक्स 2.27 फीसदी और निफ्टी 2.09 फीसदी गिरा था। मंगलवार को बाजार खुलने पर निवेशकों की नजर वैश्विक संकेतों, कच्चे तेल की कीमतों और अमेरिकी महंगाई से जुड़े अपडेट्स पर रहेगी। इस वर्ष की अन्य प्रमुख शेयर बाजार छुट्टियों में 2 अक्टूबर (गांधी जयंती) और 10 नवंबर (दिवाली-बलिप्रतिपदा) भी शामिल हैं।

एनपीपीए का फैसला- 20 महत्वपूर्ण दवाओं की बिक्री पर लगेगी रोक

- मांग में कमी और कच्चे माल की किल्लत का हवाला देकर कंपनियों ने मांगी अनुमति

नई दिल्ली ।

नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (एनपीपीए) ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 20 शेड्यूल्ड दवाओं की बिक्री बंद करने की अर्जी को मंजूरी दे दी है। फार्मा कंपनियों ने मांग में भारी कमी और कच्चे माल की किल्लत का हवाला देते हुए यह अनुमति मांगी थी, जिसके बाद कैंसर, अल्जाइमर, हाई ब्लड प्रेशर सहित कई गंभीर बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाओं की उपलब्धता प्रभावित होगी। एनपीपीए के इस फैसले से अल्जाइमर की सिप्ला निर्मित डोनेपेज़िल (5 एमजी और 10 एमजी) और हाई ब्लड प्रेशर व हृदय रोगों में एमक्योर फार्मा की रैमिप्रिल (2.5 एमजी और 5 एमजी) जैसी महत्वपूर्ण दवाएं बाजार से हट जाएंगी। बंद की जा रही 20 दवाओं की इस सूची में कैंसर के इलाज में काम आने वाली कार्बोप्लाटिन (दो पोटेंसी), टेमोज़ोलोमाइड और ज़ोलेड्रोनिक एसिड भी शामिल हैं। इसके अलावा, दर्द निवारक ट्रामाडोल, यूरिनरी इन्फेक्शन की नाइट्रोफ्यूरेंटोइन और बांझपन से संबंधित क्लोमीफीन जैसी दवाएं भी अब उपलब्ध नहीं होंगी। इस सूची में सबसे अधिक दवाएं एमक्योर और सिप्ला की हैं, जिनमें सिप्ला की 4 तथा एमएसडी फार्मा की 2 दवाएं शामिल हैं। यह निर्णय मरीजों के लिए बड़ी चुनौती खड़ा कर सकता है।

मारुति सुजुकी ने भारत से जापान को किया 1 लाख वाहनों का निर्यात

जिम्नी, फ्रॉन्क्स और ई-विटारा ने जापान के जटिल बाजार में बनाया मुकाम

मुंबई । मारुति सुजुकी इंडिया ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है, जहां उसने भारत में निर्मित पांच-दरवाजे वाली जिम्नी, फ्रॉन्क्स और आगामी ई-विटारा का जापान को कुल निर्यात एक लाख इकाई के पार पहुंचा दिया है। दुनिया के सबसे उन्नत और प्रतिस्पर्धी वाहन बाजारों में से एक जापान में यह सफलता भारत की बढ़ती विनिर्माण क्षमता को दर्शाती है। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने घोषणा की है कि अगस्त 2024 में फ्रॉन्क्स, दिसंबर 2024 में पांच-दरवाजे वाली जिम्नी और सितंबर 2025 में कंपनी के पहले इलेक्ट्रिक वाहन ई-विटारा का निर्यात जापान को शुरू किया गया था। यह मील का पत्थर सुजुकी के लिए भारत की वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में भूमिका को मजबूत करता है, खासकर क्योंकि पांच-दरवाजे वाली जिम्नी और ई-विटारा का विनिर्माण विशेष रूप से भारत में ही किया जाता है। कंपनी के एक अ धिकारी ने कहा` कि जापान को एक लाख से अधिक वाहनों का यह निर्यात भारत की विनिर्माण उत्कृष्टता की सशक्त पुष्टि है। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि जापान दुनिया के सबसे चुनौतीपूर्ण बाजारों में से एक है। भारत में बने वाहनों को मिल रही व्यापक स्वीकार्यता के चलते, वित्त वर्ष 2025-26 में जापान मारुति सुजुकी का दूसरा सबसे बड़ा निर्यात बाजार बन गया। चालू वित्त वर्ष 2026-27 के पहले पांच महीनों (अप्रैल-अगस्त) में भी जापान ने यह स्थान बरकरार रखा है। इन मॉडलों की सफलता ने पिछले वित्त वर्ष में सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन को जापान में सबसे बड़ा वाहन आयातक बनने में भी मदद की, जहां उसके कुल आयात में मारुति सुजुकी द्वारा निर्मित वाहनों की हिस्सेदारी लगभग 100 प्रतिशत रही। यह भारत-जापान साझेदारी की उल्लेखनीय प्रगति का भी प्रतीक है।

आईपीओ का बंपर हफ्ता, शेयर बाजार में उतरेंगी 11 नई कंपनियां

16 से 21 सितंबर के बीच मेनबोर्ड पर एनएसई, हीरो मोटर्स सहित 5 कंपनियां पेश करेंगी आईपीओ

मुंबई

शेयर बाजार इस हफ्ते निवेशकों के लिए आईपीओ की बंपर पेशकश है। 16 से 21 सितंबर के बीच कुल 11 कंपनियां अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लेकर आ रही हैं, जिनमें 5 मुख्य बोर्ड पर और 6 एसएमई सेगमेंट में शामिल हैं। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 22,561 करोड़ रुपये का मेगा आईपीओ इस हफ्ते का सबसे बड़ा आकर्षण होगा। एनएसई के अलावा, हीरो मोटर्स, जिंदल सुप्रीम, एसएस रिटेल और सोना सेलेक्शन इंडिया भी मेनबोर्ड पर उतरेंगी। खास बात यह है कि सभी आईपीओ में रिटेल निवेशकों के लिए एक लॉट खरीदने की रकम लगभग 14,000 से 15,000 रुपये के बीच रखी गई है, जिससे छोटे निवेशक भी आसानी से बोली लगा सकेंगे। एनएसई का आईपीओ 17 से 21 सितंबर तक खुला रहेगा, जिसका प्राइस बैंड 1,700 से 1,785 रुपये प्रति शेयर है।

यह इश्यू पूरी तरह ऑफर फॉर सेल है, यानी मौजूदा शेयरधारक अपनी हिस्सेदारी बेचेंगे। अन्य मेनबोर्ड आईपीओ में हीरो मोटर्स 16 से 18 सितंबर तक खुलेगा और करीब 1,000 करोड़ रुपये जुटाएगा। जिंदल सुप्रीम (16-18 सितंबर), एसएस रिटेल (16-18 सितंबर) और सोना सेलेक्शन इंडिया (17-21 सितंबर) के इश्यू भी इसी हफ्ते निवेशकों के लिए उपलब्ध होंगे। सोना सेलेक्शन इंडिया का इश्यू 142 करोड़ रुपये का फ्रेश इश्यू है। मेनबोर्ड के अलावा, ऐ क्जिम गैस, खे रिया सहित 6 एसएमई कंपनियां भी अपना अपना लेकर आ रही हैं, जो बाजार में और हलचल बढ़ाएंगी। हालांकि, विशेषज्ञों ने निवेशकों को सलाह दी है कि वे किसी भी आईपीओ में पैसा लगाने से पहले कंपनी के कारोबार, वित्तीय प्रदर्शन और संभावित जोखिमों का गहन अध्ययन करें।

सोने की वैश्विक दौड़ में भारत, डेक्कन गोल्ड ने किर्गिस्तान में शुरू किया उत्पादन

कम घरेलू उत्पादन के बीच विदेशी माइनिंग में भारत का बढ़ता कदम

नई दिल्ली ।

भारत दुनिया में सोने का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है, लेकिन अपनी 90 फीसदी से अधिक जरूरतें आयात से पूरी करता है। इस रणनीतिक चुनौती के बीच, बेंगलुरु स्थित डेक्कन गोल्ड माइन्स लिमिटेड ने मध्य एशियाई देश किर्गिस्तान में अपने अल्टिन टोर गोल्ड माइनिंग प्रोजेक्ट को सफलतापूर्वक उत्पादन चरण तक पहुंचाकर एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित किया है। यह किसी भी भारतीय कंपनी द्वारा किर्गिस्तान में सोने का उत्पादन शुरू करने का पहला उदाहरण है। डेक्कन गोल्ड माइन्स लिमिटेड ने किर्गिस्तान के नारिन क्षेत्र में स्थित अल्टिन टोर प्रोजेक्ट से अपना पहला गोल्ड डोरे (कच्चा सोना) अगस्त में तैयार किया था।

यह क्षेत्र मिनरल से समृद्ध सोल्टन सारी और टिएन शान शियर जोन का हिस्सा है, जिसे सोने के विशाल भंडारों के लिए जाना जाता है।

किर्गिज गणराज्य के राष्ट्रपति सादिर एन. जापारोव ने हाल ही में एक ऑनलाइन समारोह के माध्यम से इस प्रोजेक्ट में स्थापित गोल्ड प्रोसेसिंग प्लांट का उद्घाटन किया। कंपनी, जिसकी स्थानीय सहायक कंपनी एवेलम पार्टनर एलएलसी अल्टिन टोर का संचालन करती है, अब बड़े पैमाने पर उत्पादन बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। डेक्कन गोल्ड के एक अ धिकारी ने इस उपलब्धि को कंपनी और भारतीय माइनिंग इंडस्ट्री के लिए एक अहम मोड़ बताया।

कच्चे तेल में बड़ा उछाल, भारत में पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर

ब्रेंट क्रूड 107 डॉलर के पार, डब्ल्यूटीआई 102 डॉलर के पार

नई दिल्ली । अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में सोमवार को एक बार फिर जोरदार उछाल दर्ज किया गया है। ब्रेंट क्रूड 3 फीसदी से अधिक उछलकर 107.66 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि वेस्ट टैक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड का भाव भी 2.75 फीसदी बढ़कर 102.78 डॉलर प्रति बैरल हो गया। इस वैश्विक बढ़ोतरी ने जहां दुनियाभर में चिंता बढ़ा दी है, वहीं भारत के लिए अच्छी खबर यह है कि घरेलू बाजार में आज भी पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित रही हैं। भारत अपनी कुल जरूरत का लगभग 80 फीसदी कच्चा तेल आयात करता है, ऐसे में वैश्विक कीमतों में तेजी का सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। हालांकि, मौजूदा उछाल के बावजूद, तेल कंपनियों ने सोमवार को भारतीय शहरों में पेट्रोल और डीजल के दामों में कोई बदलाव नहीं किया है। देश के प्रमुख महानगरों और शहरों में आज भी ईंधन के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपये और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। वहीं, उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पेट्रोल 101.89 रुपये और डीजल 95.36 रुपये प्रति लीटर है।

एआई क्रांति- अपरिवर्तनीय बदलाव और सुरक्षा चुनौतियां

टीमलीज सीईओ ने एआई को बताया जलवायु परिवर्तन जैसा बदलाव

नई दिल्ली ।

टीमलीज एडटेक के सीईओ शांतनु रूज ने कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित बदलाव को अपरिवर्तनीय बताया है, जिसकी तुलना उन्होंने जलवायु परिवर्तन से की। उन्होंने स्पष्ट किया कि बदलते परिदृश्य में केवल एआई कौशल ही सफलता की गारंटी नहीं देगा, बल्कि डोमेन विशेषज्ञता और एआई के प्रभावी उपयोग की क्षमता महत्वपूर्ण होगी। इस बीच, एआई के विनियमन, लागत और सुरक्षा संबंधी गंभीर चिंताएं भी दुनियाभर में उभर रही हैं। शांतनु रूज ने कहा कि एआई की मौजूदा प्रक्रिया अब अपरिवर्तनीय है। उन्होंने इस बदलाव को हल्की-फुल्की बारिश नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन जैसा गहरा प्रभाव बताया है, जिससे दुनिया कभी एआई-पूर्व दौर में वापस नहीं लौटेगी। रूज के अनुसार, भविष्य में केवल एआई कौशल होने से व्यक्तियों को बढ़त नहीं मिलेगी। इसके बजाय, क्षेत्र विशेष की जानकारी, बाजार एवं ग्राहकों की समझ रखने वाले और एआई का उपयोग कर कारोबारी फायदे बढ़ाने वाले पेशेवरों को अधिक तरजीह मिलेगी। उन्होंने कहा कि नियमन और उपयोग की लागत अंततः तय करेगी कि एआई कितनी तेजी और गहराई से कारोबार तथा रोजमर्रा की जिंदगी में अपनी पैठ बनाएगा। हालांकि, एआई की तीव्र प्रगति ने सुरक्षा संबंधी गंभीर चिंताएं भी पैदा की हैं। एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोदेई ने एआई की प्रगति को धीमा करने और सुरक्षा उपायों को पुख्ता करने के लिए स्वतंत्र मूल्यांकन, प्रमुख एआई कंपनियों के बीच समन्वय तथा अंतरराष्ट्रीय सहयोग का आह्वान किया है। वहीं, ओपनएआई के सैम ऑल्टमैन ने एआई से मानव जाति के विलुप्त होने के 10 प्रतिशत जोखिम वाले परिदृश्य को अस्वीकार्य माना है। एआई एजेंटों के नियंत्रण से बाहर होने, बाहरी प्रणालियों को हैक करने और सुरक्षा शोधकर्ताओं के नौकरी छोड़ने जैसे मामले वैश्विक स्तर पर चिंता बढ़ा रहे हैं।

ब्रिक्स अनाज एक्सचेंज, यूरोपीय-अमेरिकी दबदबे को चुनौती देने की तैयारी

विशेषज्ञ बोले - विकासशील देशों के लिए बड़ा कदम, पर राह में होंगी चुनौतियां

नई दिल्ली ।

ब्रिक्स देशों ने वैश्विक अनाज व्यापार में यूरोप और अमेरिका की बड़ी कंपनियों के दशकों पुराने वर्चस्व को तोड़ने के लिए एक अनाज एक्सचेंज बनाने के प्रस्ताव को फिर से मंजूरी दी है। यह कदम विकासशील देशों के लिए एक गेम चेंजर साबित हो सकता है, हालांकि इसके संचालन और क्रियान्वयन में कई गंभीर चुनौतियां आने की संभावना है। ब्रिक्स समूह द्वारा प्रस्तावित यह अनाज एक्सचेंज, जिसका विचार पहली बार 2023 में एक डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में रखा गया था, को रूस जैसे दुनिया के सबसे बड़े अनाज उत्पादक देशों का मजबूत समर्थन प्राप्त है। हाल ही में नई दिल्ली घोषणापत्र में न केवल इस प्रस्ताव को दोहराया गया, बल्कि भविष्य में इसमें अन्य कृषि उत्पादों और जिंसों को भी शामिल करने की बात कही गई है। ब्रिक्स देशों का दुनिया के कुल अनाज उत्पादन में लगभग 44 फीसदी और कुल खपत में 25 फीसदी से अधिक हिस्सा है। वहीं, विशेषज्ञों के अनुसार वैश्विक अनाज व्यापार का 70 से 90 प्रतिशत हिस्सा चुनिंदा यूरोपीय और अमेरिकी ट्रेडिंग कंपनियों के नियंत्रण में है। इनमें से लगभग आधी कंपनियों के कार्यालय तो केवल यूरोप के एक ही शहर में हैं, जो बाजार पर उनके एकाधिकार को दर्शाता है। काउंसिल फॉर सोशल डेवलपमेंट के एक अ धिकारी ने इस पहल को समझदारी भरा कदम बताया है। उनके अनुसार, यह विकासशील देशों को कमोडिटी ट्रेड की उन पुरानी शर्तों से उबरने में मदद करेगा, जहाँ बाजार पर नियंत्रण न होने से नुकसान उठाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि यह विचार अभी शुरुआती चरण में है और इसे लेकर और स्पष्टता की आवश्यकता होगी, लेकिन यह ग्लोबल साउथ के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह ब्रिक्स को भोजन उपलब्ध कराने में एक प्रमुख भूमिका निभाने का अवसर देगा। उन्होंने जोर दिया कि यह एक्सचेंज यूरोप और अमेरिका-आधारित फर्मों के वर्चस्व को चुनौती देगा और वैश्विक बाजार में मूल्य निर्धारण में विकासशील देशों की भागीदारी बढ़ाएगा।

सीएनजी, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में आई तेजी

नई दिल्ली ।

भारतीय वाहन बाजार में अब सीएनजी, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में तेजी आ रही है। ऐसे वाहन ग्राहकों की पहली पसंद बनते जा रहे हैं। अगस्त 2026 के ऑटोमोबाइल डीलरों के संगठन फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) के आंकड़ों के मुताबिक वैकल्पिक ईंधन से चलने वाली कारों की कुल हिस्सेदारी 41.95 प्रतिशत रही, जबकि पेट्रोल वाहनों की हिस्सेदारी घटकर 40.85 प्रतिशत रह गई।

खास बात यह है कि एक साल पहले पेट्रोल की हिस्सेदारी वैकल्पिक ईंधन वाले वाहनों से करीब 11 प्रतिशत अंक अधिक थी। इस बदलाव को भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में ग्राहकों की बदलती प्राथमिकताओं के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। अगस्त में सीएनजी वाहनों की हिस्सेदारी 25.28 प्रतिशत रही। इसके बाद हाइब्रिड वाहनों की हिस्सेदारी 9.04 प्रतिशत और इलेक्ट्रिक वाहनों की 7.63 प्रतिशत रही। डीजल वाहनों की हिस्सेदारी करीब 17 प्रतिशत रही। हालांकि पेट्रोल वाहन अभी भी अकेले सबसे बड़ी श्रेणी बने हुए हैं, लेकिन सीएनजी, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों का संयुक्त प्रदर्शन पहली बार उनसे आगे निकलता दिखाई दिया है। हुंडई दिसंबर 2027 तक अपनी पहली छोटी इलेक्ट्रिक कार पेश करने की तैयारी में है, जिसकी कीमत 10 लाख रुपये से कम रहने की संभावना जताई जा रही है। वहीं मारुति सुजुकी की छोटी इलेक्ट्रिक कार अगले वित्त वर्ष के अंत तक आने की उम्मीद है। इससे मध्यम वर्ग के ग्राहकों के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों के विकल्प बढ़ेंगे। फाडा अध्यक्ष साई गिरिधर ने अगस्त के प्रदर्शन को मजबूत बताते हुए कहा कि इस महीने देश में 24,23,201 वाहनों की खुदरा बिक्री हुई, जो सालाना आधार पर 17.51 प्रतिशत अधिक है। हालांकि जुलाई की तुलना में बिक्री 6.48 प्रतिशत कम रही। उनके अनुसार मानसून और त्योहारी कैलेंडर का भी असर पड़ा।

गणेश चतुर्थी और ओणम से जुड़ी खरीद का कुछ हिस्सा सितंबर में स्थानांतरित हुआ है। अगस्त में दोपहिया वाहनों की बिक्री 19.69 प्रतिशत, यात्री वाहनों की 16.14 प्रतिशत और वाणिज्यिक वाहनों की 14.45 प्रतिशत बढ़ी, जबकि तिपहिया वाहनों में 8.64 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। डीलरों के मुताबिक इस बदलाव के पीछे ईंधन की लागत और ग्राहकों की बदलती प्राथमिकताएं अहम कारण हो सकती हैं।

थोक मुद्रास्फीति अगस्त में बढ़कर 9.92 फीसदी हुई

विनिर्मित वस्तुओं और बिजली की कीमतों में भी आया उछाल, वैश्विक आपूर्ति बाधाओं का असर

नई दिल्ली। देश में महंगाई का दबाव अगस्त माह में और बढ़ गया है। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति जुलाई के 9.78 प्रतिशत से बढ़कर अगस्त में 9.92 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो लगातार बढ़ रही कीमतों का संकेत है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, खाद्य पदार्थों, विनिर्मित वस्तुओं तथा ईंधन एवं बिजली की ऊंची कीमतों ने इस वृद्धि में अहम भूमिका निभाई। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों से पता चला कि खाद्य सूचकांक में मुद्रास्फीति 6.65 प्रतिशत से बढ़कर 7.05 प्रतिशत हो गई। इसी तरह विनिर्मित वस्तुओं की थोक मुद्रास्फीति 8.29 प्रतिशत से बढ़कर 8.37 प्रतिशत के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। ईंधन और बिजली क्षेत्र में थोक मुद्रास्फीति 22.93 प्रतिशत पर स्थिर रही, जो उपभोक्ताओं पर बढ़ते बोझ को दर्शाती है। मंत्रालय ने खनिज तेल (पेट्रोलियम उत्पादों वाले), खाद्य वस्तुएं, बुनियादी धातुओं और रासायनिक उत्पादों सहित विभिन्न समूहों में कीमतों में वृद्धि को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया है। चालू वित्त वर्ष की शुरुआत से ही थोक मुद्रास्फीति में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और होर्मुज जलडमरूमध्य में संभावित अवरोधों के कारण वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल और उर्वरक की लागत में वृद्धि हुई है, जिसका सीधा असर भारत में आयातित वस्तुओं और खाद्य कीमतों पर पड़ रहा है। इन बढ़ते थोक मूल्य दबावों के बावजूद, भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने पिछले महीने नीतिगत दर को 5.25 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा था। समिति ने अल नीनो के कारण कमजोर मानसून और 2026-27 के लिए खुदरा मुद्रास्फीति का अनुमान पांच प्रतिशत बनाए रखने का हवाला दिया था, जो समग्र आर्थिक माहौल में अनिश्चितता को दर्शाता है।

न्यायमूर्ति संजय प्रसाद ने दुमका सिविल कोर्ट, केंद्रीय कारा और संप्रेक्षण गृह का निरीक्षण किया

बिभा संवाददाता

दुमका। झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश संजय प्रसाद ने सोमवार को अपने दो दिवसीय दुमका दौरे के दौरान सिविल कोर्ट, केंद्रीय कारा और संप्रेक्षण गृह का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बंदियों, किशोरों और न्यायिक अधिकारियों से बातचीत कर व्यवस्थाओं और समस्याओं की जानकारी ली।

केंद्रीय कारा के निरीक्षण के दौरान न्यायमूर्ति प्रसाद ने महिला बंदियों से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य, व्यक्तिगत समस्याओं और न्यायिक मामलों की जानकारी ली। उन्होंने महिला बंदियों के साथ रह रहे बच्चों से भी बातचीत की और उन्हें टॉफी व बिस्किट वितरित किए।

उन्होंने कारा अस्पताल और पाकशाला का निरीक्षण कर बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सुविधाओं और भोजन की गुणवत्ता एवं व्यवस्था की जानकारी ली। पुरुष बंदी वार्ड में भी उन्होंने बंदियों से बातचीत कर स्वास्थ्य, विधिक सहायता और अन्य आवश्यक सुविधाओं से संबंधित समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त की।

संप्रेक्षण गृह के निरीक्षण के दौरान न्यायमूर्ति प्रसाद ने वहां रह रहे किशोरों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत की। उन्होंने किशोरों को अपनी गलतियों से सीख लेकर नई शुरूआत करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि संप्रेक्षण गृह में रहते हुए अध्ययन और कौशल प्रशिक्षण पर ध्यान देकर हुनर हासिल करें और भविष्य में अच्छे नागरिक बनें। किशोरों के जन्मदिन के अवसर पर न्यायमूर्ति प्रसाद ने उनके साथ केक काटकर जन्मदिन मनाया। उन्होंने किशोरों को कॉपी, कलम और बिस्किट उपहार में देकर उनका उत्साहवर्धन किया। संप्रेक्षण गृह में किशोरों को मिल रही सुविधाओं पर संतोष जताया।

व्यवहार न्यायालय के निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न न्यायालयों में लंबित मामलों के निष्पादन और फैसलों की प्रगति की जानकारी ली तथा संबंधित न्यायाधीशों को आवश्यक निर्देश दिए। न्यायालय परिसर में पौधरोपण कर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।

इससे पूर्व जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष निशांत प्रसाद और सचिव राकेश कुमार यादव ने न्यायमूर्ति संजय प्रसाद का स्वागत किया। मौके पर प्रधान जज सुधांशु कुमार शशि, उपायुक्त अभिजीत सिन्हा, पुलिस अधीक्षक पीताम्बर सिंह खेरवार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

रांची रेलवे स्टेशन पर तत्काल टिकटों की दलाली का भंडाफोड़

आरपीएफ व सीबीआई ने गिरिडीह के युवक को दबोचा, 29 हजार से अधिक के टिकट जब्त

बिभा संवाददाता

रांची। रेलवे टिकटों की अवैध कालाबाजारी के खिलाफ आरपीएफ ने बड़ी कार्रवाई की है। 13 सितंबर 2026 को गुप्त सूचना के आधार पर आरपीएफ पोस्ट रांची और सीआईबी (क्राइम इंटेलिजेंस ब्रांच) रांची की संयुक्त टीम ने रांची रेलवे स्टेशन स्थित बुकिंग काउंटर पर छापेमारी कर एक टिकट दलाल को रंगे हाथ धर दबोचा।

कार्रवाई के दौरान टीम ने पीआरएस काउंटर संख्या 05 से तत्काल टिकट बनवाकर निकल रहे एक युवक को हिरासत में लिया। पकड़े गए आरोपी की पहचान प्रवीण कुमार वर्मा (25 वर्ष), पिता महावीर प्रसाद वर्मा, निवासी रामूसरन, डाकघर मांद्रो, थाना देवरी, जिला गिरिडीह (झारखंड) के रूप में की गई है।

तलाशी और पूछताछ के दौरान आरोपी के पास से 29,275 रुपये मूल्य के कुल चार लाइव पीआरएस रेलवे टिकट, एक मोबाइल फोन, तीन भरे हुए और चार खाली टिकट आरक्षण मांग-पत्र (फॉर्म) बरामद किए गए।

पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह जरूरतमंद यात्रियों से अतिरिक्त रकम (कमीशन) वसूल कर उनके लिए तत्काल टिकटों का अवैध प्रबंध करता था। आरपीएफ टीम ने बरामद टिकटों और कागजातों को जब्त करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में आरपीएफ पोस्ट रांची में आरोपी के खिलाफ रेल अधिनियम के तहत कांड संख्या 2918/2026 दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

ऑपरेशन नन्हे फरिश्तेः सूबेदारगंज स्टेशन पर आरपीएफ ने ट्रेन से 15 वर्षीय बच्चे को सकुशल किया बरामद, चाइल्ड हेल्पलाइन को सौंपा

प्रयागराज(बिभा)। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत तत्परता दिखाते हुए एक 15 वर्षीय गुमशुदा बच्चे को सुरक्षित बरामद कर लिया है। यह कार्रवाई प्रयागराज मंडल के सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन पर की गई, जिसके बाद आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर बच्चे को सुरक्षित देखरेख के लिए चाइल्ड हेल्पलाइन के सुपुर्द कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, 13 सितंबर की रात रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 के माध्यम से मंडल कंट्रोल प्रयागराज को सूचना मिली कि गाड़ी संख्या 13697 (दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस) के कोच संख्या ऊ8 में एक बच्चा काफी गुमसुम हालत में बैठा है। सूचना मिलते ही रैक सुरक्षा ड्यूटी में तैनात हेड कांस्टेबल धर्मेंद्र कुमार गौड़ को तुरंत सतर्क किया गया। रात करीब 11:25 बजे ट्रेन जैसे ही सूबेदारगंज स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 3 पर पहुंची, आरपीएफ की टीम ने संबंधित कोच को अटेंड किया और बच्चे को सकुशल नीचे उतारकर आरपीएफ पोस्ट सूबेदारगंज लाया गया। पूछताछ में बच्चे ने अपना घर कैमूर (बिहार) बताया। उसने बताया कि वह घर वालों से नाराज होकर नई दिल्ली में रहने वाले अपने बड़े पापा के पास जाने के लिए बिना बताए ट्रेन में सवार हो गया था। आरपीएफ अधिकारियों ने मामले की सूचना तुरंत संबंधित थाने और चाइल्ड हेल्पलाइन प्रयागराज को दी। इसके बाद सहायक उप निरीक्षक राजेश यादव ने कांस्टेबल शिव प्रकाश की उपस्थिति में कागजी प्रक्रिया पूरी करते हुए बच्चे को चाइल्ड हेल्पलाइन टीम को सौंप दिया। आरपीएफ की इस त्वरित कार्रवाई से बच्चा समय रहते सुरक्षित संरक्षण में पहुंच गया।

प्रयागराज और नारायणपुर बाजार से शकूरबस्ती स्पेशल ट्रेनों में सीटें उपलब्ध, रेलवे ने जारी किया ब्योरा

प्रयागराज(बिभा)। आगामी त्योहारों और मांग को देखते हुए उत्तर मध्य रेलवे द्वारा संचालित विशेष ट्रेनों में यात्रियों के लिए विभिन्न श्रेणियों में सीटें उपलब्ध कराई गई हैं। यात्रियों को यात्रा की योजना बनाने और टिकट बुकिंग में सहूलियत देने के मकसद से रेलवे ने प्रमुख तिथियों पर उपलब्ध बर्थ की स्थिति जारी की है। ट्रेन संख्या 02417 (प्रयागराजझ्ञशकूरबस्ती स्पेशल) में 15 से 22 सितंबर 2026 के बीच सभी प्रमुख श्रेणियों में सीटें उपलब्ध हैं। इसके तहत 15 सितंबर को प्रथम एसी में 04, द्वितीय एसी में 11, तृतीय एसी में 113 और स्लीपर में 163 सीटें रिक्त हैं। वहीं 16 सितंबर को प्रथम एसी में 04, द्वितीय एसी में 9, तृतीय एसी में 138 और स्लीपर में 342 सीटें उपलब्ध हैं। इसी क्रम में 17 सितंबर को प्रथम एसी में 03, द्वितीय एसी में 08, तृतीय एसी में 142 और स्लीपर श्रेणी में 429 सीटें उपलब्ध हैं। इसी तरह ट्रेन संख्या 04163 (नारायणपुर बाजारझ्ञशकूरबस्ती स्पेशल) में 17 अक्टूबर से 3 नवंबर 2026 के दौरान सीटें उपलब्ध हैं। 17 अक्टूबर को प्रथम एसी में 04, द्वितीय एसी में 07, तृतीय एसी में 142 और स्लीपर में 529 सीटें उपलब्ध हैं। 20 अक्टूबर को प्रथम एसी में 04, द्वितीय एसी में 8, तृतीय एसी में 141 और स्लीपर में 526 सीटें रिक्त हैं। जबकि 21 अक्टूबर को प्रथम एसी में 04, द्वितीय एसी में 08, तृतीय एसी में 135 और स्लीपर में 522 सीटें उपलब्ध हैं। रेल प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे समय रहते अग्रिम योजना बनाकर आईआरसीटीसी या अधिकृत आरक्षण केंद्रों से टिकट बुक करा लें। रेलवे ने स्पष्ट किया है कि सीटों की उपलब्धता गतिशील होती है, इसलिए बुकिंग के समय नवीनतम स्थिति अवश्य जांच लें।

धनबाद डीआरएम कार्यालय में राजभाषा पखवाड़ा शुरूः अधिकारियों व कर्मचारियों ने ली हिंदी में कार्य करने की शपथ

धनबाद(बिभा)। मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, धनबाद में मंगलवार को राजभाषा पखवाड़ा-2026 (14 से 30 सितंबर) का विधिवत शुभारंभ हुआ। इस उपलक्ष्य में आयोजित 'राजभाषा संकल्प' समारोह में रेल कर्मियों को कार्यालयी कार्यों में अधिक से अधिक हिंदी का प्रयोग करने की शपथ दिलाई गई। मंडल रेल प्रबंधक अखिलेश मिश्र के दिशा-निर्देश में आयोजित इस समारोह में अपर मंडल रेल प्रबंधक (ओ.पी.) सह अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी मुकेश कुमार ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राजभाषा शपथ दिलाई। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि संविधान के अनुरूप भारत संघ की भाषाई एकता को सुदृढ़ बनाए रखना हम सभी का कर्तव्य है। उन्होंने सभी कर्मियों से जाति, धर्म और क्षेत्रीयता की भावना से ऊपर उठकर अपने दैनिक सरकारी कामकाज में हिंदी को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। समारोह में मंडल के कई वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। 30 सितंबर तक चलने वाले इस पखवाड़े के दौरान रेल कर्मियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इसमें हिंदी निबंध लेखन, टिप्पण एवं प्रारूप लेखन, राजभाषा क्विज और हिंदी वाक (भाषण) प्रतियोगिता प्रमुख रूप से शामिल हैं।

रांची नगर निगम ने कई प्लॉट को कराया अतिक्रमणमुक्त, विकास योजनाओं में होगा उपायोग

बिभा संवाददाता

रांची। रांची नगर निगम की पिछले एक वर्ष से चली आ रही मेहनत अब जमीन पर दिखाई देने लगी है। जिन निगम संपत्तियों और महत्वपूर्ण भूमियों पर वर्षों से अतिक्रमण और अनाधिकृत कब्जे की स्थिति बनी हुई थी, उन्हें चरणबद्ध तरीके से अतिक्रमणमुक्त कर अब सुरक्षित किया जा रहा है। इन भूमियों का सीमांकन, बाउंड्री वॉल निर्माण और भविष्य में जनोपयोगी योजनाओं के लिए उनका सुव्यवस्थित उपयोग सुनिश्चित करने की दिशा में निगम ने पिछले एक वर्ष में व्यापक कार्रवाई की है।

इस संबंध में रांची नगर निगम की ओर से प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा गया है कि निगम की जमीन केवल जमीन नहीं, बल्कि रांची के भविष्य के विकास की पूंजी है।

निगम की रणनीति केवल अतिक्रमण हटाने तक सीमित नहीं है। अतिक्रमणमुक्त कराई गई भूमि का सीमांकन, संरक्षण, अभिलेखीकरण और भविष्य की आवश्यकता के अनुरूप उपयोग सुनिश्चित किया जा रहा है, ताकि सार्वजनिक संपत्तियां दोबारा अतिक्रमण की चपेट में न आए और आने वाले वर्षों में इनका अधिकतम जनहित में उपयोग किया जा सके।

निगम का कहना है कि रांची नगर निगम का उद्देश्य इन भूमियों को केवल खाली रखना नहीं, बल्कि आवश्यकता के अनुरूप इन्हें जनोपयोगी परिसंपत्तियों में परिवर्तित करना है।

अतिक्रमणमुक्त की गई महत्वपूर्ण भूमि में से मोरहाबादी इलेक्ट्रिक सब-स्टेशन, मोरहाबादी रजिस्ट्री ऑफिस, बूटी मोड़ और डोरंडा बाजार क्षेत्र में व्यवस्थित एवं सुविधाजनक वेंडिंग जोन विकसित किए जाने का प्रस्ताव है। इससे फुटपाथ और सड़क किनारे बिखरे हुए वेंडिंग को व्यवस्थित स्थान मिल सकेगा।

इसी क्रम में दैनिक मजदूरों को सम्मानजनक और व्यवस्थित स्थान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से डोरंडा बाजार एवं लोआडीह में लेबर चौक विकसित किया गया है। निगम की अन्य उपयोगी भूमि पर भी लाइब्रेरी, आश्रय गृह, सार्वजनिक सुविधाएं, स्वच्छता एवं अपशिष्ट प्रबंधन से जुड़ी आधारभूत संरचनाएं सहित अन्य जनोपयोगी योजनाएं विकसित किए जाने की दिशा में कार्य किए जाएंगे।

निगम की ओर से कहा गया है कि मजबूत और स्पष्ट म्युमनिसिपल असेट बेस नगर निगम की वित्तीय और संस्थागत क्षमता को मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भविष्य में म्युनिसिपल बांड, पीपीपी प्रोजेक्टिस और अर्बन चैलेंज फंड जैसी वित्तीय व्यवस्थाओं एवं विकास अवसरों का लाभ उठाने के लिए नगर निकाय के पास स्पष्ट स्वामित्व वाली, सुरक्षित तथा व्यवस्थित परिसंपत्तियों का होना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

रांची नगर निगम की ओर से पिछले एक वर्ष में की गई कार्रवाई का मूल उद्देश्य यही है कि सार्वजनिक भूमि सार्वजनिक हित में रहे। राजधानी में जो जमीन वर्षों से अतिक्रमण की वजह से शहर के विकास में उपयोग नहीं हो पा रही थी, उसे अब वापस लेकर संरक्षित किया जा रहा है और चरणबद्ध तरीके से ऐसी परिसंपत्तियों के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है, जिनका लाभ वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों को मिल सके।

निगम आने वाले समय में भी निगम की अन्य भूमि और परिसंपत्तियों का सर्वेक्षण, अभिलेखीकरण, सीमांकन, अतिक्रमणमुक्ति एवं संरक्षण जारी रखेगा।

इन भूमि को कराया गया अतिक्रमणमुक्त

- निगम की टीम की ओर से एदलहातू में लगभग 4.8 एकड़, कुसुम बिहार में 78.65 डिसमिल, करमटोली तालाब में 51 डिसमिल, ग्वाला टोली, डोरंडा में लगभग 1.20 एकड़ और उर्दू स्कूल, थड़पखना में 31.5 डिसमिल भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराया गया है। सीमांकन के बाद इन स्थानों पर बाउंड्री वॉल निर्माण की की जा रही है।
- मोरहाबादी इलेक्ट्रिक सब-स्टेशन, मोरहाबादी रजिस्ट्री ऑफिस, नागा बाबा खटाल एमआरएफ सेंटर, ट्रेकर स्टैंड एमआरएफ सेंटर और बकरी बाजार स्टोर जैसी महत्वपूर्ण निगम परिसंपत्तियों को भी सुरक्षित और संरक्षित करने के लिए बाउंड्री वॉल निर्माण का कार्य किया जा रहा है।
- धुर्वा आश्रय गृह, जगन्नाथपुर आश्रय गृह एवं खादगढ़ा आश्रय गृह की परिसंपत्तियों के संरक्षण के लिए भी बाउंड्री वॉल निर्माण की कार्रवाई की जा रही है।
- बड़ा घाघरा में लगभग 2.80 एकड़, मानिटोला में लगभग 05 एकड़, पिंजरा पोखर/गौशाला चौक में लगभग 11 डिसमिल, डोरंडा बाजार में लगभग 01 एकड़ और बूटी मोड़ चौक में लगभग 0.44 एकड़ भूमि को भी अतिक्रमणमुक्त कर सीमांकन एवं संरक्षण की कार्रवाई की गई है।
- तुपुदाना में निफ्ट के पास, कांटाटोली बस स्टैंड, बड़गाई, बाधगाड़ी सहित अन्य क्षेत्रों में भी सरकारी और निगम से संबंधित भूमियों को अतिक्रमणमुक्त कराने की कार्रवाई की गई है।

किता-सिल्ली रेलखंड पर ब्लॉकः आज हटिया-सांकी पैसेंजर रद्द

बिभा संवाददाता

रांची। रांची रेल मंडल के अंतर्गत किता-सिल्ली रेलखंड पर विकास एवं तकनीकी कार्यों को लेकर 15 सितंबर 2026 को ट्रैफिक ब्लॉक लिया जा रहा है। इस कारण रेलवे प्रशासन ने कई महत्वपूर्ण ट्रेनों के परिचालन में बदलाव किया है। ब्लॉक के चलते जहां चार पैसेंजर ट्रेनें पूरी तरह रद्द रहेंगी, वहीं कई प्रमुख ट्रेनों को गंतव्य से पहले ही समाप्त (शॉर्ट टर्मिनेट) किया जाएगा।

रेलवे द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, 15 सितंबर को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 58663/58664 एवं 58665/58666 हटिया-सांकी-हटिया पैसेंजर दोनों दिशाओं में पूरी तरह रद्द रहेंगी।

इसके अलावा लंबी दूरी व मेमू ट्रेनों के रूट में आंशिक बदलाव किए गए हैं। ट्रेन संख्या 13503/13504 बर्द्धमान-हटिया-बर्द्धमान मेमू एक्सप्रेस गोमो स्टेशन तक ही चलेगी और वहीं से वापस लौटेगी; यह ट्रेन गोमो और हटिया के बीच रद्द रहेगी। वहीं ट्रेन संख्या 18035/18036 खड़गपुर-हटिया-खड़गपुर एक्सप्रेस का परिचालन आद्रा स्टेशन तक सीमित रहेगा और यह आद्रा से हटिया के बीच नहीं चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 63598/63597 आसनसोल-रांची-आसनसोल मेमू पैसेंजर का आंशिक समापन व प्रारंभ मुरी स्टेशन से किया जाएगा, जिससे यह ट्रेन मुरी और रांची के बीच दोनों दिशाओं में रद्द रहेगी। रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे असुविधा से बचने के लिए इन परिवर्तनों को ध्यान में रखकर ही अपनी यात्रा की योजना बनाएं।

निर्माण संगठन में कर्मचारी संपर्क शिविर का शुभारंभः दानापुर से हुई शुरूआत, दो माह में होगा शिकायतों का समाधान

बिभा संवाददाता

दानापुर। रेलवे निर्माण संगठन की सभी इकाइयों के कर्मचारियों से बेहतर संवाद, उनकी समस्याओं के समयबद्ध निवारण और कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से 14 सितंबर से कर्मचारी संपर्क शिविर-2026 का विधिवत आगाज किया गया। इस पहल के तहत पहला शिविर दानापुर के कई इकाइयों में आयोजित हुआ।

दानापुर की इन इकाइयों में कार्यरत कुल 90 कर्मचारियों में से पहले दिन 50 कर्मचारियों ने शिविर में भाग लिया। उपस्थित सभी कर्मियों को अपनी समस्याएं दर्ज कराने के लिए निर्धारित प्रपत्र उपलब्ध कराया गया। पारदर्शिता और शत-प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जिन कर्मचारियों को कोई समस्या नहीं थी, उनसे अनिवार्य रूप से निल ग्रीवांस फॉर्म भरवाया गया। शिविर के दौरान कुल 13 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनकी जांच कर शिविर समाप्ति के दो माह के भीतर निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा।

शिविर के दौरान जिन कर्मियों के फ्रढ खाते नहीं हैं, उनका डेटा भी संकलित किया गया। प्रशासन का लक्ष्य आगामी दो महीनों के भीतर 100 प्रतिशत कर्मचारियों को फ्रढ खातों से जोड़ना है। जो कर्मी इस शिविर में शामिल नहीं हो सके, उनके लिए आगामी दिनों में पूरक संपर्क शिविर लगाया जाएगा। निर्माण संगठन की अन्य सभी इकाइयों में भी तय कार्यक्रम के अनुसार इस प्रकार के शिविर आयोजित किए जाएंगे, जिससे हर रेलकर्मी की सहभागिता सुनिश्चित हो सके।

अमृत भारत स्टेशन योजनाः पूर्व मध्य रेल के 97 स्टेशनों का हो रहा कायाकल्प, महाप्रबंधक ने की कार्यों की समीक्षा

बिभा संवाददाता

हाजीपुर। पूर्व मध्य रेल मुख्यालय हाजीपुर में महाप्रबंधक डिम्पी गर्ग ने विभागाध्यक्षों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक कर अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत जारी विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्य उच्च गुणवत्ता के साथ तय समय-सीमा के भीतर पूरा करने के सख्त निर्देश दिए।

महाप्रबंधक ने कहा कि स्टेशनों का पुनर्विकास यात्रियों को स्मार्ट, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा अनुभव उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। पूर्व मध्य रेल क्षेत्राधिकार के कुल 97 रेलवे स्टेशनों को इस योजना के तहत आधुनिक बनाया जा रहा है। इनमें समस्तीपुर मंडल के 25, दानापुर मंडल के 22, धनबाद मंडल के 17, पंडित दीन दयाल उपाध्याय (डीडीयू) मंडल के 17 और सोनपुर मंडल के 16 स्टेशन शामिल हैं।

इस योजना के तहत स्टेशनों को आधुनिक स्वरूप देने के साथ-साथ वहां की स्थानीय कला और सांस्कृतिक विरासत को भी वास्तुकला में प्रमुखता दी जा रही है। इसका मुख्य उद्देश्य यात्रियों को अत्याधुनिक सुविधाएं मुहैया कराने के साथ सुरक्षा मानकों को बेहतर करना और सुगम आवागमन सुनिश्चित करना है। रेलवे अवसंरचना के इस आधुनिकीकरण से स्थानीय व्यापार, कृषि, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार को भी नई गति मिलेगी।

अर्जुन सिंह ने संभाला भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष का पदभार, बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने का संकल्प

बिभा संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश कार्यालय स्थित सभागार में सोमवार को किसान मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष अर्जुन सिंह का पदभार ग्रहण सह अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर अर्जुन सिंह ने विधिवत किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष का कार्यभार संभाला। कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई।

समारोह को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय ने अर्जुन सिंह को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में किसान मोर्चा और मजबूत एवं सशक्त होगा। किसान के विकास के बिना देश का विकास संभव नहीं है। जब किसान विकसित होगा, तभी भारत विकसित होगा और किसान आत्मनिर्भर होगा, तभी देश आत्मनिर्भर बनेगा।

बालमुकुंद सहाय ने किसान मोर्चा के कार्यकर्ताओं से पार्टी को मजबूत करने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं को पार्टी के पक्ष और नीतियों को जनता के बीच प्रभावी ढंग से रखने का काम करना चाहिए। उन्होंने कृषि क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि उन्नत खेती और बेहतर उत्पादन के लिए नई तकनीक तथा वैज्ञानिक शोध महत्वपूर्ण हैं। सहाय ने कहा कि भाजपा के शासनकाल में किसानों के हित में कई योजनाएं बनाई गई हैं।

नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष अर्जुन सिंह ने पार्टी नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि भाजपा ने उन पर जो विश्वास व्यक्त किया है, उस पर खरा उतरने का वे पूरा प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा किसान मोर्चा किसानों के हक और अधिकार की आवाज लगातार उठाता रहा है।

अर्जुन सिंह ने कहा कि किसानों की कोई जाति नहीं होती। देश का प्रत्येक नागरिक किसान और कृषि व्यवस्था से किसी न किसी रूप में जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि किसान मोर्चा को मजबूत करने के लिए कार्यकर्ताओं को व्यापक स्तर पर मेहनत करनी होगी।

अर्जुन सिंह ने कहा कि किसान मोर्चा को प्रदेश स्तर से लेकर प्रत्येक बूथ तक पहुंचाना और संगठन को पहले से अधिक मजबूत बनाना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। उन्होंने संगठन के विस्तार के साथ किसानों से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाने की बात कही।

अर्जुन सिंह ने राज्य की हेमंत सरकार पर चुनाव के दौरान किए गए वादों को पूरा नहीं करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार ने किसानों को 274 रुपये प्रति किलो की दर से यूरिया उपलब्ध कराने का वादा किया था, लेकिन किसानों को कथित तौर पर 1,200 रुपये प्रति किलो की दर से यूरिया मिल रहा है। अर्जुन सिंह ने कहा कि इसी तरह 3,200 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदने का वादा किया गया था, जबकि खरीद 2,400 रुपये प्रति क्विंटल की दर से की जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की कथित वादाखिलाफी के खिलाफ किसान मोर्चा आंदोलन को तेज करेगा और किसानों की समस्याओं को लेकर आवाज बुलंद करेगा।

किता-सिल्ली डाउन लाइन पर ब्लॉकः 15 सितंबर को गोमो तक ही चलेगी बर्द्धमान-हटिया मेमू, आसनसोल-रांची मेमू मुरी में होगी शॉर्ट टर्मिनेट

बिहान भारत

आसनसोल। किता-सिल्ली डाउन रेल खंड पर 15 सितंबर 2026 को 3 घंटे का पीक्यूआरएस ब्लॉक लिया जा रहा है। इस तकनीकी कार्य के कारण रेल प्रशासन ने 15 सितंबर को चलने वाली दो महत्वपूर्ण मेमू ट्रेनों के परिचालन में बदलाव किया है, जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

परिवर्तन के तहत गाड़ी संख्या 13503 बर्द्धमान-हटिया मेमू एक्सप्रेस 15 सितंबर को हटिया तक न जाकर नेताजी सुभाष चंद्र बोस जंक्शन गोमो तक ही चलाई जाएगी और वहीं समाप्त होगी। वापसी में गाड़ी संख्या 13504 हटिया-बर्द्धमान मेमू एक्सप्रेस हटिया की जगह गोमो जंक्शन से ही अपनी यात्रा शुरू करेगी। इस प्रकार, यह ट्रेन गोमो और हटिया के बीच दोनों दिशाओं में आंशिक रूप से रद्द रहेगी।

इसी तरह, गाड़ी संख्या 63598 आसनसोल-रांची मेमू पैसेंजर का परिचालन मुरी जंक्शन तक ही सीमित रहेगा। वहीं से गाड़ी संख्या 63597 रांची-आसनसोल मेमू पैसेंजर रांची के बजाय मुरी जंक्शन से आसनसोल के लिए रवाना होगी। नतीजतन, इस ट्रेन का परिचालन मुरी और रांची के बीच दोनों दिशाओं में रद्द रहेगा।

रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे इस बदलाव को ध्यान में रखते हुए ही अपनी यात्रा की योजना बनाएं और घर से निकलने से पहले ट्रेनों की अद्यतन स्थिति अवश्य जांच लें।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट, भोसले गली, हरिहर सिंह रोड, बरियातू, रांची-834009 (झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com